RNI NO.DELHIN/2012/48369
वर्ष 9 अंक 156
नई दिल्ली, बुधवार, 14 अप्रैल, 2021
पृष्ठ 12 मूल्य ₹ 3
नगर संस्करण

नई दिल्ली, लखनऊ, रायपुर और फरीदाबाद से प्रकाशित

पायनियर

www.dailypioneer.com

मैरी मिलबन ने हिंदू नववर्ष की बधाई दी
विविध-12

महाराष्ट्र में आज रात से 15 दिन का कर्फ्यू

● राज्य में कोविड-19 के 60 हजार से अधिक नए मामले, 281 की मौत

पायनियर समाचार सेवा। पुणे, मुंबई

महाराष्ट्र में मंगलवार को कोरोना वायरस संक्रमण के 60,212 नए मामले सामने आए और 281 लोगों की मौत हो गई। वहीं, राज्य सरकार ने हालात पर गौर करते हुए 14 अप्रैल रात आठ बजे से 15 दिनों का राज्यव्यापी कर्फ्यू लगाने की घोषणा की है।

राज्य के स्वास्थ्य विभाग ने बताया कि नए मामलों के सामने आने के साथ राज्य में अब तक संक्रमित हुए लोगों की कुल संख्या बढ़ कर 35,19,208 हो गई, जबकि अब तक कुल 58,526 लोगों की महामारी से मौत हो चुकी है। संक्रमण के मामले चिंताजनक तरीके से बढ़ने के मद्देनजर मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे नीत महाविकास आघाडी सरकार ने 14 अप्रैल से 15 दिनों का राज्यव्यापी कर्फ्यू लगाने की मंगलवार को घोषणा की। ठाकरे ने राज्य के लोगों को सोशल मीडिया के माध्यम से संबोधित करते हुए कहा कि बुधवार की रात आठ बजे से कर्फ्यू शुरू होगा और आवश्यक सेवाओं को इससे छूट दी गई है। ठाकरे ने कहा कि लॉकडाउन की तरह पाबंदियां लागू रहने तक आपराधिक दंड प्रक्रिया की धारा 144 (निषेधाज्ञा) लागू रहेगी। हालांकि, उन्होंने नई पाबंदियों को लॉकडाउन नहीं कहा। ठाकरे ने कहा कि कोरोना वायरस के कारण जारी निषेधाज्ञा के कारण राज्य सरकार अगले एक महीने तक हर गरीब एवं जरूरतमंद व्यक्ति को तीन किलोग्राम गेहूं और दो किलोग्राम चावल निःशुल्क मुहैया कराएगी। वहीं कोरोना वायरस (शेष पेज 9)

नवी मुंबई में एक स्वास्थ्य केंद्र पर कोरोना रोधी टीका लगवाने के बाद विजय की मुद्रा में लाभार्थी

स्पुतनिक के बाद कतार में कई और विदेशी टीके

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

रूस की स्पुतनिक वैक्सीन को आपातकालीन मंजूरी देने के साथ ही अमेरिका, ब्रिटेन और जापान में निर्मित टीकों को भी मंजूरी देने की तैयारी चल रही है। भारत में तेजी से बढ़ते कोविड संक्रमण मामलों को देखते हुए यह कदम उठाए जा रहे हैं। टीकाकरण अभियान तेज करने के लिए जरूरत पड़ी तो विश्व स्वास्थ्य संगठन की सूची में शामिल वैक्सीन को भी आपात इस्तेमाल की मंजूरी मिल सकती है। वहीं केंद्र ने मंगलवार को देश में कोविड वैक्सीन की कमी होने से इनकार किया और कहा कि इस समय हमारे (शेष पेज 9)

अमेरिका में जॉनसन एंड जॉनसन के टीके पर अस्थाई रोक

एपी। वाशिंगटन

अमेरिका ने खून के थक्के जमने की रिपोर्टों की जांच करने को लेकर जॉनसन एंड जॉनसन के एक खुराक वाले कोविड-19 के टीके लगाने को अस्थाई रूप से रोकने की सिफारिश की है। रोग नियंत्रण एवं रोकथाम केंद्र (सीडीसी) और खाद्य एवं औषधि प्रशासन (एफडीए) ने मंगलवार को एक संयुक्त बयान में कहा कि वे टीकाकरण के छह से 12 दिनों बाद खून के थक्के जमने संबंधी मामले की जांच कर रहे हैं। बयान के अनुसार मस्तिष्क से आने वाली शिराओं में खून में थक्के पाए गए और प्लेटलेट की संख्या घट गई। ए मामले 18 से 48 साल की छह महिलाओं में सामने आए और एक की मौत हो गई। बयान के मुताबिक इस टीके की अमेरिका में 68 लाख से अधिक खुराक दी गई है,जिनमें से ज्यादातर में किसी तरह का दुष्प्रभाव नहीं देखा (शेष पेज 9)

देशभर में कोरोना के चलते बिगड़े हालात

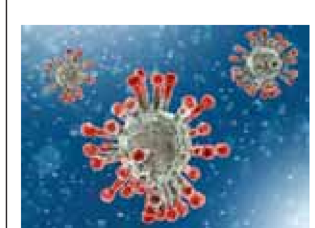

● भारत में संक्रमण के 1,61,736 नए मामले, 879 की मौत

● उप्र में मिले 18021 संक्रमित, 82 की मौत

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली,लखनऊ

भारत में एक दिन में कोरोना वायरस संक्रमण के 1,61,736 नए मामले सामने आने के साथ देश में इस महामारी के मामले बढ़कर 1,36,89,453 हो गए। कोविड-19 से पीड़ित लोगों के ठीक होने की दर और गिर गई, अब यह 89.51 प्रतिशत है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के मंगलवार की सुबह आठ बजे के अद्यतन आंकड़ों में यह जानकारी दी गई है। इनमें बताया गया कि संक्रमण के कारण और 879 लोगों की मौत होने से मरने वालों की कुल संख्या 1,71,058 हो गई। संक्रमण के दैनिक मामलों में लगातार 34वें दिन हुई बढ़ोतरी के बीच देश में उपचाराधीन लोगों की संख्या बढ़कर 12,64,698 हो गई है, जो संक्रमण के कुल मामलों का 9.24 प्रतिशत है। देश में सबसे कम 1,35,926 उपचाराधीन मरीज 12 फरवरी को थे और सबसे अधिक 10,17,754 उपचाराधीन मरीज 18 सितंबर 2020 को थे।

वहीं दूसरी ओर उत्तर प्रदेश में बीते चौबीस घंटों के दौरान प्रदेश में 18021 नए संक्रमित मरीज मिले हैं। इतना ही इस दौरान मौत के आंकड़े में भी इजाफा हुआ है। प्रदेश में एक दिन के अंदर रिकार्ड 85 लोगों की मौत हुई है। उधर इलाहाबाद हाईकोर्ट ने राज्य सरकार को प्रभावित क्षेत्रों में पूर्ण लॉकडाउन लगाने पर विचार करने का निर्देश दिया है। वहीं लखनऊ का आंकड़ा पांच हजार पार कर गया है। लखनऊ में 5382 नए मरीज मिले हैं जबकि 18 की मौत हुई है। प्रयागराज में 1856, कानपुर नगर में 1271, वाराणसी में 1404, गाजियाबाद में 199, गौतम बुद्ध नगर में 229, मेरठ में 321, गोरखपुर में 602, बरेली में 271, मुरादाबाद में 155, झांसी में 503, अलीगढ़ में 64, आगरा में 234, सहारनपुर में 135, मुजफ्फरनगर में 150, बलिया में 271, अयोध्या में 139, बाराबंकी में 132, लखीमपुर खीरी में 112, मथुरा में 96, जौनपुर (शेष पेज 9)

योगी ने खुद को किया आइसोलेट

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

● मुख्यमंत्री कार्यालय के कई बड़े अधिकारी संक्रमित

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने खुद को आइसोलेट कर लिया है। उनके दफ्तर के कई अधिकारियों के पॉजिटिव मिलने के बाद सीएम ने यह कदम उठाया है। उन्होंने इस बात की जानकारी ट्वीट करके दी है। सीएम योगी ने लिखा कि मेरे कार्यालय के कुछ अधिकारी कोरोना से संक्रमित हुए हैं। यह अधिकारी मेरे संपर्क में रहे हैं, अतः मैंने एहतियातन अपने को आइसोलेट कर लिया है। सभी कार्य वर्चुअली प्रारम्भ कर रहा हूं। मुख्यमंत्री के ओएसडी अभिषेक कौशिक, प्रमुख सचिव एसपी गोयल और सीएम के सचिव अमित सिंह संक्रमित हो गए हैं। सीएम आवास के भी दो कर्मचारियों के संक्रमित होने की बात कही जा रही है। कोरोना संक्रमण के मंडराते खतरों के बीच मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आइसोलेट करने के साथ ही अपने रूटीन कामकाज का तरीका भी बदला लिया है। सीएम ने आज से टीम 11 की बैठक वर्चुअल करनी शुरू कर दी है। कोरोना से जंग शुरू होने के बाद से सीएम योगी लगभग हर दिन टीम 11 के साथ कोरोना की समीक्षा करते आ रहे थे।

द्वितीय ब्रह्मचारिणी

दधाना करपद्माभ्यामक्षमाला कमण्डलू।
देवी प्रसीदतु मयि ब्रह्मचारिण्यनुत्तमा॥

मां दुर्गा की नवशक्ति का दूसरा स्वरूप ब्रह्मचारिणी का है। यहां ब्रह्म का अर्थ तपस्या से है। मां दुर्गा का यह स्वरूप भक्तों और सिद्धों को अनंत फल देने वाला है। इनकी उपासना से तप, त्याग, वैराग्य, सदाचार और संयम की वृद्धि होती है। ब्रह्मचारिणी का अर्थ तप की चारिणी यानी तप का आचरण करने वाली। देवी का यह रूप पूर्ण ज्योतिर्मय और अत्यंत भव्य है। इस देवी के दाएं हाथ में जप की माला है और बाएं हाथ में कमण्डल धारण किए हैं।

प्रधानमंत्री ने संयुक्त वैश्विक प्रयास का किया आह्वान

● कोविड-19 महामारी को लेकर रायसीना डायलॉग में बोले मोदी

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

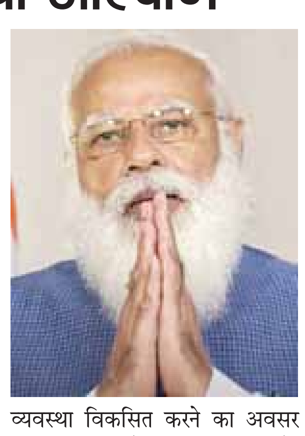

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कोविड-19 महामारी के खिलाफ जंग में संयुक्त वैश्विक प्रयासों पर बल देते हुए मंगलवार को कहा कि जब तक सभी इसके खिलाफ एकजुट नहीं होंगे, तब तक मानवजाति इसे पराजित करने में समर्थ नहीं होगी। वार्षिक रायसीना डायलॉग को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि कोविड-19 जैसी महामारी आखिरी बार लगभग एक शताब्दी पहले आई थी लेकिन इसके बावजूद आज पूरी दुनिया इस महामारी से जूझ रही है। उन्होंने कहा कि भारत ने इन विषम परिस्थितियों के बीच अपने 130 करोड़ नागरिकों को कोविड-19 से बचाने का प्रयास किया और महामारी से मुकाबला करने में दूसरे देशों की भी सहायता की। प्रधानमंत्री ने कहा कि कोविड-19 महामारी ने दुनिया में एक ऐसी व्यवस्था विकसित करने का अवसर दिया, जिससे मौजूदा समस्याओं और भावी चुनौतियों का निराकरण किया जा सके।

उन्होंने कहा, कोविड-19 महामारी ने हमें अवसर दिया है कि हम वैश्विक व्यवस्था में बदलाव कर सकें और अपनी सोच में परिवर्तन ला सकें। हमें ऐसी व्यवस्था बनानी चाहिए, जिससे आज की समस्याओं और आगामी चुनौतियों का निराकरण हो सके। उन्होंने कहा, हम अच्छी तरह समझते हैं कि मानव जाति इस महामारी को तब तक नहीं हरा पाएगी, जब तक (शेष पेज 9)

ममता ने तीन घंटे अकेले बैठ बनाई पेंटिंग

● प्रचार से रोके जाने के चुनाव आयोग के फैसले के खिलाफ धरने पर बैठीं मुख्यमंत्री

● आयोग ने पूर्व बंगाल भाजपा अध्यक्ष पर लगाया 48 घंटे का प्रतिबंध, दिलीप घोष को नोटिस

सौगर सेनगुप्ता। कोलकाता

कोलकाता में धरने पर बैठीं पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी

मुस्लिम वोटों की एकजुटता के बयान को लेकर 24 घंटे तक प्रचार से रोकी गईं पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने चुनाव आयोग के इस फैसले के खिलाफ मंगलवार को कोलकाता में महात्मा गांधी की मूर्ति के पास धरना दिया। आयोग के फैसले को अलोकतांत्रिक बताते हुए ममता तीन घंटे तक धरने पद बैठीं।

ममता पर लगा प्रतिबंध मंगलवार रात आठ बजे खत्म हो गया। पाबंदी खत्म होने कुछ मिनट बाद पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कहा कि उन्हें प्रचार से रोकने की कोशिश हो रही है। बनर्जी ने कहा कि वह जमीन से जुड़ी योद्धा हैं और डराने धमकाने के भाजपा के हथकंडे के आगे नहीं झुकेंगी। बनर्जी ने बारासात में एक रैली को संबोधित करते हुए कहा, भाजपा प्रचार कर सकती है और मुझे अनुमति नहीं दी गई।

मैं कुछ नहीं कहूंगी, बंगाल के लोग इस पर निर्णय करेंगे। वे हर चीज देख रहे हैं। ममता ने आरोप लगाया कि तृणमूल कांग्रेस के नेताओं पर चुनाव आयोग जरा-जरा सी बातों पर सख्त कार्रवाई कर रहा है जबकि भाजपा नेताओं को लेकर उसका रवैया बेहद नरम है। हालांकि मंगलवार को इस आरोप के उलट आयोग ने बंगाल के पूर्व भाजपा अध्यक्ष और उत्तरी 24 परगना जिले की हाबरा सीट से विधानसभा उम्मीदवार राहुल सिन्हा के प्रचार करने पर 48 घंटे का प्रतिबंध लगा दिया। सीतलकूची में केंद्रीय बलों की फायरिंग में चार लोगों के मारे जाने को लेकर उन्होंने भड़काऊ बयानबाजी की थी। उन्होंने कहा था कि केंद्रीय बलों को चार नहीं, आठ लोगों को मार (शेष पेज 9)

संक्रमण के 13,500 मामले रद्द हों बोर्ड परीक्षाएं : सीएम

● हालात बहुत गंभीर हैं, बच्चों को पास करने के वैकल्पिक तरीके खोजे सीबीएसई

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने केंद्र सरकार से 10वीं और 12वीं की बोर्ड परीक्षाएं रद्द करने की अपील की है। उन्होंने सुझाव दिया कि बच्चों को पास करने के लिए ऑनलाइन परीक्षाओं समेत वैकल्पिक तरीके खोजे जाएं। केजरीवाल ने मंगलवार को डिजिटल प्रेसवार्ता में कहा कि राष्ट्रीय राजधानी में पिछले 24 घंटे में कोरोना वायरस संक्रमण के 13,500 से अधिक नए मामले आए हैं। हालात बहुत गंभीर हैं। बच्चों की जिंदगी से खिलवाड़ नहीं किया जाना चाहिए। सीबीएसई की 10वीं और 12वीं की परीक्षाएं चार मई से आरंभ होंगी। केजरीवाल ने सचेत किया कि परीक्षाएं आयोजित करने से संक्रमण व्यापक स्तर पर फैल सकता है और परीक्षा केंद्रों में संक्रमण के बड़ी संख्या में मामले सामने आ सकते हैं। उन्होंने कहा कि दिल्ली में छह लाख बच्चे सीबीएसई (केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड) की परीक्षा देंगे। करीब एक लाख अध्यापक परीक्षाओं के आयोजन में शामिल होंगे। इससे परीक्षा केंद्र कोरोना के बड़े हॉटस्पॉट बन सकते हैं और इनसे बड़े स्तर पर संक्रमण फैल सकता है। उन्होंने कहा कि कोरोना की चौथी लहर में युवा ज्यादा प्रभावित हो रहे हैं। दिल्ली में 65 फीसद कोरोना मरीज 45 साल से कम उम्र के हैं। पिछले 24 घंटे में दिल्ली में 13,500 केस हो चुके हैं। ये बहुत ज्यादा हैं। बीते नवंबर में जो पिक आई थी, उस दौरान अधिकतम 8,500 केस आए थे। हम सभी जानते हैं कि इस बार की लहर बहुत खतरनाक है। इस वाली लहर में युवा काफी ज्यादा प्रभावित हो रहे हैं। साथ ही बच्चे भी प्रभावित हो रहे हैं।

बाजार

सेंसेक्स	48,544	↑	660	
निफ्टी	14,504	↑	194	
सोना	46,093	↓	130	/10g
चांदी	66,040	↓	305	/kg

क्विक न्यूज

उच्चतम न्यायालय ने उच्च न्यायालयों को आगाह किया

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने कहा कि संज्ञेय अपराधो की जांच लंबित होने के दौरान आरोपी को गिरफ्तारी से संरक्षण देने या उनके खिलाफ दंडात्मक कदम नही उठाने का आदेश पारित करते समय उच्च न्यायालय सावधानी बरतें ताकि प्रारंभिक दौर में ही आपराधिक कार्यवाही निष्प्रभावी नही हो। कोर्ट ने कहा कि बिना कारण बताए ऐसे अंतरिम आदेश पारित होने से जांच में बाधा आएगी। कोर्ट ने कहा कि अदालतों को संज्ञेय अपराधो में किसी भी जांच को निष्प्रभावी नही करना चाहिए और एक शिकायत या प्राथमिकी रद्द करना सामान्य नियम के बजाय अपवाद होना चाहिए। न्यायमूर्ति डी वाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली पीठ ने याचिका निरस्त करने के अनुरोध पर विचार से इनकार करते हुए अपने फैसले मे यह महत्वपूर्ण निर्देश दिए।

आरोपों से घिरे केरल के मंत्री जलील को देना पड़ा इस्तीफा

● राज्य लोकायुक्त की रिपोर्ट में भाई-भतीजावाद समेत लगाए गए थे गंभीर आरोप

कुमार चेलप्पन। कोच्चि

केरल की पिनाराई विजयन सरकार में विवादों से घिरे उच्च शिक्षा मंत्री केटी जलील ने मंगलवार को मंत्रिमंडल से इस्तीफा दे दिया। कुछ दिन पहले ही राज्य लोकायुक्त ने कहा था कि जलील ने अपने करीबी रिश्तेदार केटी अदीब को केरल स्टेट माइनरिटी डेवलपमेंट फाइनेंस कारपोरेशन का मैनेजर बनाकर लोक सेवक के तौर पर सत्ता का दुरुपयोग किया है। यह भाई-भतीजावाद है और उन्हें पद पर रहने का अधिकार नहीं है। राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान ने जलील का इस्तीफा स्वीकार कर लिया है। जलील ने फेसबुक पर इस्तीफे की पुष्टि करते हुए लिखा, मुझे यह कहते हुए खुशी हो रही है कि जो लोग मेरे खून के प्यासे रहे हैं, उन्हें अब सुकून मिल सकता है। मैंने मुख्यमंत्री को अपना इस्तीफा सौंप दिया है। बीते तीन दिन सीपीआई(एम) के लिए खासे मुश्किल भरे रहे। मंत्री एके बालान और पोलित ब्यूरो सदस्य कोडियेरी बालाकृष्णन ने जलील के इस्तीफा देने (शेष पेज 9)

यमुना एक्सप्रेस-वे पर कार पलटी, दो की मौत

पायनियर समाचार सेवा। मथुरा

उत्तर प्रदेश के मथुरा जिले में सोमवार रात यमुना एक्सप्रेस-वे पर नोएडा से आगरा की ओर जा रही कार टायर फटने से बेकाबू होकर डिवाइडर से टकराकर पलट गई। हादसे में कार सवार दो युवकों की मौत हो गई, जबकि तीसरा युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। पुलिस ने बताया कि सोमवार रात को यमुना एक्सप्रेस-वे पर होंडा अमेज कार नोएडा से आगरा की ओर जा रही थी। थाना महावन क्षेत्र में माइलस्टोन 120 के समीप कार का टायर फट गया, जिससे अनियंत्रित कार डिवाइडर में टकरा कर पलट गई। उन्होंने बताया कि हादसे में कार में सवार सुधांशु मिश्र (28) और सौरभ त्रिपाठी (24) निवासी की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि प्रद्युम्न मिश्र गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसे की सूचना मिलने पर पहुंची पुलिस ने कार में फंसे दोनों शव बाहर निकाल कर पोस्टमार्टम के लिए भेजा।

इस बार भी झूम-झूमकर बरसेंगे बदरा

● मौसम एजेंसी स्काईमेट का पूर्वानुमान-लगातार तीसरे वर्ष अच्छी बरसात होने की संभावना

● जून और सितंबर के महीनों में हो सकती है व्यापक स्तर पर वर्षा

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

प्रतीकात्मक चित्र

इस बार मानसून सीजन जून से सितंबर के बीच बादल झूमकर बरसेंगे। मौसम संबंधी पूर्वानुमान व्यक्त करने वाली निजी एजेंसी स्काइमेट वेदर ने मंगलवार को कहा कि बरसात के दौरान देश में 75 प्रतिशत से अधिक वर्षा का योगदान देने वाला दक्षिण-पश्चिम मानसून इस साल सामान्य रहेगा। हालांकि, उत्तर-पूर्वी क्षेत्र के कुछ हिस्सों और उत्तरी भारत में इस सीज में कम बारिश होने की आशंका है।

स्काइमेट वेदर के अध्यक्ष (मौसम विज्ञान) जीपी शर्मा ने कहा कि जून से सितंबर के दौरान वर्षा का दीर्घावधि औसत (एलपीए) 103 प्रतिशत रहेगा। इसमें चूक की संभावना पांच प्रतिशत अधिक या कम की है। शर्मा ने कहा कि इस तरह, सामान्य मानसून रहने की संभावना है। उन्होंने कहा कि सामान्य मानसून रहने की 60 प्रतिशत संभावना है और सामान्य से ज्यादा बारिश की 15 प्रतिशत संभावना है। स्काइमेट ने कहा कि मासिक आधार पर जून में 106 प्रतिशत वर्षा होगी, जबकि जुलाई में 97 प्रतिशत बारिश होने की संभावना है। अगस्त और सितंबर में 99 प्रतिशत और 116 प्रतिशत बारिश का अनुमान है। दीर्घावधि औसत के हिसाब से 96-104 प्रतिशत के बीच मानसून को सामान्य माना जाता है और 103 प्रतिशत वर्षा सामान्य रेंज में सबसे अधिक औसत है। शर्मा ने कहा कि लगातार तीसरे वर्ष 2021 में अच्छा मानसून रहेगा। पिछले दो वर्षों में सामान्य से ज्यादा बारिश दर्ज की गई थी। स्काइमेट ने कहा कि आंतरिक कर्नाटक में भी मानसून के प्रमुख महीने जुलाई-अगस्त में इसके कमजोर प्रदर्शन यानी कम बारिश की आशंका है।

मानसून के आरंभिक महीने जून और आखिरी चरण सितंबर में देशभर में व्यापक वर्षा के संकेत हैं। स्काइमेट के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) योगेश पाटिल ने बताया कि प्रशांत महासागर में पिछले वर्ष से ला नीना की स्थिति बनी हुई है और अब तक मिल रहे संकेत इशारा करते हैं कि पूरे मानसून में यह तटस्थ स्थिति में रहेगा। ला-नीना प्रभाव का आशय प्रशांत महासागर में पानी के ठंडा होने की स्थिति से है। महाद्वीप के मौसम पर इसका असर पड़ता है। पाटिल ने कहा कि मनसून के मध्य तक आते-आते प्रशांत महासागर के मध्य भागों में समुद्र की सतह का तापमान फिर से कम होने (शेष पेज 9)

नोएडा में महंगा हुआ पीने का पानी

प्राधिकरण ने की साढ़े सात फीसदी की बढ़ोतरी

फाइल फोटो

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

नोएडा प्राधिकरण ने कोरोना महामारी की मार झेल रहे शहर के लोगों को एक और झटका दिया है। अथॉरिटी ने शहर में पानी की दरों में साढ़े सात फीसदी की बढ़ोत्तरी कर दी है। बढ़ी हुई दरों के बाद नोएडा के हर नागरिक को महंगा पानी मिलेगा। अब श्रमिक कुंज के लिए 35 रुपये और 101 से 200 वर्ग मीटर में बने भूखंड मालिकों को 340 रुपये प्रति महीना शुल्क देना होगा। इसी तरह औद्योगिक, व्यावासायिक और संस्थागत संपत्ति की श्रेणी में पानी की दरों में इजाफा किया गया है।

दरों में बढ़ोत्तरी कर प्राधिकरण ने लोगों को बिल भेजने शुरू कर दिए हैं। ये दरें 1 अप्रैल 2020 से लागू होनी थीं लेकिन कोरोना वायरस के कारण लोगों के विरोध के बाद इसे वापस ले लिया गया था। लोगों का कहना है कि अब एक बार फिर से वायरस तेजी से फैलने लगा है। इसको अभी लागू नहीं करना चाहिए था। एक बार फिर पूरा देश वायरस की चपेट में है। इसके चलते लोगों को आर्थिक दिक्कतों का भी सामना करना पड़ रहा है। ऐसे समय में बिना कोई सुझाव या आपत्ति मांगे नोएडा प्राधिकरण ने 1 मई 2020 से पानी की दरों में साढ़े सात प्रतिशत की बढ़ोतरी कर दी थी।

खास बात ये है कि 2018 में ही प्राधिकरण ने पानी की दरों में 10 से 25 प्रतिशत की बढ़ोत्तरी की थी। दो साल के अंदर 30 प्रतिशत की बढ़ोतरी करने से शहर के लोगों ने विरोध करना शुरू कर दिया था। लोगों ने विरोध करते हुए कहा था कि कोरोना संकट के समय पानी की दरें बढ़ाना गलत है। इसको वापस लिया जाना चाहिए। वैसे भी प्राधिकरण 24 घंटे साफ पानी नहीं दे पा रहा है। पानी में टीडीएस की मात्रा बढ़ने से लोग बीमार हो रहे हैं। ऐसे में दरें बढ़ाने का कोई औचित्य नहीं है। लोगों के बढ़ते विरोध को देखते हुए प्राधिकरण ने बढ़ी दरों को वापस लेने का निर्णय लिया था। इसको बोर्ड बैठक में मंजूरी भी दी गई थी।

अब नोएडा प्राधिकरण ने पिछले साल वापस ली गईं पानी की दरों को इस बार लागू कर दिया है। इस बारे में जल विभाग के डीजीएम आरपी सिंह ने बताया कि साढ़े सात प्रतिशत की बढ़ोत्तरी के हिसाब से पानी की दरें लागू कर दी गईं हैं।

पिछले साल बढ़ाई गई दरों को वापस ले लिया गया था। वहीं डीडीआरडब्ल्यूए के अध्यक्ष एनपी सिंह का कहना है कि कोरोना वायरस अब और ज्यादा फैल रहा है। लोगों को आर्थिक दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। इसके अलावा पानी की गुणवत्ता में कोई सुधार नहीं हुआ है। ऐसे में बढ़ाई गईं दरों का विरोध करेंगे। फिलहाल प्राधिकरण ने मकान व भूखंड के आकार के हिसाब से पानी की दरें तय की हैं।

मकानों के क्षेत्रफल की श्रेणी के हिसाब से शुल्क

श्रमिक कुंज	35
निर्बल आय वर्ग	40
निम्न आय वर्ग	70
एमआईजी	240
एचआईजी	285
डुप्लेक्स	350
ग्रामवासी	60

भूखंड के मुताबिक इन दरों पर मिलेगा पानी

1-30 मीटर	60
31-50 मीटर	100
51-100 मीटर	270
101-200 मीटर	340
201-300 मीटर	470
301-400 मीटर	540
401 से 500 मीटर	635
501 से 1000 मीटर	705

इंडस्ट्रियल सेक्टर में 175 रुपये से शुरुआत होगी

औद्योगिक व संस्थागत संपत्तियों में तय की गईं पानी की दरों की शुरूआत 175 रुपये महीने से है। 30 मीटर तक के भूखंड वालों को 175 रुपये देने होंगे। 501 से 1 हजार वर्ग मीटर वाले भूखंड मालिकों को 890 रुपये देने होंगे। इनके अलावा 1 हजार से 5 हजार वर्ग मीटर भूखंड मालिकों को 1110 रुपये देने होंगे। व्यावसायिक संपत्ति में पानी की दरें सबसे अधिक हैं। इसमें भी श्रेणी वार दरें तय की गई हैं।

कई सेक्टर-सोसाइटी में प्रवेश के नियम किए कड़े

नोएडा। देशभर में तेजी से कोरोना वायरस के बढ़ते मामलों को देखते हुए गौतमबुद्धनगर की कई सोसाइटी और सेक्टरों में प्रवेश के नियम सख्त कर दिए गए हैं। कमोबेश पिछले साल जैसे हालात बन गए हैं। जनपद में भी कोरोना संक्रमण का खतरा लगातार बढ़ता जा रहा है। इस वजह से भी जिले की सभी आरडब्लूए प्रबंधन चौकन्ने हो गए हैं। प्रवेश के सभी द्वारों पर एहतियात बरता जा रहा है।

शहर में दो दर्जन से ज्यादा सोसाइटी ऐसी हैं, जहां रहने वाले लोगों को भी बगैर मास्क और तापमान की जांच कराए बिना प्रवेश नहीं दिया जा रहा है। प्रवेश द्वारों पर सेनेटाइजर की मशीनें लगा दी गई हैं। यहां लोगों को हाथ केमिकल से साफ करना पड़ रहा है। ग्रेटर नोएडा के सेक्टर डेल्टा तीन, गामा दो और पी थ्री में भी इसी तरह की व्यवस्था की गई है।

गाजियाबाद में स्वीमिंग पूल अनिश्चित काल के लिए बंद

जिले में कोरोना संक्रमण के बढ़ते ग्राफ को देखते हुए जिला प्रशासन ने लिया फैसला

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद

● जिम और पार्को के प्रवेश द्वार पर भी लटक सकता है ताला

जिले में कोरोना से पीड़ित मरीजों की संख्या लगातार बढ़ रही है जिसके चलते जिला प्रशासन का घबराना लाजमी है। इसको ध्यान में रखते हुए जिला प्रशासन ने मंगलवार से जिले के सभी स्विमिंग पूल को बंद करने का निर्णय किया है। इसके अलावा आगामी 24 घंटे में शहर के पार्क व जिम सेंटरों पर भी ताला लग सकता है। इस मुद्दे को लेकर जिला प्रशासन समीक्षा कर रहा है।

जिले भर में 3 दर्जन से भी अधिक स्विमिंग पूल हैं। गर्मी का पारा चढ़ते ही स्विमिंग पूलो में तैराकों का आना-जाना शुरू हो जाता है। संक्रमण तेजी के साथ ना फैले इसलिए इन सभी स्विमिंग पूलों को बंद करने का निर्णय किया गया है। स्विमिंग पूलों के बंद होने से वहां कार्यरत कर्मचारियों की रोजी-रोटी पर प्रभाव पड़ना भी तय है। कमला नेहरू नगर स्थित स्विमिंग पूल के संचालक का कहना है कि जिले भर के 3 दर्जन स्विमिंग पूलों में इस समय लगभग 500 लोग कार्यरत हैं। यदि स्विमिंग पूल नहीं चलेंगे तो इनकी रोजी रोटी पर प्रभाव पड़ेगा।

चिरंजीव विहार स्थित स्विमिंग पूल संचालक राकेश का कहना है कि स्विमिंग पूलों को सोशल डिस्टेंस के साथ हम लोग चला रहे थे लेकिन, प्रशासन के आदेश के बाद इन्हें बंद करना जरूरी हो गया है लेकिन, जो कर्मचारी यहां काम कर रहे हैं उनकी रोजी-रोटी का जुगाड़ कैसे होगा यह चिंता का विषय है।

उधर, जिलाधिकारी डॉ अजय शंकर पांडे ने बताया कि सभी इंसीडेंट कमांडर अपने-अपने क्षेत्र में स्विमिंग पूल के संचालन पर तत्काल प्रभाव से रोक लगाने की कार्यवाही सुनिश्चित करेंगे ताकि जनपद में कोरोना वायरस के संक्रमण को फैलने से रोका जा सके। जिला मजिस्ट्रेट ने समस्त स्विमिंग पूल संचालकों को निर्देश देते हुए कहा है कि सभी के द्वारा अपने-अपने स्विमिंग पूल तत्काल प्रभाव से बंद कर दिए जाएं। अन्यथा की स्थिति में दोषी पाए जाने पर दंडात्मक कार्यवाही जिला प्रशासन की ओर से सुनिश्चित की जाएगी।

इलाज के नाम पर तय शुल्क से ज्यादा वसूला तो होगी कार्रवाई

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

● सीएमओ ने दी चेतावनी पंजीकरण होगा निरस्त

गौतमबुद्धनगर में संक्रमित मरीजों के इलाज में अस्पताल और प्रयोगशालाओं द्वारा ज्यादा धनराशि वसूलने की शिकायतें जिला प्रशासन को मिल रही थीं। इसका संज्ञान लेते हुए डॉ दीपक ओहरी ने सभी हॉस्पिटल और लैब को रेट लिस्ट से संबंधित एक पत्र भेजा है। इसमें कहा गया है कि अगर तय शुल्क से ज्यादा धनराशि वसूलने का कोई मामला संज्ञान में आएगा, तो अस्पताल या लैब के विरुद्ध कोविड-19 महामारी की गाइडलाइन के अनुसार कार्रवाई की जाएगी।

बताते चलें कि बीते साल भी जब कोरोना वायरस अपने उफान पर था, तब जिले के कुछ लैब और अस्पतालों में मरीजों से ज्यादा राशि वसूलने की शिकायतें मिल रही थीं।

एक बार फिर महामारी अपने विकराल रूप में है। ऐसे में फिर अस्पतालों व लैब के खिलाफ ज्यादा शुल्क उगाही की शिकायतें मिलने लगी हैं। इसको देखते हुए सीएमओ ने जिले के सभी कोविड-19 पंजीकृत लैब व अस्पतालों को रेट लिस्ट भेजा है। इसमें कहा गया है कि अस्पतालों में भर्ती कोरोना मरीजों का इलाज डॉ. विनोद पाल कमेटी द्वारा निर्धारित शुल्क के मुताबिक किया जाएगा।

मंदिरों में दिखा महामारी के डर का प्रभाव

संक्रमण को देखते हुए कम संख्या में पहुंचे श्रद्धालु, घर में की पूजा

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद

मोहन नगर स्थित दुर्गा मंदिर के बाहर लाइन में खड़े श्रद्धालु।

नवरात्रि के पहले दिन शहर के दुर्गा देवी मंदिरों में कोरोना के डर के चलते बेहद कम संख्या में श्रद्धालु पहुंचे। कई मंदिर सूने दिखाई दिए। लोगों ने अपने घरों में ही घट स्थापना के साथ नवरात्र का पूजन-पाठ किया।

दिल्ली गेट स्थित देवी दुर्गा मंदिर में सुबह के समय कम संख्या में श्रद्धालु पहुंचे। मंदिर के गेट पर कोविड-19 संक्रमण से बचाव की जानकारी देते हुए भक्तों से सोशल डिस्टेंस के साथ दर्शन करने के निर्देश भी चस्पा किए गए थे। मोहन नगर स्थित देवी मंदिर पर जरूर भक्तों की लंबी लाइन दिखाई दी। यहां एक बार में सिर्फ 5 भक्तों को मन्दिर के अंदर जाने दिया जा रहा था। उनके बाहर निकलने पर दूसरे 5 श्रद्धालुओं को प्रवेश दिया गया।

दिल्ली गेट स्थित प्राचीन देवी मंदिर पर भी भक्तों ने सोशल डिस्टेनसिंग का पालन करते हुए दर्शन किए। वहीं राजनगर सेक्टर-10 मंदिर, कविनगर स्वयंभू शिवमंदिर में सुबह के समय भक्त नहीं पहुंचे। कोरोना के कारण मंदिरों में भी बड़े स्तर पर आयोजन नहीं किए गए थे जबकि नवरात्रि पर सुबह से ही देवी मां के दर्शनों के लिए भक्तों की भीड़ उमड़ती है। दिनभर मंदिर भक्तों से भरे रहते थे। गतवर्ष भी कोरोना के कारण मंदिरों के कपाट बंद किए गए थे।

संक्षिप्त समाचार

कौशांबी स्थित यशोदा अस्पताल में टीका लगवाते भाकियू प्रवक्ता राकेश टिकैत।

राकेश टिकैत ने कोविड-19 वैक्सीन लगवाया

गाजियाबाद। पूरे देश में कोरोना संक्रमण के बढ़ते मामलों के बीच किसान नेता व भाकियू के प्रवक्ता राकेश टिकैत ने मंगलवार को कौशांबी स्थित यशोदा अस्पताल में कोविड-19 वैक्सीन की पहली डोज लगवाई। ज्ञात रहे कि तीन कृषि कानून के विरोध में दिल्ली की सीमाओं पर जमे किसानों को डेरा डाले चार महीने से अधिक का समय हो चुका है। हाल ही में किसान नेता राकेश टिकैत ने कहा था कि कोरोना प्रोटोकॉल का पालन करते हुए धरना जारी रहेगा। इस समय भाकियू नेता के नेतृत्व में हजारों किसान गाजीपुर सीमा पर धरना दे रहे हैं।

इंदिरापुरम के जयपुरिया मॉल में लगी भीषण आग

गाजियाबाद। इंदिरापुरम स्थित जयपुरिया मॉल में मंगलवार दोपहर अचानक आग लग गई। गनीमत यह रही कि की आग पर फायर ब्रिगेड की टीम ने जल्दी ही काबू पा लिया और किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। सीएफओ सुनील कुमार सिंह ने बताया कि मंगलवार दोपहर इंदिरापुरम स्थित जयपुरिया मॉल में अचानक आग लग गई। पहले वहां लोगों ने खुद ही आग पर काबू पाने की कोशिश की मगर जब आग बेकाबू हो गई तो इसकी सूचना फायर ब्रिगेड को दी गई। उन्होंने बताया कि फायर ब्रिगेड की छह गाड़ियों ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। उन्होंने बताया कि संभवत: आग लगने का कारण शॉट सर्किट हो फिर भी जांच कराई जा रही है।

जयपुरिया मॉल में आग के दौरान बाहर निकलती लपटें।

सामाजिक संस्था ने बहादुर सिपाही को किया सम्मानित

गाजियाबाद। अपनी जान पर खेलकर तीन लोगों की जान बचाने वाले सिपाही अरुण कुमार शर्मा को विश्व ब्राह्मण संघ व परमार्थ समिति ने सम्मानित किया। यातायात पुलिस के सिपाही अरुण कुमार शर्मा ने जान की परवाह न करते हुए आग का गोला बनी कार में से 3 लोगों को सुरक्षित निकाला था। परिवार को बचाने में आग की चपेट में आकर स्वयं झुलस गए थे। उनकी इस बहादुरी के लिए पुलिस कप्तान ने भी उनको शाबाशी दी थी। विश्व ब्राह्मण संघ व परमार्थ समिति के सदस्यों ने अरुण कुमार को पगड़ी व अंग वस्त्र तथा रुद्राक्ष की माला पहनाकर उनकी बहादुरी के लिए सम्मानित किया। विश्व ब्राह्मण संघ के प्रवक्ता बीके शर्मा हनुमान ने बताया कि जिस तरह अरुण शर्मा ने लोगों की जान बचाई उससे वे सिर्फ पुलिस के लिए नहीं बल्कि दूसरे के लिए भी प्रेरणास्त्रोत बन गए हैं।

एक्सप्रेसवे के पास सड़क हादसे में युवक की मौत

नोएडा। एक्सप्रेसवे के पास एक अज्ञात वाहन से टक्कर के कारण बाइक सवार युवक की मौत हो गई। पुलिस आयुक्त आलोक सिंह के प्रवक्ता ने बताया कि थाना नॉलेज पार्क क्षेत्र में नोएडा एक्सप्रेसवे के पास रोहित राजपूत सोमवार रात मोटरसाइकिल पर सवार होकर जा रहा था। तभी एक अज्ञात वाहन ने बाइक को टक्कर मार दी। उन्होंने बताया कि हादसे में गंभीर रूप से घायल युवक को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां पर डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

कोर्ट में 17 अप्रैल तक काम नहीं करेंगे अधिवक्ता

बढ़ते कोविड संक्रमण के कारण नोएडा डिस्ट्रिक्ट बार एसोसिएशन ने लिया फैसला

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

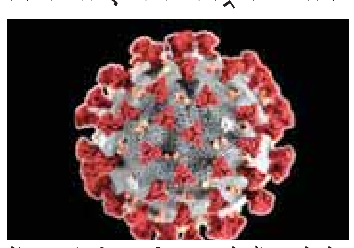

जिले में कोरोना का संक्रमण तेजी से बढ़ता जा रहा है। जिसके चलते गौतमबुद्धनगर डिस्ट्रिक्ट बार एसोसिएशन ने मंगलवार को बड़ा फैसला लिया है। बार एसोसिएशन ने बैठक की और 17 अप्रैल तक कामकाज नहीं करने का फैसला लिया है। बार एसोसिएशन के सभी वकील न्यायिक कार्यों से विरत रहेंगे। सुनवाई के लिए अदालतों में नहीं जाएंगे। यह जानकारी डिस्ट्रिक्ट बार एसोसिएशन के अध्यक्ष राजकुमार नागर एडवोकेट ने दी है।

नागर ने बताया कि नोएडा और ग्रेटर नोएडा में पिछले एक सप्ताह से बड़ी संख्या में नए संक्रमित मरीज आ रहे हैं। कलेक्ट्रेट में रोजाना बड़ी संख्या में लोग अदालती कामकाज के लिए आते हैं। ऐसे में अधिवक्ताओं को संक्रमण हो सकता है। बार एसोसिएशन ने मंगलवार सुबह बैठक की। जिसमें सर्वसम्मति से फैसला लिया गया है कि 17 अप्रैल तक बार एसोसिएशन का कोई भी सदस्य अधिवक्ता न्यायिक कार्य नहीं करेगा। अदालतों में सुनवाई के दौरान अधिवक्ता हाजिर नहीं होंगे। हमने अपने मुवक्किलों और सभी न्यायालयों को यह जानकारी दे दी है।

आपको बता दें कि पिछले एक सप्ताह के दौरान जिले में रोजाना 200 से ज्यादा कोरोना वायरस से संक्रमित मरीज सामने आ रहे हैं। इस वक्त करीब दो हजार लोग अस्पतालों और घरों में आइसोलेट हैं। जिले में संक्रमण तेजी के साथ फैल रहा है। गौतमबुद्धनगर जिला प्रशासन और पुलिस हालात संभालने में जुटे हुए हैं। स्वास्थ्य विभाग ने कंटेनमेंट जोन घोषित कर दिए हैं। वहां संक्रमित लोगों की कांटेक्ट ट्रेसिंग की जा रही है।

नोएडा में कोरोना के 226 नए मरीज मिले, संक्रमित चार लोगों की मौत

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

● जिले में 94.5 प्रतिशत मरीज उपचार के बाद हुए ठीक

जनपद गौतमबुद्धनगर में मंगलवार को कोविड-19 के 226 नए मामले सामने आने से संक्रमितों की संख्या बढ़कर 27,958 हो गई है। वहीं, संक्रमण से चार और मरीजों की मौत हो गई है। अधिकारियों ने इस बारे में बताया।

जिला निगरानी अधिकारी ने बताया, सोमवार तथा मंगलवार को कोविड-19 से संक्रमित चार और मरीजों की उपचार के दौरान मौत हो गई और मंगलवार सुबह तक संक्रमण के 226 नए मामले सामने आए। दोहरे ने बताया कि नोएडा के विभिन्न अस्पतालों में 1,500 से ज्यादा मरीजों का उपचार चल रहा है। जनपद में अब तक 26,300 से अधिक मरीजों को उपचार के बाद अस्पताल से छुट्टी मिल चुकी है, जबकि जिले में अब तक 27,958 मरीज कोविड-19 से संक्रमित हुए हैं। वहीं कोविड-19 से अब तक 97 लोगों की मौत हुई है।

उन्होंने लोगों से सामाजिक दूरी का पालन करने, मास्क लगाने जैसे कोविड-19 के नियमों का पालन करने के साथ जरूरत पड़ने पर ही घर से बाहर निकलने की अपील की है। डीएम ने बताया कि जिले में मृत्यु दर 0.3 प्रतिशत है, जबकि 94.5 प्रतिशत मरीज उपचार के दौरान ठीक हुए हैं।

होम आइसोलेशन में बुजुर्ग को भेजना पड़ा महंगा

मुख्य चिकित्सा अधिकारी ने जांच कमेटी गठित कर मांगी रिपोर्ट

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

गौतमबुद्धनगर में कोरोना वायरस से संक्रमित 75 साल के एक बुजुर्ग के साथ निजी डॉक्टर द्वारा लापरवाही बरतने का मामला संज्ञान में आया है।

सीएमओ डॉ दीपक ओहरी ने इसकी जानकारी होने के बाद प्राइवेट डॉक्टर के खिलाफ जांच कमेटी गठित की है। यह टीम निजी डॉक्टर के उस फैसले की समीक्षा करेगी। जिसमें 75 साल के कोरोना से संक्रमित बुजुर्ग को होम आइसोलेशन का सुझाव दिया गया था। जबकि वह कई गंभीर बीमारियों से पीड़ित हैं।

सीएमओ कार्यालय से दी गई जानकारी में कहा गया है कि, सेक्टर-76 के रहने वाले 75 साल के एक बुजुर्ग ने शहर के एक प्राइवेट हॉस्पिटल से जुड़े एक प्राइवेट लैब में अपना कोविड-19 टेस्ट कराया था। बीते 9 अप्रैल को उनकी रिपोर्ट पॉजिटिव आई थी और वह कोरोना संक्रमित पाए गए। जिले के एक प्राइवेट हॉस्पिटल ने उनका ब्लड टेस्ट और एक्सरे किया। इसके बाद हॉस्पिटल में डॉक्टर मानस चटर्जी ने उन्हें घर में रहकर इलाज कराने का सुझाव दिया था। जबकि 75 वर्षीय बुजुर्ग पहले से हाई डायबिटीज और हाइपरटेंशन जैसी गंभीर बीमारियों से ग्रसित हैं। दो दिन बाद बुजुर्ग की हालत बिगड़ने पर परिजनों ने जिला आरआरटी में संपर्क किया।

आरआरटी टीम उनके घर पहुंची और उन्हें कोविड-19 हॉस्पिटल में भर्ती कर लिया गया है। यहां उनका इलाज चल रहा है। इस पूरे प्रकरण में डॉक्टर मानस चटर्जी का फैसला संदिग्ध माना जा रहा है। इसको देखते हुए नोएडा के सीएमओ डॉ दीपक ने एक टीम का गठन किया है।

प्राधिकरण के नौ अफसर और कर्मचारी मिले कोविड संक्रमित

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

नोएडा प्राधिकरण के अफसरों-कर्मचारियों की कोरोना जांच के लिए सोमवार को सेक्टर-6 में स्थित इंदिरा गांधी कला केंद्र में जांच शिविर लगाया गया था। कैंप में 175 लोगों की जांच की गई। इनमें से 9 लोग संक्रमित पाए गए।

इससे पहले भी 10 से ज्यादा अधिकारी, कर्मचारी संक्रमित मिल चुके हैं। अधिकारियों, कर्मचारियों के कोरोना संक्रमित होने की वजह से कुछ अन्य कर्मचारी छुट्टी पर चले गए हैं। इससे प्राधिकरण में कामकाज प्रभावित हो रहा है।

सोमवार को प्राधिकरण दफ्तर खुलने पर आम दिनों के मुकाबले काफी कम संख्या में लोग नियमित कामकाज के लिए पहुंचे। अमूमन नोएडा प्राधिकरण के दफ्तर में रोजाना 700 से 800 लोग अपना काम करवाने पहुंचते हैं। लेकिन सोमवार को यह संख्या बेहद कम रही। महज 125 लोग ही अपने काम से प्राधिकरण दफ्तर में पहुंचे थे।

अवैध निर्माण को जीडीए दस्ते ने किया ध्वस्त

गाजियाबाद। इंदिरापुरम, वैशाली और कौशांबी आदि इलाकों में नक्शे के विपरीत किए गए निर्माणों को जीडीए के दस्ते ने ध्वस्त कर दिया। वहीं मोहिद्दीनपुर-कानावनी में अवैध रूप से बसाई जा रही कॉलोनी को भी जीडीए के सचल दस्ते ने ध्वस्त कर दिय।

इस दौरान प्राधिकरण दस्ते का विरोध कर रहे लोगों के खिलाफ पुलिस थाने में मामला भी दर्ज कराया गया है। जीडीए के विशेष कार्यकारी अधिकारी सुशील कुमार चौबे ने बताया कि यहां मानचित्र से अधिक यूनिट बनाए जाने के कारण इन सभी निर्माणों को सील कर दिया गया है।

महानगर में मिलावटी शराब आपूर्ति में चार गिरफ्तार

पंचायत चुनाव में इस्तेमाल करने लाए थे, नशे की तीव्रता बढ़ाने के लिए मिलाते थे यूरिया

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद

बरामद शराब के मुरादनगर पुलिस की गिरफ्त में चारो आरोपी।

● फरार अन्य की तलाश में पुलिस टीमें रवाना

पंचायत चुनाव प्रत्याशियों को अवैध मिलावटी शराब सप्लाई करने वाले चार आरोपियों को आबकारी विभाग और मुरादनगर पुलिस ने गिरफ्तार करने का दावा किया है। इनके कब्जे से 207 पेटी नकली शराब बरामद हुई है जिसकी कीमत लगभग 12 लाख बताई गई है।

गिरफ्तार आरोपियों ने पुलिस को दिए गए बयान में बताया कि वह शराब कम रेट पर हरियाणा से खरीद कर लाते हैं और यहां पर लाकर जंगल में जहां मौका लगता है वहां पर गाड़ी से उतारकर इसे बाल्टी में भरकर यूरिया खाद मिलाते हैं जिससे शराब के नशे की तीव्रता बढ़ जाती है। बाद में इस शराब को बोतलों में भरकर चल रहे पंचायत चुनाव प्रत्याशियों को सप्लाई की जाती है। गिरफ्तार आरोपियों ने यह भी बताया कि उन्होंने भूड भराल से प्रधान प्रत्याशी अरुण गुर्जर व टिकरी से प्रधान प्रत्याशी राहुल गुर्जर को भी शराब सप्लाई कर चुके हैं।

खास बात बात यह है कि इस गिरोह का सरगना रवि जाटव है जो पहले भी कई बार जेल जा चुका है और आसपास के क्षेत्रों में अपने साथियों के साथ मिलावटी शराब की सप्लाई करता है। इनके कब्जे से जो नकदी बरामद हुई है वह भी शराब की बिक्री से प्राप्त हुई है। गिरफ्तार आरोपियों के नाम रवि जाटव, सोनू, निक्की और गौरव हैं। जबकि इनके अन्य साथी फरार हैं जिनकी दबोचने के लिए पुलिस टीमें भेज दी गई हैं।

ट्रेनिंग लेने नहीं आए अफसरों के खिलाफ एफआईआर का आदेश

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

पंचायत चुनाव

त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव के लिए शुरू प्रशिक्षण कार्यक्रम में नहीं पहुंचने वाले 43 अफसरों के खिलाफ एफआईआर दर्ज होगी। गौतमबुद्ध नगर के जिलाधिकारी सुहास एलवाई ने इन सभी के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने का आदेश दिया है। ये सभी 43 अधिकारी सोमवार से शुरू हुए तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम में अनुपस्थित पाए गए। इससे नाराज डीएम ने इन सभी पर कार्रवाई का आदेश दिया है।

डीएम के नेतृत्व में त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव को स्वतंत्र, निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के उद्देश्य से सोमवार से तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। सेक्टर-51 स्थित होशियारपुर राजकीय बालिका इंटर कॉलेज में इसकी शुरुआत की गई।

मुख्य विकास अधिकारी ने सभी पीठासीन अधिकारियों एवं मतदान अधिकारियों को मतदान से जुड़ी अहम जानकारी दी। प्रशिक्षण के दौरान कुल 43 पीठासीन अधिकारी एवं मतदान अधिकारी अनुपस्थित पाए गए। डीएम ने इस सभी के खिलाफ जनप्रतिनिधित्व अधिनियम के तहत एफआईआर दर्ज कराने और कार्रवाई करने का आदेश दिया है।

सीएमवाईके प्रिंटेक लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक चन्दन मित्रा द्वारा नं. 6, गुलाब भवन के पीछे, बहादुर शाह ज़फर मार्ग, नई दिल्ली-110002, दूरभाष: 011-40110455 से प्रकाशित तथा बीएफएल इन्फोटेक लिमिटेड सी-9 सेक्टर-3, नोएडा-201301 (उ.प्र.) से मुद्रित। सम्पादक: चन्दन मित्रा, स्थानीय सम्पादक: प्रदीप तिवारी। पाठकों को सुझाव दिया जाता है कि इस अखबार के किसी भी विज्ञापन पर प्रतिक्रिया करने से पहले पूरी तरह उसके बारे में दिए गए दावों, शर्तों और तथ्यों की जांच कर लें। पायनियर ग्रुप के मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक या उसका कोई भी कर्मचारी विज्ञापनदाता द्वारा उनके किसी उत्पाद तथा सेवा हेतु किए गए किसी दावे की सच्चाई का आश्वासन या उत्तरदायित्व नहीं लेता है। ऐसे विज्ञापनों के बाद किसी आर्थिक क्षति के लिए वे जिम्मेदार भी नहीं हैं। पत्रवार्ता ऑफिस- एफ-31, सेक्टर 6, नोएडा, गौतमबुद्धनगर-201301, उत्तर प्रदेश, दूरभाष- 120-4879800-4879900।

कोरोना से जंग

अस्पतालों से जोड़े जाएंगे बैंक्वेट हॉल

गंभीर मरीजों को अस्पताल में, कम गंभीर को होटल व बैंक्वेट हॉल में रखा जाएगा : सीएम

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

राजधानी दिल्ली में कोरोना के बढ़ते मामलों ने सरकार की भी चिंता बढ़ा दी है। आम आदमी पार्टी की सरकार तमाम कोशिश कर रही है कि कोविड-19 महामारी को काबू किया जाए। साथ उसकी कोशिश है कि संक्रमण की चपेट में आए मरीजों को बेहतरीन चिकित्सा सुविधाए मुहैया कराई जाए।

मरीजों को ध्यान में रखते हुए सरकारी और निजी अस्पतालों में बेड़ों की संख्या भी बढ़ाई जा रही है। इसके अलावा सरकार ने अस्पतालों को बैंक्विट हॉल से अटैच करने का फैसला लिया है जहां कम गंभीर मरीज बैंक्विट हॉल में और ज्यादा गंभीर मरीज अस्पताल में रहेंगे।

अप्रैल का महीना शादियों के लिए जाना जाता है लेकिन कोरोना महामारी की वजह से शादियों के लिए गुलजार रहने वाले बैंक्विट हॉल सुनसान हो गए हैं। पहले जहां शहनाई बजती थी अब वहां कोरोना मरीजों का इलाज किया जाएगा। ये पहली बार नहीं है, बल्कि कोरोना की शुरुआत से अब तक ये दूसरी बार है, जब बारात घर को कोविड सेंटर में तब्दील किया है।

मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने मंगलवार को डिजिटल संवाददाता सम्मेलन में कहा कि वह पहले भी स्पष्ट कर चुके है कि वह लॉकडाउन लगाना के पक्ष में नहीं है। उनकी पूरी कोशिश है कि स्वास्थ्य सेवाओं का बुनियादी ढांचा काबू में रहे। इसी के मद्देनजर उन्होंने सोमवार को सभी अधिकारियों और मेडिकल स्टॉफ के साथ बैठक कर बहुत बड़े पैमाने पर योजना बनाई है। अस्पतालों में मरीजों के लिए बेड्स की कमी नहीं हो इसे ध्यान में रखते हुए सरकार बड़े-बड़े अस्पतालों के साथ बैंक्विट हॉल और होटल को अटैच कर रही है। इससे अगर किसी अस्पताल में 100 बेड हैं और उसके साथ एक बैंक्विट हॉल को अटैच कर दिया और उस हाल में भी 100 बेड है, तो इससे बेड की संख्या बढ़कर कर दो सौ हो जाएगी।

कोरोना के कम गंभीर वाले मरीजों को बैंक्विट हॉल में शिफ्ट कर देंगे और अस्पतालों में केवल गंभीर मरीज ही रखे जाएंगे। अगर किसी को केवल ऑक्सीजन की जरूरत है, तो उसे बैंक्विट हॉल में भी दे सकते हैं। एलएनजेपी के सामने एक बैंक्विट हॉल है। वहां अगर ऑक्सीजन का भी इंतजाम कर देंगे और किसी को सिर्फ आक्सीजन की जरूरत है, तो उसका इलाज उसमें हो सकता है। इस तरह से वह बहुत बड़े स्तर पर बेड की क्षमता बना रहे हैं।

इसके अलावा, कुछ सरकारी और प्राइवेट अस्पतालों को उन्होंने पूरी तरह से कोविड-19 अस्पताल घोषित कर दिया है। उन्होंने कोरोना के खिलाफ लड़ाई में सभी से सहयोग देने की अपील की है।

कोविड अस्पताल बने शहनाई बैंकेंट हॉल में लगे बंद शीशे में एक बुजुर्ग अपने परिवार को सलामती की मुस्कान दिखाते हुए।

अपील: प्लाज्मा देने के लिए आगे आएं

नई दिल्ली। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने कहा कि कोविड-19 मरीजों के इलाज के लिए बहुत कम प्लाज्मा उपलब्ध है। उन्होंने संक्रमण से उबर चुके लोगों से प्लाज्मा दान करने की अपील की।

उन्होंने कहा, पिछले दौर में, लोगों ने सक्रिय रूप से प्लाज्मा दान किया। जब स्थिति में सुधार हुआ, तो प्लाज्मा की मांग कम हो गई और लोगों ने भी इसका दान कम कर दिया। अब मामले फिर से बढ़ गए हैं और बहुत कम प्लाज्मा उपलब्ध है। ऐसे में वह बीमारी से ठीक हो चुके दिल्ली वालों से प्लाज्मा दान करने और वायरस के खिलाफ लड़ाई में मदद करने का अनुरोध किया। साथ ही कहा कि अगर कोई प्लाज्मा दान करना चाहता है तो वह लोकनायक जयप्रकाश और राजीव गांधी अस्पताल में प्लाज्मा दान कर सकते हैं। यह समय एक व्यक्ति, नागरिक निकाय और परिवार के रूप में साथ आकर एक दूसरे की मदद करने का है। अगर हम सक्रिय रूप से स्वास्थ्यकर्मियों और सरकार के साथ का मिलकर दिल्ली के लोगों के लिए काम करते हैं, तो चौथी लहर से पार पा लेंगे। साथ ही हम पहली तीन लहरों को भी पछाड़ देंगे।

दाह संस्कार के दौरान बिलखता परिवार। फोटो: रंजन डिमरी

पहले से तय सर्जरी अब दो-तीन माह बाद होगी

नई दिल्ली। अरविंद केजरीवाल ने कहा कि दिल्ली में अगर कोई प्लांड सर्जरी है, जैसे किसी को घुटने का रिप्लेसमेंट कराना है, तो यह सर्जरी 2 से 3 महीने बाद में भी हो सकती है। अस्पतालों में प्लांड सर्जरी थोड़ा ज्यादा होती हैं, जबकि इमरजेंसी कम होती है। इसलिए प्लांड सर्जरी को अस्पताल में दो तीन महीने के लिए स्थगित कर दी है। उनके सामने चुनौती है कि वह अपने अस्पताल प्रबंधन को कितनी कड़ाई के साथ दुरुस्त रख पाते हैं। अगर उन्होंने अस्पताल और हेल्थ इंफ्रास्ट्रक्चर के प्रबंधन को ठीक कर लिया, तो इस चौथी लहर से बहुत अच्छे से पार पा पाएंगे।

कोरोना प्रोटोकॉल का कड़ाई से पालन करें : स्वास्थ्य विभाग

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार ने निर्देश दिया है कि कोविड-19 अस्पतालों में केवल गंभीर रूप से बीमार लोगों को भर्ती किया जाए वहीं हल्के या बिना लक्षणों वाले रोगियों को घर में पृथकवास में रखने पर विचार किया जा सकता है।

स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय ने कहा कि गंभीर रूप से बीमार रोगियों जो सांस लेने में तकलीफ महसूस कर रहे हों और उन्हें यांत्रिक वेंटिलेनशन की जरूरत हो, उन्हें ही भर्ती किया जाए। सरकार ने रोगी को भर्ती करने में ढिलाई बरतने पर कार्रवाई का सामना करने चेतावनी भी दी है। स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय ने पिछले सप्ताह जारी आदेश में कहा कि देखा गया है कि कुछ अस्पताल हल्के या मध्यम लक्ष्णों से ग्रस्त कोविड-19 रोगियों को भर्ती कर रहे हैं। नियमों के अनुसार यह सही नहीं है।

इससे पहले, सोमवार को मुख्यमंत्री ने लोगों से अस्पताल जाने से बचने की अपील की थी। उन्होंने यह भी कहा था कि लॉकडाउन नहीं लगाना चाहती, लेकिन अगर अस्पतालों में भीड़ बढ़ती तो ऐसी नौबत आ सकती है।

जेल के कोरोना संक्रमित 52 कैदियों व 7 कर्मचारियों का चल रहा इलाज

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

राजधानी की तीन जेल परिसरों में 50 से अधिक कैदियों और सात कर्मचारियों का वर्तमान में कोविड-19 का इलाज चल रहा है। महानिदेशक (कारागार) संदीप गोयल ने कहा, अब तक कुल 174 कैदियों को कोविड-19 से संक्रमित पाया गया है।

अधिकारियों द्वारा साझा किए गए आंकड़ों के अनुसार, मंगलवार तक दिल्ली की जेलों में कोविड-19 से संक्रमित मरीजों की संख्या 59 है, जिनमें सात जेल कर्मचारी भी शामिल हैं। गोयल ने कहा कि 174 संक्रमितों में से 120 कैदी ठीक हो चुके हैं और दो की मौत हो गई है। जेलों में अब 52 कैदियों का इलाज चल रहा है। अब तक कुल 300 जेल कर्मचारी कोरोना वायरस से संक्रमित हुए हैं। उनमें से 293 लोग ठीक हो गए हैं और सात का अभी भी इलाज चल रहा है। कोरोना वायरस का पहला मामला रोहिणी जेल में पिछले साल 13 मई को सामने आया था। मंडोली जेल के दो कोविड-19 संक्रमित कैदियों की मृत्यु 15 जून और 4 जुलाई को हुई थी।

दोनों वरिष्ठ नागरिक थे। अधिकारियों ने कहा था कि मार्च में महामारी के प्रकोप के बाद से, कारागार विभाग पूरी तरह से सतर्क रहा है और अपने कर्मचारियों को निर्देश दिया हुआ है कि वे न केवल स्वच्छता और सामाजिक दूरी बनाए रखें बल्कि तीन जेलों में कैदियों के बीच संक्रमण के बारे में जागरूकता फैलाएं।

वैक्सीन लगवाने पर एसडीएमसी भी देगी संपत्ति कर में पांच फीसदी छूट

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

दक्षिणी दिल्ली नगर निगम ने वैक्सीन लगवाने पर संपत्ति कर में 5 फीसदी की अतिरिक्त छूट देने का ऐलान किया है। यह छूट वर्तमान में 30 जून तक संपत्ति कर का पूर्ण भुगतान करने पर मिलने वाली 15 फीसदी छूट से अलग होगी। इस सुविधा का लाभ लेने वाले परिवार के सभी टीकाकरण के पात्र व्यक्तियों का टीकाकरण प्रमाणपत्र जमा कराना होगा।

दक्षिणी दिल्ली नगर निगम की स्थायी समिति के अध्यक्ष राजदत्त गहलोत ने मंगलवार को बताया कि सभी पात्र लोगों को कोविड-19 महामारी से बचाव के लिए टीका लगवाने के लिए प्रोत्साहित करने के मकसद से वैक्सीनेशन कराने पर संपत्ति कर में अतिरिक्त 5 फीसदी छूट देने की घोषणा की है।

गहलोत ने बताया कि चालू वित्त वर्ष के संपत्ति कर का 30 जून तक एकमुश्त ऑनलाइन भुगतान करने पर 5 फीसदी अतिरिक्त छूट मिलेगी जिसमें कि ऑनलाइन भुगतान करने पर मिलने वाली 2 फीसदी की अतिरिक्त छूट भी शामिल है। अन्य किसी माध्यम से किए गए भुगतान पर यह छूट 3 फीसदी होगी।

टीकाकरण की उम्र सीमा में ढील देने की मांग खारिज

नई दिल्ली। दिल्ली उच्च न्यायालय ने एक याचिका पर विचार करने से इनकार कर दिया जिसमें केंद्र और दिल्ली सरकार को कोविड-19 रोधी टीकाकरण के लिए उम्र मानकों में ढील देने तथा अभियान में निजी क्षेत्र की ज्यादा भागीदारी को लेकर निर्देश का अनुरोध किया गया।

न्यायमूर्ति राजीव सहाय एंडलॉ और न्यायमूर्ति अमित बंसल की पीठ ने कहा कि ऐसा प्रतीत होता है कि ज्यादा प्रचार पाने के लिए जनहित याचिका दाखिल की गई है। पीठ ने कहा, प्रारंभिक नजर में हमारी राय है कि अदालत को ऐसे मामलों से नहीं निपटने की जरूरत हैं जहां प्रयोग आधारित आंकड़ों की जरूरत है।

फोटो : रंजन डिमरी

संक्रमण के बढ़ते मामलों को देखते हुए टीकाकरण की रफ्तार बढ़ाई गई है। अस्पताल में टीका लगाती स्वास्थ्यकर्मी।

संक्षिप्त समाचार

एलजी की अध्यक्षता में डीडीए की बैठक

नई दिल्ली। मास्टर प्लान दिल्ली-2041 के ड्राफ्ट को लेकर प्रारंभिक अनुमोदन के लिए उपराज्यपाल अनिल बैजल की अध्यक्षता में डीडीए की बैठक हुई। वीडियो कॉन्फ्रेसिंग के माध्यम से आयोजित इस बैठक में उपाध्यक्ष अनुराग जैन और डीडीए और प्राधिकरण के अन्य सदस्यों ने भाग लिया। ड्राफ्ट को अब जनता से आपत्तियां/ सुझाव आमंत्रित करने के लिए पब्लिक डोमेन में डाला जाएगा। मास्टर प्लान दिल्ली-2041 (एमपीडी-2041) का ड्राफ्ट, 2 वॉल्यूम, 9 खंडों में विभाजित किया गया है जिसमें 22 अध्याय हैं। एमपीडी-2041 का विजन दिल्ली को 2041 तक एक स्थायी, जीवनयोग्य और जीवंत बनाना है। दिल्ली विकास प्राधिकरण द्वारा तैयार दिल्जह मुख्य योजना एक सांविधिक दस्तावेज है जो वर्तमान स्थिति का आकलन करके और वांछित विकास प्राप्त करने को दिशा प्रदान करके दिल्ली के विकास में सहायता प्रदान करता है। मुख्य योजना का कार्यान्वयन दिल्ली के विकास में शामिल सभी एजेंसियों की सामूहिक जिम्मेदारी है।

महात्मा हंसराज स्मृति संसदीय वाद-विवाद प्रतियोगिता

नई दिल्ली। हंसराज महाविद्यालय की हिन्दी वाद विवाद समिति प्रस्ताव ने समिति के परामर्शदाता प्रभांशु ओझा के नेतृत्व में तीन दिवसीय महात्मा हंसराज स्मृति संसदीय वाद विवाद प्रतियोगिता के तृतीय संस्करण का ऑनलाइन माध्यम से सफल आयोजन किया। प्रतियोगिता में विभिन्न महाविद्यालयों के 32 दलों ने प्रतिभाग किया। प्राचार्या रमा व परामर्शदाता प्रभांशु ओझा द्वारा वर्चुअल द्वीप प्रज्वलन द्वारा कार्यक्रम का उद्घाटन हुआ। विभिन्न विषयों पर तर्क वितर्क करते हुए आठ टीमें क्वॉर्टर फाइनल में पहुंची। सेमी फाइनल पार करते हुए किरोड़ी मल व जाकिर हुसैन दिल्ली महाविद्यालयों की टीम के बीच फाइनल में मूल व गैर-मूल व्यक्ति के अधिकारों, जिम्मेवारियों तथा वैश्विक भूमिका पर वाद विवाद हुआ। विपक्ष में रहते हुए जाकिर हुसैन दिल्ली महाविद्यालय का मत सदन में प्रभावित से स्थापित हुआ। इसी के साथ जाकिर हुसैन महाविद्यालय महात्मा हंसराज स्मृति संसदीय वाद विवाद प्रतियोगिता के तृतीय संस्करण का विजेता रहा।

यमुना में बढ़ा अमोनिया का स्तर, आपूर्ति होगी प्रभावित

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

- वजीराबाद प्लांट में पानी उत्पादन की क्षमता 135 से घट कर 82, चंद्रावल में 92 से 71 और ओखला में 21 से 10 एमजीडी हो गई

यमुना में अमोनिया का खतरनाक स्तर तक बढ़ गया है। जिसे जल शोधन संयंत्रों में शोधित कर पाना संभव नहीं है। इस वजह से दिल्ली जल बोर्ड के तीन जल शोधन संयंत्रों से करीब 27.50 फीसद पानी की आपूर्ति प्रभावित हो गई है। इसके चलते मध्य दिल्ली, दक्षिणी दिल्ली, पश्चिमी व उत्तरी दिल्ली के कई इलाकों में पेयजल आपूर्ति प्रभवित रहेगी।

नई दिल्ली नगर पालिका परिषद (एनडीएमसी) के वीवीआइपी इलाके में भी जलाआपूर्ति प्रभावित रहेगी ।दिल्ली जल बोर्ड के उपाध्यक्ष राघव चड्ढा ने हरियाणा द्वारा यमुना में अमोनिया युक्त गंदा पानी छोड़ने पर आपत्ति जताई। उन्होंने कहा कि हरियाणा द्वारा यमुना में छोड़े जा रहे पानी में अमोनिया का स्तर 7.6 पीपीएम है। एक तरफ पड़ोसी राज्य अमोनिया युक्त पानी दे रहा है और दूसरी तरफ जल स्तर को भी कम कर दिया है। इससे यमुना का स्तर 674 फुट से घट कर 670 फुट हो गया है। इस वजह से वाटर ट्रीटमेंट प्लांट 100 फीसद क्षमता पर नहीं चल पा रहे हैं। वजीराबाद प्लांट में पानी उत्पादन की क्षमता 135 से घट कर 82, चंद्रावल में 92 से 71 और ओखला में 21 से 10 एमजीडी हो गई है। चड्ढा ने कहा कि चंद्रावल प्लांट से जिस एरिया में पानी की आपूर्ति की जाती है, उसमें यूनिवर्सिटी, विजयनगर, तिमारपुर, ओल्ड सेक्रेटेरिएट, बर्फखाना, मलका गंज, झंडेवालान, पटपड़गंज, मोतिया खान, डब्ल्यूए, पूसा रोड, राजेंद्र नगर, करोल बाग, सेंट्रल सेक्रेटेरिएट, प्रेसिडेंट हाउस, संसद, इंडिया गेट, विज्ञान भवन जनपथ, रकाबगंज, नॉर्थ एवेन्यू, एनडीएमसीका एरिया आदि बहुत से एरिया है, जहां पानी की आपूर्ति प्रभावित होगी। ओखला प्लांट से कालकाजी, तुगलकाबाद, गिरी नगर, हरकेश नगर आदि इलाकों में पानी की आपूर्ति प्रभावित रहेगी। वहीं, वजीराबाद प्लांट जो एरिया प्रवाहित रहेगा, उसमें मोदी कॉलोनी, डिफेंस कॉलोनी आदि शामिल है।

अवैध औद्योगिक इकाइयों में काम दोबारा शुरू नहीं हो : एनजीटी

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

राष्ट्रीय हरित अधिकरण (एनजीटी) ने दिल्ली प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (डीपीसीसी) को निगरानी कर यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया है कि नियमों का पालन किए बिना किसी भी अवैध औद्योगिक इकाई में फिर से काम शुरू नहीं हो। ये औद्योगिक इकाइयां मायापुरी, बवाना, ख्याला, उत्तम नगर और यहां आसपास के इलाकों में स्थित हैं।

एनजीटी अध्यक्ष न्यायमूर्ति ए के गोयल ने तय नियमों का पालन करते हुए समीक्षा और मुआवजा वसूली की प्रक्रिया जल्द से जल्द पूरी करने का भी निर्देश दिया। डीपीसीसी ने एनजीटी को बताया था कि बीएसईएस ने इन औद्योगिक इकाइयों का बिजली कनेक्शन जबकि दिल्ली जल बोर्ड ने पानी का कनेक्शन काट दिया है। दिल्ली पर्यावरण हानि शुल्क लगाने के बारे में कारण बताओ नोटिस जारी किए जा चुके हैं।

तकनीक और जन भागीदारी से खत्म करेंगे प्रदूषण

दिल्ली सरकार ठोस नीति बनाकर तकनीक के क्षेत्र में कर रही काम : गोपाल

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

राजधानी दिल्ली में बढ़ते प्रदूषण को तकनीक और जन भागीदारी से खत्म करेगी दिल्ली सरकार।

सरकार आबोहवा दुरुस्त करने के लिए पॉलिसी और तकनीक के क्षेत्र में काम कर रही है। पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने मंगलवार को दो दिवसीय ऑनलाइन राउंड टेबल कॉन्फ्रेंस के अंतिम दिन कहा कि प्रदूषण को कम करने के लिए सरकार अभी जन अभियान बनाने की दिशा में काम करना है। यहां पैदा हो रही थोड़ी-थोड़ी धूल मिलकर बड़े प्रदूषण का कारण बनती है। ऐसे में लोगों को समझाने की जरूरत है कि क्या करना है और क्या नहीं करना है।

गोपाल राय ने कहा कि केजरीवाल सरकार ने पिछले 7 सालों में धूल प्रदूषण, वाहन प्रदूषण, बायोमास बर्निंग को कम करने का काम किया है। दिल्ली की राजनैतिक और भौगोलिक परिस्थिति के चलते कई तरह की बाधाएं आती हैं, इसके बावजूद प्रदूषण को कम करने की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं। ग्रीन क्षेत्र बढ़ाने से लेकर पॉलिसी तैयार की जा रही है। पौधारोपण पॉलिसी और इलेक्ट्रिक व्हीकल पॉलिसी, इसी दिशा में लायी गई हैं। इसका असर वायु गुणवत्ता पर पड़ रहा है, लेकिन उससे और ज्यादा करने की जरूरत है। दिल्ली सरकार की तरफ से मुख्य तौर पर तीन क्षेत्रों में काम किया जा रहा है। पहला पॉलिसी के स्तर पर कि कैसी पॉलिसी बनायी जाए, जिसका असर पूरी दिल्ली पर पड़े।

फाइल फोटो

दूसरा तकनीकी के स्तर पर कि तकनीक की मदद से प्रदूषण कम करने में मदद मिल सके। इस दिशा में आईआईटी के साथ रियल टाइम प्रदूषण डाटा को लेकर काम कर रहे हैं। रियल टाइम प्रदूषण से पता चल जाएगा कि किस समय, किस स्रोत से और कहां पर प्रदूषण हो रहा है। वर्तमान में यह पता लगाना काफी मुश्किल होता है। उन्होंने पिछले दिनों हॉटस्पॉट बनाए हैं लेकिन उन्हें यह पता नहीं होता है कि किस हॉटस्पॉट पर प्रदूषण अधिक है और इसके कारण क्या है। हॉटस्पॉट क्षेत्रों में सामान्य अभियान चलाकर समस्या का हल करने की कोशिश करते हैं।

ऐसे में तकनीकी के स्तर पर भी सरकार काम कर रही है। तीसरा इसको जन अभियान बनाने के स्तर पर काम करना है। राय ने कहा कि वह खुद एक सिद्धांत पर काम करते हैं कि हालात कुछ भी हों, उनमें रहकर ही बेहतर काम करना है। उसके बगैर कोई रास्ता नहीं निकल सकता है।

भगवान से नाराज व्यक्ति ने मूर्तियों को किया क्षतिग्रस्त

नई दिल्ली। ककरौला गांव में तापमान बढ़ने और बारिश न होने के कारण भगवान से नाराज एक व्यक्ति ने भगवान हनुमान की तीन मूर्तियों को क्षतिग्रस्त कर दिया, जिसके चलते उसे जेल भेज दिया गया।

आरोपी की पहचान भरत विहार निवासी महेश (50) के रूप में हुई है। मंदिर के पुजारी ने क्षतिग्रस्त मूर्तियों को सबसे पहले देखा था। आरोपी ने पूछताछ के दौरान बताया कि वह इस साल अब तक बारिश नहीं होने और दिन-प्रतिदिन गर्मी बढ़ने के चलते भगवान से नाराज था। नेताओं और बजरंग दल से जुड़े व्यक्तियों के एक समूह द्वारका मोड़ पर जमा कर और यातायात रोक दिया। पुलिस बल के समझाने पर दोनों तरफ का ट्रैफिक खोला गया।

दक्षिणी दिल्ली नगर निगम
विज्ञापन विभाग
डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी सिविक सेन्टर (25वाँ तल),
जवाहरलाल नेहरू मार्ग, नई दिल्ली-110002, फोन नं. : 011-2322-7511
ई-निविदा सूचना
आयुक्त, दक्षिणी दिल्ली नगर निगम की ओर से निम्नलिखित चार विभिन्न ई-निविदाओं के माध्यम से पात्र निविदादाताओं से निविदाएँ आमंत्रित की जाती हैं:-
1. ई-निविदा सूचना सं. सीओ/विज्ञापन/ई-निविदा-01/2021-22/एसडीएमसी/एनआईटी/डी-44 दिनांक 13.04.2021 एसडीएमसी के अधिकार क्षेत्र के अंतर्गत तीन वर्ष की प्रारंभिक अवधि हेतु दो बोली प्रणाली (अर्थात तकनीकी एवं वित्तीय) में मासिक लाईसेंस शुल्क आधार पर यूनीपोल क्लस्टर्स/अकेली यूनीपोल साईटों के माध्यम विज्ञापन अधिकारों के आवंटन हेतु।
2. ई-निविदा सूचना सं. सीओ/विज्ञापन/ई-निविदा-02/2021-22/एसडीएमसी/एनआईटी/डी-45 दिनांक 13.04.2021 एसडीएमसी के अधिकार क्षेत्र के अंतर्गत तीन वर्ष की प्रारंभिक अवधि हेतु दो बोली प्रणाली (अर्थात तकनीकी एवं वित्तीय) में मासिक लाईसेंस शुल्क आधार पर एलईडी क्लस्टर्स/अकेली एलईडी के माध्यम से विज्ञापन अधिकारों के आवंटन हेतु।
3. ई-निविदा सूचना सं. सीओ/विज्ञापन/ई-निविदा-03/2021-22/एसडीएमसी/एनआईटी/डी-46 दिनांक 13.04.2021 एसडीएमसी के अधिकार क्षेत्र के अंतर्गत तीन वर्ष की प्रारंभिक अवधि हेतु दो बोली प्रणाली (अर्थात तकनीकी एवं वित्तीय) में मासिक लाईसेंस शुल्क आधार पर शौचालय ब्लॉकों के क्लस्टर्स/अकेले शौचालय ब्लॉकों के माध्यम से विज्ञापन अधिकारों के आवंटन हेतु।
4. ई-निविदा सूचना सं. सीओ/विज्ञापन/ई-निविदा-04/2021-22/एसडीएमसी/एनआईटी/डी-47 दिनांक 13.04.2021 एसडीएमसी के अधिकार क्षेत्र के अंतर्गत पाँच वर्ष की अवधि हेतु दो बोली प्रणाली (अर्थात तकनीकी एवं वित्तीय) में मासिक लाईसेंस शुल्क आधार पर मल्टीलेवल पजल पार्किंग, सेन्ट्रल मार्किट, लाजपत नगर, सेन्ट्रल जोन के अग्रभाग (Facade) पर बिल्डिंग/वॉल रैप्स तथा एलईडी स्क्रीन के माध्यम से विज्ञापन अधिकारों के आवंटन हेतु।
उपरोक्त सभी ई-निविदाओं में निविदाएँ जमा करने की अंतिम तिथि :- 04.05.2021, 16.00 बजे तक है। विस्तृत निविदा दस्तावेज एसडीएमसी की वेबसाइट अर्थात www.mcdonline.nic.in तथा https://etenders.gov.in/eprocure/app पर उपलब्ध है।
व्यावसायिक अधिकारी,
विज्ञापन विभाग
आर.ओ. नं. 05/डीपीआई/दक्षिणी/2021-22

पायनियर
नई दिल्ली, बुधवार, 14 अप्रैल, 2021

नाइट कर्फ्यू के साथ प्रवासियों ने शुरू किया पलायन

लॉकडाउन के डर से अब यहां से जाने लगे हैं यूपी, बिहार के लोग

संजय कुमार मेहरा। गुरुग्राम

गुरुग्राम के राजीव चौक से यूपी, बिहार के लिए बस में पलायन करते प्रवासी मजदूर।

गुरुग्राम के राजीव चौक पर सामान से लदी बस।

कोरोना महामारी के फैलाव के साथ हरियाणा में लगाए गए नाइट कर्फ्यू के साथ ही यूपी, बिहार व अन्य राज्यों के लोगों ने पलायन करना शुरू कर दिया है। उन्हें डर इस बात का सता रहा है कि नाइट कर्फ्यू के बाद अब लॉकडाउन लगेगा। हालांकि अभी तक सरकार की ओर से ऐसे कोई संकेत नहीं दिए गए हैं। हां, कुछ सख्ती जरूर बरती जा रही है, जिससे कि लोग मास्क, सोशल डिस्टेंस समेत तमाम ऐहतियात बरतें।

वर्ष 2020 में लॉकडाउन के साथ ही अपने राज्यों को पैदल ही निकले मजदूरों ने वर्ष 2021 में लॉकडाउन के डर से अभी से अपने घर जाना शुरू कर दिया है। गुरुग्राम में राजीव चौक व अन्य स्थानों से निजी बस संचालकों द्वारा उन्हें ले जाया जा रहा है। गुरुग्राम में यूपी, बिहार, राजस्थान, मध्यप्रदेश, उत्तराखंड समेत अन्य कई राज्यों से लेबर किसी न किसी कंपनी, निर्माण कार्य, होटलों व अन्य कई क्षेत्रों में मेहनत, मजदूरी करके अपने परिवार का पेट पालते हैं। सबसे अधिक लेबर यहां निर्माण कार्यों में हैं। क्योंकि गुरुग्राम में हर बड़ी कंस्ट्रक्शन कंपनी के प्रोजेक्ट चल रहे हैं। उनके मुख्यालय भी यहां पर हैं। गुरुग्राम शहर के 20 किलोमीटर से अधिक दायरे में मकान, फ्लैट बनाने का कार्य जोरों पर है।

कोरोना की वजह से काफी प्रोजेक्ट बंद थे, जो कि साल 2020 के अंत में शुरू हुए। अभी इन कार्यों में तेजी ही आई थी कि एकाएक कोरोना महामारी ने फिर से पैर पसारने शुरू कर दिए हैं। गुरुग्राम में दहाई तक कोरोना के केस पहुंच गए थे, जो कि अब बढ़कर सैंकड़ों ओर सैंकड़ा से हजार को पार कर गए हैं। इन केसों ने सरकार की भी चिंता बढ़ाई है। राजधानी के साथ सटे होने के कारण गुरुग्राम देश ही नहीं, दुनिया का महत्वपूर्ण शहर है। यहां दुनिया की बड़ी कंपनियों के मुख्यालय है।

मतलब एक तरह से इस शहर में हर हाथ को काम, हर पेट को रोटी मिलने का जुगाड़ है। इसी आस के साथ लोग यहां अपने घरों को छोड़कर आते हैं कि मेहनत करके अच्छा गुजारा हो जाएगा। अब ऐसे लोगों के माथे पर कोरोना के फैलाव ने चिंता की लकीरें खींच दी हैं। वे ना चाहकर भी यहां से पलायन करने को मजबूर हो गए हैं। यहां राजीव चौक पर बसों में सवार होकर बिहार जा रहे राकेश पासवान, सुदेश महतो, राकेश सिन्हा, विमलेश पांडेय, मुकेश चौधरी आदि ने बिहार सरकार ने पहले भी कोई मदद नहीं की और आगे भी कोई मदद की उम्मीद नहीं है। ऐसे में वे किस के भरोस रहें। इसलिए वे अभी से अपने घर जाकर अपने बच्चों को सुरक्षित कर देना चाहते हैं। पहले पैदल चलकर गए थे, बच्चों, महिलाओं, दिव्यांगों, बीमारों को बहुत परेशानी हुई थी। ऐसी परेशानी फिर से नहीं झेलना चाहते।

उन्हें बताया भी गया कि अभी तो हरियाणा में नाइट कर्फ्यू लगा है, लॉकडाउन नहीं। इस पर उनका जवाब था कि इतना हो गया तो आगे लॉकडाउन भी लगेगा। इसलिए वे इंतजार नहीं करना चाहते। अपने घर जाना चाहते हैं। उनका यह भी कहना है कि पहले तो लोगों ने खिला दिया था, अब सबकी स्थिति कमजोर है। भूखे मरने से अच्छा है पहले ही अपने घर पहुंच जाएं।

होली पर गए वापस नहीं आए, और भी जा रहे : दीपक मैनी

उद्योगपति दीपक मैनी कहते हैं कि लेबर के पलायन से उद्योगों पर भी असर पड़ेगा। काम बंद हो जाएंगे। क्योंकि होली के मौके पर गई लेबर अभी तक वापस नहीं आई है। अब बचे हुए भी वापस जा रहे हैं। ऐसे में उद्योग धंधे भी प्रभावित होंगे।

संक्षिप्त समाचार

एसडीएम के आदेश पर नप अधिकारियों ने सैंपल लैब भेजे

होडल। होडल एसडीएम के आदेशों पर नगर परिषद अधिकारियों की टीम ने मंगलवार को चरण सिंह चौक से हसनपुर चौक तक बनने वाले मार्ग व गंदे पानी निकासी के लिए नेशनल हाइवे गौडोता चौक से उझीना ड्रैन तक बनाए एक नाले के सैंपल लिए। परिषद अधिकारियों की टीम ने सैंपलों को सील कर दो अलग-अलग लैब में जांच के लिए भेजे हैं। एक महीने में सैंपल की रिपोर्ट आने के बाद ही अधिकारी कुछ जबाव दे सकेंगे। होडल नगर परिषद के जेई राशिद ने बताया कि बेढा पट्टी निवासी धर्मबीर ने प्रशासनिक अधिकारियों की दी शिकायत में बताया कि चरण सिंह चौक से हसनपुर चौक और गंदे पानी की निकासी के लिए नेशनल हाइवे गौडोता चौक से उझीना ड्रैन तक बनने वाले नाले में घटिया सामग्री का प्रयोग किया गया है। उन्होंने बताया कि नगर परिषद एक्सियन ओमदत्त, जेई हर्ष के साथ परिषद की टीम ने मंगलवार को दो लैब श्रीराम और बालाजी द्वारा चरण सिंह चौक से हसनपुर चौक और हाइवे स्थित नाले के सैंपल लिए गए हैं। उन्होंने बताया कि सैंपलों को सील बंद कर लैब में जांच के लिए भेजा जा रहा है। जेई राशिद ने बताया कि दिसंबर 2019 में भी मार्ग व नाले के सैंपल लिए गए थे जिन्हें लैब द्वारा पास कर दिया था अब दोबारा से सैंपल लिए जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि एक महीने के अंदर लैब की रिपोर्ट के आधार पर ही आगे की कार्रवाई अमल में लाइ जाएगी।

सेक्टर-14 मार्केट की दुकान में देर रात लगी आग

गुरुग्राम। यहां सेक्टर-14 स्थित एक दुकान में सोमवार देर रात आग लग गई। इस आग में पूरी दुकान का सामान जलकर राख हो गया। एक घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया। जानकारी के अनुसार सेक्टर-14 की मुख्य मार्केट में सोमवार रात करीब 10 बजे यहां रेडिमेड गारमेंट की दुकान में आग लग गई। दुकान बेसमेंट में भी है, लेकिन आग वहां पर पहुंच नहीं पाई। ग्राउंड फ्लोर पर आग में पूरे कपड़े जलकर राख हो गए। आग इतनी अधिक फैली कि देखने में लगा दर्जनभर दुकानों में आग लगी हो, लेकिन आग एक ही दुकान में लगी थी। फायर ऑफिसर इशम सिंह कश्यप ने बताया कि विभाग के कर्मचारियों ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। दुकान का सारा सामान जल गया। बता दें कि गुरुग्राम में तापमान बढ़ने के साथ आग की घटनाएं एकाएक बढ़ती जा रही हैं। शहर में इससे पहले सोहना चौक पर भी पांच मंजिला दुकान जलकर राख हो चुकी है। वहीं कई जगह झुगिगयों में भी आग लग चुकी है।

अलग-अलग थाना क्षेत्र से चार मोटरसाइकिलें चोरी

पलवल। चोर अलग-अलग थाना क्षेत्र से चार बाइकों पर हाथ साफ कर गए। पुलिस ने पीड़ितों की शिकायतों पर मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस प्रवक्ता संजय काद्यान के अनुसार चोर गांव मोहना (फरीदाबाद) निवासी गजराज की बाइक को कैंप थाना क्षेत्र के अंतर्गत श्रीराम फाईनेंस के पास से, न्यू एक्सटेंशन कालोनी निवासी गौरव चौधरी की बाइक को अनाज मंड़ी से, पलवल के सैनी नगर निवासी मनीष गोयल की बाइक को शहर थाना क्षेत्र के अंतर्गत कॉलोनी से व इनायतपुर निवासी शाद की बाइक को हुडा सेक्टर-2 से चोरी कर ले गए। पुलिस ने पीड़ितों की शिकायतों के आधार मामला दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी है।

नि:शुल्क कोरोना टीकाकरण शिविर आज

होडल। मोक्षधाम सेवा समिति एवं मानव अधिकारी मिशन के तत्वावधान में बुधवार को पुरानी जीटी रोड स्थित अग्रवाल भवन में प्रांगण में नि:शुल्क कोरोना टीकाकरण शिविर लगाकर 45 वर्ष की आयु से अधिक आयु के महिला-पुरुषों को नि:शुल्क कोरोना महामारी के टीके लगाए जाएंगे। यह जानकारी समिति के अध्यक्ष राजकपूर बंसल ने दी। उन्होंने बताया कि शिविर में कोरोना महामारी का टीका लगवाने वालों को समिति के ओर से उपहार भी वितरित किए जाएंगे। उन्होंने बताया कि इस शिविर में स्वास्थ्य विभाग की उनका पूरा सहयोग करेगी। उन्होंने 45 वर्ष से अधिक महिला-पुरुषों से अपील करते हुए कहा है कि वह इस शिविर में पहुंचकर इसका लाभ उठाएं और इस महामारी से अपने आप को सुरक्षित करें।

मानेसर क्षेत्र में अतिक्रमण पर चलेगा नगर निगम का डंडा

मानेसर (गुरुग्राम)। नगर निगम मानेसर क्षेत्र में अतिक्रमण के खिलाफ जल्द ही कार्रवाई शुरू की जाएगी। इसके लिए निगमायुक्त मुनीष शर्मा द्वारा इनफोर्समेंट टीमों का गठन किया गया है। नगर निगम मानेसर के डीटीपी आरएस बाट ने मंगलवार को इनफोर्समेंट टीम के सदस्यों के साथ महत्वपूर्ण बैठक की और उन्हें आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि इनफोर्समेंट दल एक सप्ताह में नगर निगम मानेसर क्षेत्र में विशेष अभियान चलाकर सर्वे करें तथा अतिक्रमण करने वालों को नोटिस दें। अगर नोटिस के बावजूद अतिक्रमण नहीं हटाया जाता है, तो अगले एक सप्ताह में नगर निगम द्वारा अतिक्रमण को हटाने के लिए विशेष अभियान चलाया जाएगा। बैठक में एटीपी एवं डीएमसी सिद्धार्थ खंडेलवाल सहित इनफोर्समेंट टीम के सदस्य उपस्थित थे।

नाबालिग को भगाने के आरोप में दंपति सहित तीन पर केस

पलवल। सदर थाना क्षेत्र से नाबालिग लड़की को बहलाकर भगा ले जाने का मामला प्रकाश में आया है। पुलिस ने लड़की की मां की शिकायत पर दंपति सहित तीन नामजद आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस जांच अधिकारी इमरोज के अनुसार एक पीड़िता ने शिकायत दर्ज कराई है कि उसकी 16 वर्षीय बेटी को गांव लिखी निवासी राहुल गत 30 मार्च को बहला-फुसलाकर अपने साथ भगा ले गया।

दुर्घटनाओं में दसवीं कक्षा के छात्र की मौत

पायनियर समाचार सेवा। पलवल

अलग-अलग थाना क्षेत्र के अंतर्गत हुई सड़क दुर्घटनाओं में दसवीं कक्षा के छात्र व बाइक सवार व्यक्ति की मौत हो गई। जबकि दो छात्र घायल हो गए। पुलिस ने पीड़ित परिजनों की शिकायतों पर अज्ञात वाहन चालकों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

पुलिस प्रवक्ता संजय काद्यान के अनुसार यूपी के जिला फिरोजाबाद के गांव नंगला मिरजा बढ़ा निवासी सतेंद्र कुमार ने मुंडकटी थाना पुलिस को शिकायत दर्ज कराई है कि 35 वर्षीय भाई जितेंद्र बल्लभगढ़ स्थित स्टड़ कंपनी में काम करता था। 11 अप्रैल की रात को जितेंद्र कंपनी से बाइक से घर आ रहा था। हाईवे पर गांव बंचारी के समीप किसी अज्ञात वाहन ने जितेंद्र की बाइक को टक्कर मार दी। जिससे जितेंद्र की मौत हो गई। इसी प्रकार गांव मिंडकोला निवासी भागीरथ ने सदर थाना पुलिस को शिकायत दर्ज कराई है कि भतीजे विशाल कक्षा दसवीं, विनेश कक्षा 9वीं और शैलेश कक्षा 11वीं गांव कारना स्थित सेंट एंथनी स्कूल में पढ़ते थे।

पीड़ित 12 अप्रैल को अपनी स्कार्पियो कार से बच्चों को स्कूल से छुट्टी होने के बाद घर लेने के लिए गया था। पीड़ित जब घर के लिए चला तो बच्चों ने लघुशंका की आशंका जाहिर की। पीड़ित ने कार को साइड में रोककर तीनों बच्चे कार से उतरकर लघुशंका के लिए जाने लगे उसी दौरान पलवल की तरफ से आई तेज रफ्तार वेगनआर कार ने बच्चों को टक्कर मार दी। टक्कर लगने से विशाल की मौत हो गई और विनेश और शैलेश घायल हो गए। पुलिस ने पीड़ितों की शिकायतों के आधार पर अज्ञात वाहन चालकों के खिलाफ मामला दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी है।

रविवार को ध्वज यात्रा के साथ निकाली जाएगी श्याम बाबा की पालकी

होडल। एकादशी निशान यात्रा पलवल के सानिध्य में श्रीखाटू श्याम के दिवाने मंडल की ओर से आगामी 18 अप्रैल रविवार को शहर में से ढोल-नगाडों के साथ ध्वज यात्रा व श्याम बाबा की भव्य पालकी निकाली जाएगी। यह निर्णय मंडल के सदस्यों ने मंगलवार को गढिया बाजार में हुई बैठक के दौरान सर्व सम्मति से लिया। मंडल के प्रधान सुनील गोयल ने जानकारी में बताया कि रविवार को शहर के एतिहासिक पथवारी मंदिर से दोपहर तीन बजे के बाद श्याम बाबा की पालकी व ध्वज यात्रा का शुभारंभ किया जाएगा। उन्होंने बताया कि श्याम प्रेमियों की यह पदयात्रा पथवारी मंदिर से शुरू होकर जगजीवन राम चौक, पुरानी जीटी रोड, राजीव गांधी चौक, अग्रवाल कालोनी, रेलवे रोड व गांव भुलवाना होते हुए चमेलीवन धाम में पहुंचेगी। उन्होंने बताया कि बाबा की पालकी को पलवल निशान यात्रा मंडल द्वारा सजाया जाएगा।

दूसरी लहर में अधिक आ रहे हैं कोरोना के केस : उपायुक्त

निजी कंपनियों ने कोरोना से बचाव को प्रशासन को सौंपा सामान

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

गुरुग्राम में उपायुक्त को सामान की डमी सौंपते कंपनियों के अधिकारी।

कोरोना वैक्सीन इको सिस्टम को मजबूत करने के उद्देश्य से मंगलवार को तीन निजी कंपनियों नामत: युनाइटेड-वे दिल्ली, एमवे इंडिया तथा इनोवैन कैपिटल द्वारा जिला प्रशासन को सीएसआर के तहत आवश्यक सामान उपलब्ध करवाया। जिला प्रशासन की ओर से उपायुक्त डॉ. यश गर्ग ने सामान की डमी रिसिव की।

इस अवसर पर सिविल सर्जन डा. विरेंद्र यादव, युनाइटेड वे दिल्ली से बोर्ड चेयरमैन कपिल कुमरिया, एमवे इंडिया सीएसआर से मैनेजर राज नरेन तथा इनोवेन कैपिटल से सीईओ आशीष उपस्थित थे।

उपायुक्त डा. यश गर्ग ने कहा कि दूसरी लहर में संक्रमण के मामले अपेक्षाकृत अधिक आ रहे हैं। ऐसे में जरूरी है कि निजी कंपनियां जिला प्रशासन का सहयोग करें, ताकि कोरोना की वैक्सीन इको सिस्टम सहित आमजन की सुविधा के लिए आवश्यक कदम उठाए जा सकें। उन्होंने कहा कि गुरुग्राम एक समृद्ध जिला है, जहां कारपोरेट और निजी कंपनियों की भरमार है। ऐसे में जिला की अन्य कंपनियों को भी आगे आकर अपना सहयोग देना चाहिए। इन तीनों कंपनियों के प्रतिनिधियों द्वारा जिला प्रशासन को रेफ्रिजरेटर, वैक्सीन कैरियर बॉक्स, सीरींजिज, लैपटॉप, प्रिंटर, डैस्कटॉप, हैंड सैनिटाइजर, सैवलोन व डिटोल किट, एन-95 मास्क, ट्रिपल लेयर मास्क, डीप फ्रीजर आदि सामान उपलब्ध करवाया गया है।

बैसाखी पर पगड़ियां बांध धरने पर बैठीं महिलाएं और पुरुष

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

गुरुग्राम में राजीव चौक के पास तीन अध्यादेश के विरोध में धरने पर बैठे लोग।

किसानों की मांगों के समर्थन में अनिश्चितकालीन धरने के 139वें दिन किसान, मजदूर और गुरुग्राम के विभिन्न सामाजिक संगठनों के प्रमुख व्यक्ति धरने पर पहुंचे।

संयुक्त किसान मोर्चा गुरुग्राम के अध्यक्ष संतोख सिंह ने कहा कि मंगलवार को बैसाखी के पावन पर्व पर किसान अपने सिर पर पगड़ियां बांधकर धरने पर बैठे। उन्होंने धरने को संबोधित करते हुए कहा कि बैसाखी किसानों के सबसे लोकप्रिय त्योहारों में से एक है। ये फसल के मौसम की शुरुआत का प्रतीक है, इसलिए ये त्योहार रबी फसलों खास कर गेहूं की फसल की कटाई का भी प्रतीक है। उन्होंने कहा कि सरकार अहंकार त्यागकर किसानों की मांगों को मानें ताकि किसान खेतों में जाकर अपनी फसल काट सकें। किसान ईश्वर सिंह ने कहा कि खेतों में फसल पककर तैयार खड़ी है। इसलिए सरकार को किसानों से बातचीत करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि बातचीत से ही समस्या का समाधान हो सकता है। धरने पर बैठने वालों में अनिल पंवार, जयप्रकाश रेहडू, ईश्वर सिंह पातली, नवनीत रोजखेडा, सवनीत कौर, ऊषा सरोहा, रविंद्र माथुर, मनोज श्योराण, गीता गौरैया, मनोज झाड़सा, बलवान सिंह दहिया, योगेन्द्र सिंह समसपुर, एसएल प्रजापति, तनवीर अहमद, सतीश कुमार कादीपुर, आरसी हुड्डा, पंजाब सिंह, कमलजीत सिंह, धर्मबीर परवाल, मुकेश डागर, कामरेड सरवन कुमार आदि शामिल रहे।

धोखाधड़ी कर तीन लोगों से ठगे 2 लाख 92 हजार रुपये

पलवल। अलग-अलग थाना क्षेत्र के अंतर्गत धोखाधड़ी कर तीन लोगों के खाते से 2 लाख 92 हजार 900 रुपये निकाल गए। पुलिस ने पीड़ितों की शिकायतों दो मामलों में अज्ञात व एक मामलें में बैंक मैनेजर के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

पलवल के शिवपुरी मोहल्ला निवासी राधेश्याम ने शहर थाना पुलिस को शिकायत दर्ज कराई है कि उसका बचत खाता एसबीआई बैंक पलवल शाखा में है जिसमें पीड़ित की पेंशन आती है। पीड़ित का आरोप है कि बैंक की मिलीभगत से उसके खाते से रुपये निकल गए। शिकायत पीड़ित ने 19 दिसंबर 2019 को बैंक मैनेजर को दी। बैंक मैनेजर ने आश्वासन दिया कि आज के बाद कोई पैसा नहीं निकलेगा, लेकिन फिर भी पीड़ित के खाते से 2 लाख 61 हजार 900 रुपये निकाल लिए। कृष्णा कॉलोनी निवासी पिंकी ने कैंप थाना पुलिस को बताया कि 11 अप्रैल को वह एटीएम से रुपये निकाल रही थी। उसी दौरान एक युवक आया और कहा कि एटीएम कार्ड ऐसे नहीं लगाते और पीड़िता का कार्ड बदल लिया। जिसके बाद पीड़िता के खाते से 12500 रुपये निकाल लिए। राम नगर कृष्णा कॉलोनी निवासी गुरुदत्त ने बताया कि 12 अप्रैल को वह रेलवे रोड स्थित एटीएम से रुपये निकाल रहा था। उसी दौरान तीन युवक आए और एटीएम कार्ड सीधा लगाने बात कहकर कार्ड बदल लिया। जिसके बाद पीड़ित के खाते से 18500 रुपये निकाल लिए।

समाज का हर व्यक्ति अपनी जिम्मेदारी निभाए : डॉ. यश गर्ग

उपायुक्त ने कोविड-19 जागरुकता रथ को दिखाई झंडी

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

गुरुग्राम में कोरोना महामारी के लिए जागरुकता रथ को झंडी दिखाकर रवाना करते उपायुक्त डॉ. यश गर्ग।

यदि समाज में रहने वाला हर नागरिक अपनी जिम्मेदारी खुद सम्भालें तो बड़ी से बड़ी समस्या को हल कर सकते है। यह बात जिला उपायुक्त डा. यश गर्ग ने लघु सचिवालय में जिला प्रशासन एवं रेडक्रास सोसायटी द्वारा हरियाणा राज्य शाखा चंडीगढ़ के निर्देश पर शुरू किए गए कोविड-19 जागरुकता रथ को हरी झंडी दिखाकर रवाना करते हुए व्यक्त किए।

उन्होंने कहा कि हम सभी का दायित्व बनता है कि हम कोविड-19 महामारी की रोकथाम के लिए जागरूक रहे, जिसके लिए प्रथम कार्य मास्क लगा कर प्रोटेक्ट करना है। सैनिटाईजर से हाथ साफ कर बीमारी से बचना है। दो गज की दूरी बनाकर संक्रमण से बचना है। उन्होंने कहा कि रेडक्रास सोसायटी द्वारा संचालित यह जागरुकता रथ जिले के 100 से अधिक गांव में, शहरी क्षेत्र में, सभी उपमण्डल में जाकर लगभग 15 दिन लगातार प्रचार-प्रसार करेंगा। उन्होंने कहा कि इस जागरुकता रथ के साथ पांच सदस्यीय टीम रेडक्रॉस सोसायटी एवं टीआई प्रोजेक्ट की बनाई गई है।

इसके साथ-साथ विभिन्न सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधियों द्वारा जागरुकता रथ के माध्यम से प्रचार-प्रसार किया जाएगा, जिससे अधिक से अधिक लोगो को जागरुकता रथ द्वारा ऑडियो, वीडियो विजुअल के माध्यम से कोरोना से बचाव के लिए जागरूक किया जा सके। रेडक्रॉस सचिव श्याम सुन्दर के नेतृत्व में पांच सदसीय टीम में शामिल प्रोजेक्ट मैनेजर रजनी कटारिया, काउंसलर-सीमा सिंह, लेखाकार-कोमल गुप्ता, आउटरिच वर्कर-सुषमा और विनिता को शामिल किया गया है जो विभिन्न स्थानों पर जाकर लोगों को जागरूक करेंगे।

रेडक्रास सोसायटी एवं जिला कल्याण समिति के सांझा प्रयास से जिले के पांच लाख से अधिक लोगों को प्रथम चरण में विभिन्न माध्यम से जागरूक किया जाएगा। इस अवसर पर रेडक्रॉस सचिव श्याम सुन्दर, आजीवन सदस्य रश्मि चैकसे, आकांक्षा और कुणाल सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित थे।

गुरुग्राम शहर में फिर से शुरू किया जाएगा सेनिटाइजेशन

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

बिना वजह भीड़ वाली जगहों और बाजारों में न जाएं

कोरोना से बचाव को टीकाकरण अवश्य कराएं

नगर निगम गुरुग्राम द्वारा कोरोना महामारी के बढ़ते प्रकोप की रोकथाम के लिए शहर में एक बार फिर से सेनिटाईजेशन शुरू किया जाएगा। तैयार किए गए शेड्यूल के तहत नगर निगम की टीमें विभिन्न कांडोमिनियम, सेक्टरों एवं कॉलोनियों में निर्धारित समय के अनुसार दौरा करते हुए सेनिटाईजेशन के साथ-साथ फॉगिंग एवं एंटी लार्वा गतिविधियां करेंगी। इस बारे में जानकारी देते हुए नगर निगम गुरुग्राम के आयुक्त विनय प्रताप सिंह ने बताया कि प्रथम चरण में गुरुग्राम के कंटेनमेंट जोनों में सेनिटाईजेशन की शुरुआत करने का शेड्यूल तैयार किया गया है।

यह विशेष सेनिटाइजेशन गतिविधि बुधवार और गुरुवार को कंटेनमेंट जोनों में की जाएगी। उन्होंने बताया कि तैयार शेड्यूल के अनुसार बुधवार व वीरवार को गुरुग्राम के 91 क्षेत्रों को सेनिटाइज करने के लिए विशेष अभियान चलेगा। इसके लिए अलग-अलग टीम लीडरों को जिम्मेदारी दी गई है। इसके बाद अगले चरण में गुरुग्राम की सभी कांडोमिनियम, सेक्टर और कॉलोनियों में सेनिटाईजेशन एवं फॉगिंग का कार्य शेड्यूल अनुसार किया जाएगा।

निगमायुक्त ने गुरुग्राम के नागरिकों से आह्वान किया कि वे सरकार द्वारा जारी हिदायतों एवं दिशा-निर्देशों का पालन करें। घर से बाहर निकलते समय मास्क अवश्य लगाएं तथा एक-दूसरे के बीच सामाजिक दूरी का पालन करें। अपने हाथों को साबुन या सेनिटाईजर से साफ करते रहें। बिना वजह भीड़ वाली जगहों एवं बाजारों में न जाएं। सरकार द्वारा जारी दिशा-निर्देशों के तहत कोरोना से बचाव के लिए टीकाकरण अवश्य करवाएं। हरियाणा सरकार द्वारा जारी किए गए नाईट कर्फ्यू आदेशों का पालन करें।

बीजेपी प्रत्याशी अमित चौधरी को विजयी बनाएं : सुरेंद्र नागर

पायनियर समाचार सेवा। ग्रेटर नोएडा

गौत्तमबुद्ध नगर के गांवों में बीजेपी प्रत्याशी के समर्थन में प्रचार करते राज्यसभा सांसद सुरेंद्र सिंह नागर।

जिला पंचायत के चुनाव में हवा के रुख की तरह नोएडा से राज्यसभा सांसद सुरेंद्र सिंह नागर ने एक तरह से वोटरों का रुख भी बदल दिया। अपने तूफानी चुनाव प्रचार के दौरे के दौरान उन्होंने वोटरों को बीजेपी की नीतियों के बारे में अवगत कराकर बीजेपी प्रत्याशी के पक्ष में मतदान की अपील की।

राज्यसभा सांसद सुरेंद्र नागर ने वार्ड-5 क्षेत्र के कई गांवों का भी दौरा किया। इस दौरान उन्होंने बीजेपी प्रत्याशी अमित चौधरी को विजयी बनाने की अपील की। उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी ने हमेशा हर वर्ग को साथ लेकर काम किया है। आज भी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी देश में और योगी आदित्यनाथ उत्तर प्रदेश में जनता की सेवा में जुटे हैं। उन्होंने लोगों को कोरोना महामारी से बचाव करते हुए चुनाव में भाग लेने की अपील की। बीजेपी प्रत्याशी अमित चौधरी ने दावा किया कि वार्ड-5 से अभी तक त्रिशुक मुकाबला माना जा रहा था, सांसद सुरेंद्र सिंह नागर के दौरे के साथ मतदाताओं का रुख भी बदल गया है। सुरेंद्र सिंह नागर ने बीजेपी प्रत्याशी अमित चौधरी के पक्ष में लोगों से वोट देने की अपील की। गुर्जर बिरादरी के साथ-साथ राजपूत समाज ने भी अमित चौधरी को जिताने को पूरा समर्थन दिया है। गांव-गांव उनका स्वागत किया जा रहा है। सांसद ने खासतौर से बाहुल दो गांव झुप्पा और छतांगा का दौरा किया। जेवर विधानसभा से युवा नेता मंजीत सिंह ने कहा कि अमित चौधरी इस जीत के साथ जिला प्रमुख बनने के प्रबल दावेदार भी हो जाएंगे। यह पहला ऐसा मौका होगा, जब गौत्तमबुद्ध नगर से भाजपा का जिला अध्यक्ष बनेगा। इस दौरे में उनके साथ बीजेपी के कई पदाधिकारी मौजूद रहे, जिनमें मुख्यरूप से पूर्व मंत्री हरिचंद भाटी, जेवर विधानसभा से युवा नेता मंजीत सिंह, चंद्रमणि भारद्वाज, सुरेश चंद शर्मा, संजय रावत समेत काफी लोग मौजूद थे। गुर्जर बिरादरी के अलावा अमित चौधरी को सर्व समाज का पुरजोर समर्थन मिलने का दावा किया जा रहा है। वे इस समय गांव-गांव जाकर तूफानी दौरा कर रहे हैं।

अमित चौधरी इस जीत के साथ जिला प्रमुख बनने के प्रबल दावेदार भी हो जाएंगे

तीन महीने में 130 सड़क हादसों में 48 की मौत, 125 घायल

कविता। फरीदाबाद

सड़क दुर्घटना के मामलों में कोरोनाकाल में भी कमी नहीं आ पाई है। बीते तीन महीनों की बात करें तो जिले में एनएच-दो समेत जिले में हुए 130 सड़क हादसों में 125 लोग घायल हुए और 48 की मौत हो गई। वहीं बीते वर्ष 2020 की बात करें तो जिले में 12 महीनों में 499 दुर्घटनाओं में 195 लोगों की मौत हुई और 421 लोग घायल हुए थे। साफ शब्दों में कहें तो लॉकडाउन के करण जहां सड़क दुर्घटनाओं में कमी आई थी।

वहीं ऑनलॉक होने के बाद से सड़क दुर्घटना में घायल और मरने वालों की संख्या में बढ़ोत्तरी हुई है। वहीं दूसरी तरफ देखा जाए तो देश में यातायात नियमों और बीमारियों से बचाव न करने वालों की संख्या बढ़ रही है। देश में प्रति वर्ष बीमारियों और सड़क हादसों में मृतकों की संख्या का आंकड़ा इससे तीन लाख पर पहुंच रहा है।

जीवन के लिए करें बचाव

रोड सेफ्टी ऑर्गेनाइजेशन के प्रदेश उपाध्यक्ष एसके शर्मा ने कहा कि एक साल में देश में डेढ़ लाख व्यक्ति सड़क दुर्घटनाओं में मर रहे हैं। वहीं वर्ष 2020 की बात करें, तो कोविड-19 से भी डेढ़ लाख व्यक्तियों की मौत का आंकड़ा सामने आया था। वहीं जिले में वर्ष 2021 की बात करें तो 130 हादसों में 125 घायलों में से 48 की मौत हो गई। जिससे मतलब साफ है कि लोग यदि सड़क दुर्घटनाओं और कोरोना आदि बीमारियों से मरना नहीं चाहते तो वह यातायात नियमों और कोविड-19 गाइडलाइन का पालन करते हुए खुद को सुरक्षित रख सकते हैं। वर्तमान में अपने परिवार के साथ जीवन जीने के लिए दोनों ही तरह के नियमों का पालन करना जरूरी है।

मृत्यु से बचाव के लिए यातायात और कोविड-19 नियमों का करें पालन : एसके शर्मा

2021 के एनएच दो और सड़क हादसों के आंकड़े

माह	हादसे हाइवे+सड़क	मौत हाइवे+सड़क	घायल हाइवे+सड़क
जनवरी	10+29	4+8	12+25
फरवरी	17+37	8+13	11+40
मार्च	5+32	0+14	6+31

अनलॉक में बढ़ी संख्या

आंकड़ों के अनुसार वर्ष 2020 में जिले में 267 सड़क हादसों में 107 मौतें हुईं और 221 लोग घायल हुए। जबकि वर्ष 2019 में 483 सड़क दुर्घटनाएं घटीं, 154 लोगों की मौत हुई थी और 484 लोग घायल हुए थे। वहीं बीते तीन महीने में 130 हादसों में 125 घायलों में से 48 की मौत हो गई। इसका पता जारी किए गए आंकड़ों से साफ चल रहा है।

यूपीपीएससी परीक्षा में फरीदाबाद की सुबोध जोशी ने फहराया परचम

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

केंद्रीय राज्यमंत्री गुर्जर और मूलचंद शर्मा ने भी दी बधाई

सफलता का एक ही मंत्र है मेहनतः सुबोध

जामिया मिलिया कॉलेज से गोल्ड मेडलिस्ट फरीदाबाद की छात्रा सुबोध जोशी ने यूपीपीएससी परीक्षा पास करके जिले का नाम रोशन किया है। फरीदाबाद सेक्टर-7 में रहने वाले समाजसेवी बीपी जोशी की छोटी बेटी सुबोध की इस उपलब्धि के बारे में परिजनों को पता लगा तो परिवार में खुशी की लहर दौड़ गई। आस-पड़ोस के लोग उन्हें बधाइयां देने में जुट गए, जहां माता-पिता ने सबसे पहले सुबोध को मिठाई खिलाकर बधाई दी, वहीं केंद्रीय राज्यमंत्री कृष्णपाल गुर्जर, हरियाणा के कैबिनेट मंत्री मूलचंद शर्मा ने उन्हें फोन पर इस उपलब्धि के लिए बधाई दी और उनके उज्जवल भविष्य की कामना की।

सुबोध जोशी को जिला पंचायत अधिकारी के रूप में प्रशासनिक जिम्मेदारी मिली है और उनका मानना है कि वह इस क्षेत्र में अभूतपूर्व कार्य करके पंचायतों का स्वरूप बदलकर उन्हें आधुनिकता के दौर से जोड़ने का काम करेंगी। सुबोध जोशी का मानना है कि सफलता का एक ही मंत्र है, मेहनत। प्रशासनिक सेवाओं की तैयारी करने वालों को उनकी सलाह है कि वे करंट अफेयर के बारे में ज्यादा सजग रहें क्योंकि आज इंटरनेट की वजह से सभी को नई-नई चीजें जानने का आसान अवसर मिल चुका है। वहीं उन्होंने कहा कि आईएएस बनना उनका सपना है और इसे हासिल करने के लिए वह भविष्य में भी प्रयास करती रहेंगी। उन्होंने अपनी इस उपलब्धि का श्रेय अपने शिक्षकों के साथ-साथ माता-पिता व अपनी बहन को दिया क्योंकि उनकी बड़ी बहन भी लॉ में गोल्डमेडलिस्ट है और उनके पिता ने हमेशा ही क्षेत्र के लोगों के सुख-दुख में हिस्सा लेकर समाज के प्रति दायित्व को निभाया है और उनके पिता ने उन्हें सदैव यही प्रोत्साहित किया कि लड़कियां लड़कों से कम नहीं होतीं और यही कारण है कि आज वह इस मुकाम पर हैं। उनकी इस उपलब्धि पर विधायक नीरज शर्मा, विधायक सीमा त्रिखा, पूर्व विधायक शारदा राठौर, पूर्व विधायक आनंद कौशिक, पूर्व विधायक टेकचंद शर्मा, भाजपा के वरिष्ठ नेता सुरेंद्र तेवतिया, अश्विनी त्रिखा, पार्षद कपिल डागर, राजा नाहर सिंह के वंशज राजकुमार तेवतिया, सुनील तेवतिया, अनिल तेवतिया, पवन तेवतिया, कांग्रेस के प्रदेश प्रवक्ता सुमित गौड़, बीआर ओझा फाउंडेशन के अध्यक्ष व कांग्रेसी नेता राजन ओझा, किसान नेता सत्यवीर डागर, ब्राह्मण सभा के प्रधान बृजमोहन वत्स, प्रवक्ता डा. तेजपाल शर्मा सहित अनेकों गणमान्य लोगों ने उन्हें बधाई दी।

पलवल की टीम ने बल्लभगढ़ में मारा छापा

अवैध गर्भपात करते दो गिरफ्तार

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

पलवल सीएमओ को एक गुप्त सूचना मिली कि डॉ. सुंदर पाल चौहान और उनकी पत्नी अंजू चौहान अवैध लिंग निर्धारण और अवैध गर्भपात का व्यवसाय करते हैं। वह अल्ट्रासाउंड मशीन के माध्यम से गर्भवती महिलाओं को लिंग निर्धारण के लिए पलवल से लेकर उत्तर प्रदेश और दिल्ली ले जाते थे। इसके लिए वह 15 से 20 हजार रुपये प्रति रोगी लेते थे। सूचना के आधार पर एक टीम का गठन किया, जिसमें डॉ. प्रवीन, डॉ. प्रियंका, कृष्ण कुमार को भेजा।

टीम ने फरीदाबाद विभाग को सूचना दे दी और मौके पर पहुंचकर एक नकली ग्राहक को भेजा। जहां नकली ग्राहक ने अंजू को फोन करके बताया कि उनकी पत्नी 5 महीने की गर्भवती है। उसे अपने गर्भ में बच्चे का लिंग पता करना है। डॉ. अंजू ने सुरेन्द्र के माध्यम से दो से तीन दिन का समय दिया। अंजू ने नकली ग्राहक को अपने पति सुरेन्द्र पाल चौहान से मिलवाया और दोनों मोबाइल के माध्यम से बातचीत की। अंत में सुरेन्द्र ने 15 हजार रुपये में 12 अप्रैल को लिंग जांच का समय निश्चित करते हुए बल्लभगढ़ स्थित भगत सिंह कॉलोनी के निकट स्थित चौहान क्लीनिक में उसे आने को कहा। दोपहर को दो बजे पलवल की टीम ने स्थानीय स्वास्थ्य विभाग की टीम को सूचना दे दी। जिस पर पीएनडीटी नोडल अधिकारी डॉ. हरीश आर्य और खेड़ीकला के एसएमओ डॉ. हरजिन्द्र सिंह समेत अन्य सीएचसी तिगांव के एमओ समेत डीसीओ के साथ छापा मारने की प्लानिंग की। जिस पर टीम पलवल ने नकली ग्राहर को 15 हजार रुपये सीरियल नम्बर के दे दिया। नकली ग्राहक बनी लता को चार बजे क्लीनिक में पहुंची तो वहां दंपति चिकित्सक ने बताया कि अल्ट्रासाउंड के माध्यम से गर्भ की लिंग जांच डॉ. अमित कुमार करेंगे।

चार महीने में एक हजार से ऑपरेशन से बनाया नया कीर्तिमान

केंद्रीय राज्यमंत्री ने किया डॉ. एसएस बंसल और उनकी कार्डिक टीम को सम्मानित

फरीदाबाद। चिकित्सा क्षेत्र में अग्रणीय एसएसबी अस्पताल ने पिछले चार महीनों के दौरान एक हजार से अधिक सफल हृदय प्रक्रिया एवं सर्जरी कर नया कीर्तिमान बनाया है। उपलब्धि पर सांसद, केंद्रीय मंत्री कृष्णपाल गुर्जर ने एसएसबी अस्पताल के चेयरमैन डॉ. एसएस बंसल को बधाई देते हुए उनकी कार्डियक टीम को भी सम्मानित किया।

कृष्णपाल गुर्जर ने कहा कि यह हमारे लिए गर्व का विषय है कि इतनी योग्य एवं सशक्त हृदय रोग विशेषज्ञ डॉक्टर्स की टीम हमारे शहर में उपलब्ध है, जो आपातकाल में लोगों को उच्चस्तरीय चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए प्रयासरत है। उन्होंने कहा कि एसएसबी हार्ट एंड मल्टीस्पेशलिटी हॉस्पिटल को फरीदाबाद का सर्वोत्तम हार्ट हॉस्पिटल्स माना जाता है क्योंकि यहां कार्डियोलॉजी एवं कार्डियोथोरेसिक संबंधित सभी तरह के इलाज, प्रक्रियाएं एवं सर्जरी की जाती हैं। श्री गुर्जर ने कहा कि डॉ बंसल ने अपने 30 वर्षों के अनुभव में दो लाख से ज्यादा हृदय रोग के मरीजों का सफल इलाज़ किया और 50 हजार से ज्यादा हार्ट प्रोसीजर किये हैं, जो उनकी कार्यकुशलता को दर्शाता है। उन्होंने अपने नए अस्पताल में पहले चार महीने में 1000 से ज्यादा हार्ट प्रोसीजर सर्जरी की है जिसकी चिकित्सकीय सफलता की दर की तुलना अंतरराष्ट्रीय मानकों से की जा सकती है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि देश के जाने माने हृदय रोग विशेषज्ञ, डॉ एसएस बंसल की अगुवाई में संचालित एसएसबी अस्पताल में अंतरराष्ट्रीय तकनीक एवं सुविधा उपलब्ध कराई जा रही हैं। यहां वरिष्ठ हृदय रोग विशेषज्ञ, आधुनिक कैथ लैब, ऑपरेशन थिएटर, नॉन इनवेसिव कार्डियक लैब जहा सीटी एंजियोग्राफी, इको, स्ट्रेस इको व टीएमटी की सुविधा चौबीसों घंटे उपलब्ध है।

कोरोना से बचाव के लिए नाइट कर्फ्यू जिला में लागू : जिलाधीश

फरीदाबाद। कोरोना महामारी से बचाव के मद्देनजर स्वास्थ्य सुरक्षा की दृष्टि से हरियाणा राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण की ओर से फरीदाबाद जिला में सोमवार से आगामी आदेशों तक प्रतिदिन रात 9 से सुबह 5 बजे तक नाइट कर्फ्यू लगाया है। जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के चेयरमैन एवं जिलाधीश यशपाल ने बताया कि नाईट कर्फ्यू के दौरान बिना अनुमति के कोई भी व्यक्ति किसी भी रूप से घर से बाहर न निकले। जारी आदेश में नियमों की अवहेलना करने वालों पर कार्रवाई अमल में लाई जाएगी।

जिलाधीश यशपाल ने कहा कि सरकार की ओर से कोरोना के बढ़ते मामलों को ध्यान में रखते हुए यह निर्णय लिया है जिसका अनुपालन फरीदाबाद जिला में प्रभावी तरीके से सुनिश्चित किया जाएगा। नाइट कर्फ्यू के दौरान जिला में लोगों की गैर-आवश्यक गतिविधियों पर प्रतिबंध रहेगा। वे सड़क या किसी सार्वजनिक स्थान पर अनावश्यक रूप से न तो घर के बाहर पैदल और न ही गाड़ी से घूम सकेंगे। जिलाधीश ने बताया कि नाईट कर्फ्यू के समय लोगों की परेशानियों को समझते हुए आवश्यक सेवाओं से जुड़े लोगों को छूट दी जा रही है।

गुड़गांव कैनाल सेक्टर 3 से तिगांव रोड तक बनेगी चार लाइन रोडः कृष्ण पाल गुर्जर

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

केंद्रीय राज्य मंत्री कृष्ण पाल गुर्जर और हरियाणा के परिवहन एवं खनन मंत्री मूलचंद शर्मा ने मंगलवार को गुरुग्राम कैनाल सेक्टर 3 से तिगांव रोड को जोड़ने वाली रोड को फोर लाइन रोड में परिवर्तित करने के कार्य का नारियल तोड़कर शिलान्यास किया।

केंद्रीय राज्य मंत्री कृष्णपाल गुर्जर ने कहा कि बल्लभगढ़ विस क्षेत्र से विधायक और हरियाणा सरकार में परिवहन एवं खनन मंत्री मूलचंद शर्मा के प्रयासों से बल्लभगढ़ में जमकर विकास कार्य हुए हैं। केंद्रीय राज्य मंत्री ने परिवहन मंत्री मूलचंद शर्मा की तारीफ करते हुए कहा कि वह जब तक कोई कार्य पूरा नहीं हो जाता उस कार्य के पीछे लगे रहते हैं । आज उनकी मेहनत लगन के कारण ही बल्लभगढ़ में करोड़ों रुपए के कार्य पूरे हुए हैं और कुछ चले हुए हैं। उसी कड़ी में आज करीब 1 करोड़ 84 लाख 65 हजार की लागत से इस चार लेन सड़क के कार्य का शिलान्यास किया। केन्द्रीय राज्य मंत्री गुर्जर ने कहा कि होडल तक का सफर जल्द ही 50 मिनट में पूरा हो जाया करेगा जल्द ही हाइवे पर चल रहे पुलों का निर्माण पूरा हो जाएगा।

मंत्री मूलचंद शर्मा ने लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि बल्लभगढ़ की जनता ने उनके ऊपर जो विश्वास जताया है और भारी मतों से जीता कर विधानसभा में भेजा है वह विकास कार्यों के बदले उनके इस विश्वास को पूरा करेंगे।

जेसी बोस विश्वविद्यालय में भारतीय नववर्ष का हर्षोल्लास के साथ स्वागत

फरीदाबाद। जेसी बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, वाईएमसीए, फरीदाबाद द्वारा भारतीय नववर्ष (नव-संवत्सर) विक्रम सम्वत 2078 का स्वागत उत्साह एवं हर्षोल्लास के साथ किया गया। इस उपलक्ष्य में विश्वविद्यालय परिसर में शांति एवं समृद्ध के लिए हवन का आयोजन किया गया। इस अवसर पर भारतीय नववर्ष के ऐतिहासिक एवं वैज्ञानिक आधार को लेकर विस्तार से चर्चा भी की गई।

शिक्षाविद प्रो. देव प्रसाद भारद्वाज ने भारतीय नववर्ष के ऐतिहासिक एवं वैज्ञानिक आधार को लेकर व्याख्यान प्रस्तुत किया। इस व्याख्यान सत्र की अध्यक्षता कुलपति प्रो. दिनेश कुमार ने की। इस अवसर पर कुलसचिव डॉ. सुनील कुमार गर्ग भी उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन युवा कल्याण मामलों के निदेशक डॉ. प्रदीप डिमरी ने किया तथा सत्र का संयोजन विवेकानंद मंच तथा लिबरल आर्ट्स एवं मीडिया स्टडीज विभाग के संयुक्त तत्वावधान में किया गया। सत्र को संबोधित करते हुए कुलपति प्रो. दिनेश कुमार ने भारतीय नववर्ष की शुभकामनाएं देते हुए हुए कहा कि भारतीय संस्कृति में नववर्ष चैत्र शुक्ल प्रतिपदा का पौराणिक, ऐतिहासिक तथा प्राकृतिक महत्व है।

शहरभर के मंदिरों में पहले दिन हुई मां शैलपुत्री की अर्चना

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

कोरोना महामारी के बीच पहले दिन सोशल डिस्टेंसिंग के साथ भक्तों ने मां की आराधना की। कहते हैं आराधना करने वाले भक्तों को कुछ न कुछ जरूर मिलता है। मां अपने भक्तों को नौ दिनों में वह सबकुछ दे देती है। जिसकी भक्तों को चाह होती है। प्रथम दिन मां अपने भक्तों की मन की इच्छा को पूरी करती है, तो द्वितीय दिन भक्तों को सही गलत में फर्क का महत्व समझने की क्षमता प्रदान करती है।

पहले नवरात्रे के दिन शहरभर के अधिकांश मंदिरों में ज्वाला जी से लाई गई पवित्र ज्योति से जोत जलाई गई। जिसमें तिकोना पार्क स्थित श्री महारानी वैष्णो देवी मंदिर, काली मंदिर, बांके बिहारी मंदिर और इत्यादी कई अन्य मंदिर शामिल है। लोगों ने घरों में और मंदिरों में कलश की स्थापना के साथ शैलपुत्री का पूजन किया। जिसमें उन्होंने कोरोना महामारी से मुक्ति की प्रार्थना मां से की।

वैष्णोदेवी मंदिर में पूजा

सिद्धपीठ वैष्णोदेवी मंदिर में नवरात्रों के पहले माता शैलपुत्री की धूमधाम से पूजा-अर्चना की गई। इस अवसर पर मंदिर में प्रातकालीन पूजा-अर्चना के साथ हवन-यज्ञ का आयोजन किया गया और मां की ज्योत प्रज्ज्वलित की गई। पहले दिन पूजा में उद्योगपति आनंद मल्होत्रा, प्रदीप झांब, प्रताप भाटिया, रमेश सहगल, संजय वधवा, फकीरचंद कथूरिया, प्रीतम धमीजा, राहुल बेदी, एसपी भाटिया, दिनेश चित्रकारा, नेताराम गांधी, सागर रतरा, सरिता, बलजीत और धीरज प्रमुख रूप से उपस्थित थे। मंदिर संस्थान के प्रधान जगदीश भाटिया ने कोविड-19 के अंतर्गत मंदिर में सभी प्रबंध किए गए हैं। मंदिर में पूजा अर्चना के दौरान सोशल डिस्टेंस, मास्क, सैनिटाइजर का विशेष ध्यान रखा जा रहा है।

आज होगी मां ब्रह्मचारिणी की पूजा

एनएच-पांच स्थित सर्वेश्वर मंदिर के महंत मुनिराज ने बताया कि नवरात्रों के दूसरे दिन ब्रह्मचारिणी मां की पूजा की जाती है। उन्होंने बताया कि ब्रह्मचारिणी माता रूद्राक्ष की माला और पुष्प धारण करके ब्रह्मचार्य का पालन करती है। वह अपने भक्तों को बुद्धि आदि का आशीर्वाद देती है। उन्होंने बताया कि विद्यार्थियों को ब्रह्मचारिणी की पूजा करने के लिए दूध से अभिषेक करने के अलावा मां को फलों का भोग लगाना चाहिए। इससे विद्यार्थियों को विद्या की प्राप्ति होती है और श्रेष्ठ संस्कारों की उत्पत्ति होती है। ब्रह्मचारिणी मां को अनार की बली चढ़ाएं। उन्होंने बताया कि जो बह्मचारी विद्यार्थी ब्रह्मचारिणी मां का पूजन करते हैं, उनको श्रेष्ठ ज्ञान की प्राप्ति होती है।

कोरोनाः 487 पॉजिटिव से पहुंचा 51205

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

जिले में कोरोना के मरीजों की संख्या लगातार बढ़ती जा रही है। मंगलवार को जिले में सर्वाधिक 487 नए मामले सामने आए। जिससे जिले में कोविड-19 का आंकड़ा 51205 पर पहुंच गया है। वहीं जिले में एक मरीज की मौत हो जाने से मृतकों की संख्या का आंकड़ा 428 पर पहुंच गया है।

राहत की बात यह रही कि जिले में 244 मरीजों ने कोरोना की जंग जीत ली। पॉजिटिव मामलें में आईपी कालोनी, धीरज नगर, सेक्टर-23, अशोका इंक्लेव, सेक्टर-37, 35, 63, 2, 62, 65ख 19, 16, 17, अंखीर, डबुआ, सेक्टर-49, 98, एनआईटी समेत अन्य कई इलाकों से मरीज शामिल है।

ये हैं आंकड़े

जिले में कुल जांच	: 603289
अब तक पॉजिटिव	: 51205
अब तक नेगेटिव	: 549170
रिपोर्ट आनी शेष	: 2914
ऑक्सीजन पर है	: 65
वैंटीलेटा पर है	: 6
अब तक मौत	: 428
अब तक ठीक	: 48298
फिलहाल एक्टिव केस	: 2479

संक्षिप्त समाचार

उड़ान की पाठशाला में रंगोत्सव कार्यक्रम आयोजित

फरीदाबाद। कौन कहता है कि आसमां में सुराख नहीं हो सकता, एक पत्थर तो तबीयत से उछालो यारो ..! इस कहावत को चरितार्थ कर दिखाया झुग्गियों के उन बच्चों ने जो स्कूल नहीं जाते हैं, लेकिन उनमें एक अलग ही जुनून देखने को मिलता है शिक्षा के लिए। उड़ान पाठशाला में रंगोत्सव कार्यक्रम में झुग्गियों के बच्चों के लिए कला प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें बहुत से बच्चों ने भाग लिया। रंगोत्सव कार्यक्रम में बच्चों ने ड्राइंग के माध्यम से सफाई अभियान, पर्यावरण, ब्लड डोनेट, करोना महामारी से बचाव आदि ज्वलंत सामाजिक विषय पर बहुत ही प्यारे से संदेश समाज को दिये और इस प्रतियोगिता के माध्यम से बच्चों का टैलेंट निकल कर सामने आया। फाउंडेशन अगेंस्ट थेलासिमिया द्वारा बच्चों को गिफ्ट ओर शीट दिए गए ओर मिशन जागृति संस्था की तरफ से सभी बच्चों को किताबें देकर बच्चों का उत्साह तथा मनोबल बढ़ाया। उड़ान वेलफेयर की संस्थापक हिना माथुर ने बताया की बस बच्चो को एक राह दिखाने की जरूरत है बस जिस प्रकार एक नन्हे बालक को अंगुली पकड़ चलना सिखाया जाता उसी प्रकार इन मासूमों के भी हाथ पकड़ने वाला चाहिए। कार्यक्रम में विशेष रूप से उपस्तिथ रहे। कार्यक्रम को सफल रूप देने में विवेक अग्रवाल, अंजली अरोरा, सिम्मी कुमार, कृतिका डुडेजा, जेके भाटिया व बी दास बतरा का विशेष सहयोग रहा।

मंदिर में लगेगी नौ दिनों तक वैक्सीन

फरीदाबाद। तिकोना पार्क स्थित महारानी श्री वैष्णों देवी मंदिर परिसर में आने वाले श्रद्धालुओं के लिए कोरोना वैक्सीन लगाने का इंतजाम भी किया गया है। ईएसआई अस्पताल की टीम द्वारा मंदिर परिसर में नवरात्रों के अवसर पर श्रद्धालुओं को कोरोना वैक्सीन लगाई जा रही है। मंदिर संस्थान के प्रधान जगदीश भाटिया ने नवरात्रों के शुभ अवसर पर आने वाले भक्तों का स्वागत किया। भाटिया ने बताया कि नवरात्रों के उपलक्ष्य में नौ दिन मंदिर में आने वाले सभी भक्तों के लिए कोरोना वैक्सीन लगाने की विशेष तौर पर व्यवस्था की गई है। जिन लोगों ने कोरोना वैक्सीन नहीं लगवाई है, वह भी मंदिर परिसर में वैक्सीन लगवाकर कोरोना से जंग जीतने की दिशा में अपना योगदान दे सकते हैं। सुबह मंदिर में साढ़े दस बजे से लेकर 2 बजे तक वैक्सीन लगाई जाएगी। इसलिए उनकी सभी भक्तों से अपील है कि वह कोरोना से जंग में लड़ाई लड़ें और अपना योगदान दें।

नगर कीर्तन एवं प्रभात फेरी का किया आयोजन

फरीदाबाद। वैशाखी उत्सव के मौके पर आज गुरुद्वारा गुरु श्री सिंह सभा सुखमणि भवन सेक्टर-16 द्वारा नगर कीर्तन प्रभात फेरी का आयोजन किया। कोविड-19 महामारी को देखते हुए सभी नियमों का सख्ती से पालन करते हुए सामाजिक दूरी व फेस मॉस्क लगाकर ही सेवादारों ने प्रभातफेरी में शिरकत की। प्रभातफेरी के साथ साध संगत कीर्तन करती रही। इस दौरान वाहे गुरुजी का खालसा वाहे गुरुजी की फतेह के उदघोषों से वातावरण गुंजायमान हो गया। वहीं गुरुद्वारा गुरु श्री सिंह सभा सुखमणि भवन में गुरु ग्रंथ साहिब का पाठ और कीर्तन का आयोजन किया गया। गुरुद्वारा के प्रधान चरणसिंह जौहर, सचिव अवतार सिंह पसरीचा, महेंद्र कौर सांगा, शरणजीत कौर ने संयुक्त रूप से बताया कि इस दिन सिख धर्म के 10वें गुरु गोविंद सिंह जी ने खालसा पंथ की स्थापना की थी। साथ ही यह त्योहार सिख धर्म के लिए ऐतिहासिक मूल भी रखता है तथा यह पर्व हर साल हिंदू पंचांग के अनुसार विक्रम समवत् के प्रथम माह में पड़ता है। उन्होंने बताया कि इस दौरान खेतों में रबी की फसल पककर लहलहाती हैं, किसानों के मन में फसलों को देखकर खुशी मिलती और वह अपनी खुशी का इजहार बैसाखी के पर्व को मनाकर करते हैं। सेवादारों कुलदीप सिंह साहनी, टोनी पहलवान, अशविंद्र सिंह, हरसेव सिंह, परमजीत सिंह पावा, परमजीत सिंह, जसबीर सिंह सूरी, दलबीर सिंह, अमरजीत सिंह, बलजिन्द्र सिंह चड्ढा, सुरेंद्र सिंह सांगा, अनिल अरोड़ा, इंद्रजीत सिंह आहुजा, हेमंत छाबड़ा, जय सुनेजा, तेजिंद्र सिंह चड्ढा, राजीव खेड़ा, सुशील भयाना, नीरू अरोड़ा, अनीता वर्मा, बलबीर कौर, रशमीन कौर चड्ढा, संदीप कौर साहनी, जसवंत कौर सिंधू, पूनम, परमजीत कौर, बिन्द्र कौर सांगा, जसमीत कौर, अमरजीत कौर सिद्धू, चरणजीत कौर सूरी, छन्नप्रीत कौर पावा, सुनीता सुनेजा व रिचा आदि ने प्रभातफेरी में सक्रियता से भाग लिया।

कोरोना का टीका जरूर लगवाएः गुर्जर

फरीदाबाद। कोरोना बीमारी के सम्बन्ध में बरती गई जरा सी असावधानी व्यक्ति की जान जोखिम में डाल सकती है। इसलिए व्यक्ति को सावधानी बरतते हुए कोरोना वैक्सीनेशन अभियान में प्रतिभागिता कर कोरोना का टीका जरूर लगवाना चाहिए। जिससे आमजन पर कोरोना से होने वाले बुरे प्रभाव को कम किया जा सके। यह बात केंद्रीय राज्य मंत्री कृष्णपाल गुर्जर ने सेक्टर -30 के सरकारी हॉस्पिटल में वैक्सीनेशन अभियान में आयोजित लोगों को संबोधित करते हुए कही। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार के कुशल मार्गदर्शन स्वास्थ्य मंत्रालय के अंतर्गत जिला स्तर पर स्वस्थ विभाग के अंतर्गत कोरोना टीकाकरण अभियान को बहुत ही प्रभावित रूप से युद्ध स्तर पर कराया जा रहा है और आमजन को चाहिए कि वे अपने से जुड़े क्षेत्र से संबंधित अस्पताल में जाकर कोविड के बचाव के लिये टीका जरूर लगवाये। उन्होंने कहा कि सभी के साझा प्रयासों टीकाकरण अभियान को मिलकर सफल बनाया जा सकता है। इसके लिए योजना तरीके से कार्य किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि संबंधित क्षेत्रों मे टीकाकरण अभियान को विभिन्न रूपों में चलाए जाने के लिए सम्बंधित अधिकारियों को विशेष व कड़े निर्देश दिया गए हैं। जिससे कि सभी इस मुहिम में शामिल हो साथ ही कोरोना से आमजन पर होने वाले बुरे प्रभाव को मिलकर रोका जा सके। इस अवसर पर पार्षद अजय बैंसला, एसएमओ डॉ. ज्योति शर्मा, संजय सिंह उपस्थित थे।

बाबा साहब भीमराव अंबेडकर द्वारा दिए गए मूल मंत्रशिक्षित बनो

फरीदाबाद। नगर पालिका कर्मचारी संघ हरियाणा के आवाहन पर भारत रतन बाबा साहेब डॉक्टर भीमराव अंबेडकर के जन्म उत्सव की पूर्व संध्या पर मंगलवार को प्रदेश के सभी जिलों में हर्षोल्लास के साथ भारतीय संविधान और अंबेडकर विषय पर सेमिनार आयोजित किए गए। नगरपालिका कर्मचारी संघ हरियाणा के राज्य प्रधान नरेश कुमार शास्त्री ने कहा कि सावित्रीबाई फुले दलित समाज उत्थान मूवमेंट की जननी है तो डॉक्टर भीमराव अंबेडकर ने भी समाज को जागरूक सशक्त और अधिकारों के प्रति सजग बनाने का कार्य किया बाबा साहब ने अपने शैक्षणिक काल में 32 डिग्रियां हासिल की और 64 विषयों में विशेषज्ञता प्राप्त की समाज से भेदभाव को मिटाने के लिए उन्होंने देश को संविधान दिया और इसके माध्यम से समाज के सभी वर्गों को एक साथ मिलकर देश और अपने समाज के उत्थान में योगदान देने को सक्षम बनाएं रख ने के लिए। संविधान में सबसे महत्वपूर्ण समानता का अधिकार दियाए बाबा साहेब डॉक्टर भीमराव अंबेडकर की बहुत बड़ी सोच आपकी धरोहर है इसी सोच को लेकर सभी को आगे बढना है। स्वतंत्रता का अधिकार पाना आसान होता है जबकि इसे संभाल कर रखना काफी कठिन होता है।

पश्चिम बंगाल की घटना

केंद्रीय बलों की प्रतिक्रिया

अपने जीवन पर खतरा आते देख कर आत्मरक्षा में विभिन्न केन्द्रीय बलों के नौजवानों की प्रतिक्रिया अलग-अलग होती है। इसका कोई मानक नियम नहीं है कि वे आत्मरक्षा के लिए स्थिति की गंभीरता किस तरह देखें और उसके अनुसार समुचित प्रतिक्रिया करें। इसलिए यदि खासकर कोई गुस्साई भीड़ उनकी ओर बढ़ती तो पश्चिम बंगाल के मतदान केन्द्रों पर तैनात सुरक्षा बल कमर के नीचे गोली मारते या ऊपर, यह निर्णय वे अपने ऊपर आए खतरे के आकलन के अनुसार करते। यदि कोई अन्य व्यावहारिक विकल्प न हो और समय की आवश्यकता हो तो मारने के लिए गोली चलाना भी गलत नहीं कहा जा सकता है। हालांकि, जो चीज एक स्थिति में सही हो, उसे दूसरी स्थिति में सही नहीं कहा जा सकता है। हाल ही में कूच बिहार के सीतलकुची में हुई घटना दुर्भाग्यपूर्ण है जिसमें सेंट्रल इंडस्ट्रियल सिक्यूरिटी फोर्स-सीआईएसएफ कर्मियों के गोली चलाने में चार लोगों का जीवन चला गया है और कोई भी हमदर्दी या मुआवजा उसे वापस नहीं ला सकता है। इससे भी ज्यादा दुर्भाग्यपूर्ण यह है कि भाजपा और टीएमसी के बीच इसे लेकर आरोप-प्रत्यारोप का सिलसिला चल रहा है। मुख्यमंत्री व टीएमसी सुप्रीमो ममता बनर्जी ने जहां इसे 'नरसंहार' कहा है, वहीं केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा है कि ममता बनर्जी ने अपने बयानों से जनता को केन्द्रीय बलों का घेराव करने व सीआईएसएफ पर हमले के लिए उकसाया है। आलोचकों का तर्क है कि यदि सीआईएसएफ जवान भीड़ भगाने के इरादे से पैरों पर गोली चलाते तो उपद्रवियों की मौत से बचा जा सकता था। ममता बनर्जी यही तर्क दे रही

हैं। लेकिन ऐसे तर्क मुद्दे के राजनीतीकरण के कारण दिए जा रहे हैं और ये व्यावहारिकता से बहुत दूर हैं। ये लोग नहीं जानते है कि पेशेवर बलों के कर्मचारियों को ऐसी परिस्थितियों में कैसे काम करना होता है और जमीनी स्थितियां कैसे तेजी से बदलती हैं।

इस तथ्य से इनकार नहीं किया जा सकता है कि जब 300-400 गुस्सा लोगों की उपद्रवी भीड़ एक मतदान केन्द्र की ओर उसे लूटने तथा सुरक्षा बलों के हथियार छीनने के इरादे या उनकी हत्या के इरादे से बढ़ी थी। ऐसी स्थिति में उनके द्वारा अपनी आत्मरक्षा में उचित बल का प्रयोग किया। ऐसी स्थिति में लाठीचार्ज, वाटर कैनन, रबर बुलेट या आंसू गैस जैसे तरीकों का प्रयोग प्रतिरोधक के बजाय भीड़ को और उकसावे वाला हो सकता था जिससे वे केन्द्रीय सशस्त्र बल कर्मियों पर और भयानक हमला कर सकते थे। इसके परिणामस्वरूप होने वाले रक्तपात में सुरक्षा बलों और आम लोगों को बड़े पैमाने पर अपना जीवन गंवाना पड़ता। हताहतों की संख्या कम रखने तथा खून की प्यासी गुस्साई भीड़ को तितर-बितर करने के लिए गोली चलाने के सिवा कोई और व्यावहारिक विकल्प नहीं था क्योंकि इन परिस्थितियों में यही प्रतिरोधक का काम कर सकता था। लेकिन कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए तैनात किए जाने वाले किसी पेशेवर बल को इन स्थितियों की तकनीकी और विस्तृत जानकारी होनी चाहिए। ममता का आरोप है कि सीआईएसएफ को भीड़ नियंत्रित करने का कोई अनुभव नहीं होता है, लेकिन यह तर्क यथार्थ के बजाय कल्पनाओं पर आधारित है। इस घटना की समुचित जांच होनी चाहिए और देखा जाना चाहिए कि हिंसा भड़काने वालों को बख्शा न जाए। यदि सुरक्षा बलों की गलती हो तो उनके खिलाफ भी कठोर कार्रवाई की जानी चाहिए। लेकिन हमें उम्मीद करनी चाहिए कि हमारे राजनेता इस मामले में और कम से कम लोगों की मौतों पर कोई राजनीति नहीं करेंगे। ऐसी राजनीति वास्तव में शर्मनाक है।

नेपाल में राजनीतिक अस्थिरता

ओली के खिलाफ आया नेपाली सर्वोच्च न्यायालय का फैसला आश्चर्यजनक है और अब उनका राजनीतिक भविष्य अधर में लटक गया है।

ऋषि गुप्ता
लेखक जेएनयू में शोधकर्ता हैं)

नेपाल में लंबे राजनीतिक व न्यायिक उठापटक के बाद नेपाल के सर्वोच्च न्यायालय ने दो महत्वपूर्ण फैसले दिए हैं। उसने राष्ट्रपति द्वारा लोकतांत्रिक रूप से निर्वाचित संसद को भंग करना गलत बताया है तथा इसके साथ ही 2018 में नेपाली कम्युनिस्ट पार्टी-एकीकृत मार्क्सवादी लेनिनवादी व नेपाली कम्युनिस्ट पार्टी-माओवादी सेंटर के विलय को अवैध बताया है क्योंकि इसी नाम की एक अन्य पार्टी का अस्तित्व था। इसका अर्थ है कि यूएमएल व माओवादी पार्टियां वापस अपनी पुरानी स्थिति में आ गई हैं। संसद पुन: बहाल होने से प्रधानमंत्री के.पी. ओली को तगड़ा धक्का लगा है जो एक अति-राष्ट्रवादी नेता के रूप में उभरे थे। विभाजित नेपाली कम्युनिस्ट पार्टी-एनसीपी के भविष्य पर अप्रत्याशित फैसले ने पूर्व एनसीपी में ओली और प्रचंड के बीच सत्ता के संघर्ष पर अंतत: पूर्ण विराम लगा दिया है।

इस फैसले को देश को राजनीतिक अस्थिरता में धकेलने से बचाने के न्यायेत्तर प्रयास के रूप में देखा जा रहा है। राष्ट्रपति के पद, मंत्रि परिषद, सुरक्षा परिषद, संविधानेत्तर संस्थाओं और प्रेस पर ओली के प्रभाव को देखते हुए विश्वास किया जाता था कि अदालत ओली का पक्ष लेगी और उनके समूह को वैध एनसीपी मान लेगी। इससे प्रचंड के पास एक और गुट बनाने के सिवा कोई और विकल्प न बचता। ओली की कानूनी टीम को अपने पक्ष में फैसला आने की उम्मीद थी, लेकिन वास्तविक फैसले ने राजनीतिक संकट और गहरा दिया है। अब यदि माओवादी समर्थन वापस ले लें तो सरकार गिर जाएगी। मधेशी समर्थक जनता समाजवादी पार्टी ऐसे में किंगमेकर की भूमिका निभा सकती है। वह नेपाली कांग्रेस और माओवादियों का समर्थन कर सरकार बनवा सकती है या ओली के साथ जाकर उनका प्रधानमंत्री कार्यकाल और बढ़ा सकती है।

वैसे इस स्थिति की उम्मीद थी। 2018 में दो मुख्यधारा प्रतिद्वंद्वी पार्टियों के विलय ने नेपाली जनता में उम्मीद जगाई थी कि नया नेतृत्व राजनीतिक परिपक्वता प्रदर्शित कर रहा है। लेकिन यह केवल ओली और प्रचंड के लिए राजनीतिक अस्तित्व बचाए रखने का मामला था क्योंकि ओली ने अपने धुर विरोधी प्रचंड का साथ ले कर विपक्ष को कमजोर करने की रणनीति बनाई थी। प्रचंड पर गंभीर भ्रष्टाचार मामलों के साथ ही एक दशक लंबे चले माओवादी आंदोलन के दौरान लोगों की बड़े पैमाने पर हत्या कराने के आरोप भी थे। प्रचंड ने दावा किया था कि आंदोलन के दौरान लगभग 5,000 लोग मारे गए थे। ओली के सबसे मजबूत सहयोगी होने के नाते प्रचंड संरा. व अंतरराष्ट्रीय न्यायालय में सुनवाई से बच सकते थे। इसलिए दोनों पार्टियों का विलय दोनों नेताओं के निजी स्वार्थों के कारण था जबकि व्यापक रूप से लोग इसे जनता के हित में राजनीतिक परिपक्वता की तरह देखते थे। इसलिए यह नतीजा निकलना अपरिहार्य था। अंतत: पार्टी टूटने के बाद आरोप-प्रत्यारोप का दौर चलेगा। ओली नई दिल्ली के साथ अपने संबंध सुधारने का प्रयास कर रहे हैं। भारत से संबंध बेहतर करने के लिए ओली ने अनेक भारतीय चैनलों से पूर्व प्रधानमंत्री प्रचंड के खिलाफ अनेक बातें कही हैं तथा उन पर पार्टी विभाजित करने का आरोप लगाया है। अतीत में यही ओली भारत

> राजनेता नेपाल को वापस उथल-पुथल वाले समय में नहीं ले जाना चाहते हैं पर ओली के तानाशाही दृष्टिकोण ने नेपाल को भारी नुकसान पहुंचाया है। राजनीतिक रूप से लोकतंत्र ओली को पसंद नहीं है क्योंकि वे नेपाल में एक पार्टी शासन का सपना देख रहे हैं जहां उनका यूएमएल के भीतर या बाहर कोई राजनीतिक विरोधी न हो।

विरोधी दृष्टिकोण अपना कर अपनी राजनीतिक स्थिति मजबूत करना चाहते थे तथा भारतीय मीडिया पर अपने देश के प्रति 'शत्रुतापूर्ण' दृष्टिकोण अपनाने का आरोप लगाते थे।

अतीत में ओली के जन संपर्क कार्यालय और विदेश नीति सलाहकार समूह ने सीमा विवाद पर भारत की घोर आलोचना की थी। अब ये कार्यालय नई दिल्ली से संबंध सुधारने की सभी तरकीबें आजमा रहे हैं। इसके साथ ही चीन के साथ दोस्ती की छवि के बावजूद ओली भारत से कोविड-19 वैक्सीनें मंगाने पर जोर दे रहे हैं। लेकिन भारत-नेपाल संबंधों में नया विकास इन परिवर्तनों के प्रति विश्वास पर आधारित होगा। दूसरी ओर ओली का चीन के प्रति पूर्वाग्रही दृष्टिकोण भारी आर्थिक नुकसान के कारण पैदा हुआ है। उन्होंने बीजिंग के साथ परस्पर कानूनी सहायता की संधि पर हस्ताक्षर किए थे जिससे नेपाल में रह रहे लगभग 20,000 तिब्बती शरणार्थियों का जीवन और अधिकार संकट में पड़ गया है। श्रीलंका में चीन के गलत कामों के परिणाम सामने आने के बावजूद वर्तमान नेपाली सरकार का बेल्ट एंड रोड इनीशियेटिव-बीआरआई के प्रति मोह बना हुआ है। भले ही ओली अपने कृत्यों को भारत और चीन के बीच संतुलनकारी रणनीति के रूप में पेश करें, पर उनके कार्यों से दूसरे संकेत मिलते हैं। नेपाल में ओली की राजनीतिक चालबाजियों के लिए चीन ने उदारता से पैसा दिया है। चीन से उनकी निकटता प्रदर्शित करने के लिए मदन भंडारी फाउंडेशन के माध्यम से मिलने वाला पैसा समुचित प्रमाण है।

वर्तमान घटनाक्रम को देखते हुए भविष्य अनिश्चित दिखता है। हालांकि, राजनेता नेपाल को वापस उथल-पुथल वाले समय में नहीं ले जाना चाहते हैं, पर ओली के तानाशाही दृष्टिकोण ने नेपाल को भारी नुकसान पहुंचाया है। राजनीतिक रूप से लोकतंत्र ओली को पसंद नहीं है क्योंकि वे नेपाल में एक पार्टी शासन का सपना देख रहे हैं जहां उनका यूएमएल के भीतर या बाहर कोई राजनीतिक विरोधी न हो। विदेश नीति के मोर्चे पर अपनी विशाल पनबिजली संभावनाओं को देखते हुए नेपाल बिजली पैदा करने में भारतीय विशेषज्ञता का लाभ उठा सकता है। परस्पर लाभदायक योजना से नेपाल की आर्थिक प्रगति का रास्ता खुलेगा। लेकिन नए समझौतों की तो बात दूर, नेपाल भारत के साथ 1996 में हस्ताक्षरित महाकाली जैसी संधियों को ही पुनर्जीवित करने का प्रयास नहीं कर रहा है जो दोनों देशों के बीच सहयोग को बढ़ावा दे सकती है। इस बीच बीआरआई और ट्रांस हिमालयन रेलवे का सपना दिखा कर चीन ने ओली को अपने पक्ष में किया है।

खोखली आर्थिक व विकास रणनीतियों के कारण ओली की महत्वाकांक्षायें नेपाल को अनिश्चित भविष्य की ओर धकेल रही हैं। इस पर नेपाल की जनता के साथ ही भारत समेत दुनिया के अन्य देशों को गहरी नजर रखनी होगी।

प्रतिरोधी ढांचागत संरचना की अनिवार्यता

> "यह कोविड पश्चात उबरने की प्रक्रिया में योगदान करते हुए जलवायु प्रतिबद्धताओं को पूरा करने की प्रेरणा दे सकता है।"

रिया राहीमान
(लेखिका तकनीकी विशेषज्ञ हैं)

देश जलवायु परिवर्तन और चरम घटनाओं के प्रभाव से जूझ रहे हैं क्योंकि वे लोगों, बुनियादी ढांचे, अर्थव्यवस्थाओं और भविष्य के विकास के लिए विभिन्न जोखिमों का सामना करते हैं। चरम घटनाओं के कारण आर्थिक नुकसान का एक महत्वपूर्ण अनुपात बुनियादी ढांचे के सिस्टम को नुकसान और क्षति के लिए जिम्मेदार ठहराया जाता है, जिससे बुनियादी ढांचे के विकास के लिए आपदा और जलवायु लचीलेपन को एकीकृत करने की आवश्यकता पर जोर दिया जाता है। कोविड-19 महामारी के मामले में, हमने दुनिया भर में बुनियादी ढांचा क्षेत्रों पर अभूतपूर्व प्रभाव देखा है। भले ही इसने भौतिक बुनियादी ढांचे को सीधे नुकसान न पहुंचाया हो, लेकिन इससे अर्थव्यवस्थाओं पर महत्वपूर्ण प्रभाव पड़ने के साथ, बुनियादी सुविधाओं की सेवाओं में रुकावट आई। प्रकोप लचीला बुनियादी ढांचे में निवेश करने की आवश्यकता का नवीनतम अनुस्मारक है। इसने विभिन्न क्षेत्रों और गरीबी, खराब स्वास्थ्य प्रणाली और अंतर्निहित सामाजिक कल्याण योजनाओं जैसे अंतर्निहित चालकों के लिए प्रणालीगत जोखिमों को उजागर किया और उन्हें समाप्त कर दिया। विभिन्न क्षेत्रों में पैदा हुए जोखिमों ने प्रणालीगत और कैस्केडिंग खतरों और कमजोरियों को समझने और संबोधित करने के लिए दृढ़ता से बाहर लाया।

वैश्विक वसूली के हिस्से के रूप में, बुनियादी ढांचे के निवेश को आर्थिक गतिविधियों को फिर से शुरू करने के उद्देश्य से प्रोत्साहन पैकेजों के एक अनिवार्य हिस्से के रूप में देखा जा रहा है। आर्थिक गिरावट के प्रभावों को कम करने के साथ-साथ रोजगार सृजित करने

और प्रतिस्पर्धा में सुधार लाने के प्रयास के रूप में देशों को बुनियादी ढांचे के क्षेत्रों में भारी निवेश की उम्मीद है। कोविड-19 रिकवरी की योजना बनाते समय स्वास्थ्य और आर्थिक निहितार्थ केंद्र स्तर लेते हैं, लेकिन जलवायु आपातकाल की तात्कालिकता को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता है। महामारी ने स्पष्ट रूप से लचीलेपन को मजबूत करने के लिए सिस्टम के जोखिमों पर ध्यान केंद्रित करने की आवश्यकता को स्पष्ट रूप से सामने लाया है, एक सबक जो कि ध्यान में रखना चाहिए, साथ ही जलवायु परिवर्तन के खिलाफ मार्ग बनाने के लिए। पेरिस समझौते के हिस्से के रूप में अपनी राष्ट्रीय जलवायु कार्य योजना प्रस्तुत करने वाले देशों के साथ, यह जलवायु कार्रवाई के लिए भी एक महत्वपूर्ण वर्ष है। यह महत्वपूर्ण है कि कोविड से उबरने की प्रक्रिया और क्लाइमेट एक्शन प्लान एक दूसरे के पूरक हैं।

कि वैश्विक ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन में बुनियादी ढांचे का निर्माण और संचालन 70 प्रतिशत है और गुणवत्ता के बुनियादी ढांचे का प्रावधान सभी सतत विकास लक्ष्यों (एसडीजी) में 92 प्रतिशत लक्ष्यों की उपलब्धि को कम करता है। डिजास्टर रिस्क रिडक्शन (एसएफडीआरआर) के लिए सेंडाइ फ्रेमवर्क भी टिकाऊ विकास के लिए आधारशिला के रूप में लचीला बुनियादी ढांचे की भूमिका पर प्रकाश डालता है। चार विशिष्ट लक्ष्य एसएफडीआरआर में नुकसान में कमी से संबंधित हैं, वैश्विक आपदा मृत्यु दर में कटौती, प्रभावित लोगों की संख्या, आर्थिक नुकसान और बुनियादी ढांचे को नुकसान पर ध्यान केंद्रित करते हैं।

हालांकि, महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे का नुकसान कम करने पर एसएफडीआरआर लक्ष्य नुकसान में कमी पर तीन अन्य लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए एक महत्वपूर्ण शर्त है। इसे देखते हुए, वैश्विक अर्थव्यवस्थाओं जैसे कि जलवायु परिवर्तन, एसडीजी और एसएफडीआरआर लक्ष्यों पर पेरिस समझौते के रूप में वितरित करने के अवसर के लिए बुनियादी ढांचे में निवेश और नीतियों को बढ़ाना चाहिए। हालांकि एसडीजी और एसएफडीआरआर लक्ष्य पर कुछ प्रगति की गई है, लेकिन उनसे मिलने की समग्र कार्रवाई आवश्यक गति से आगे नहीं बढ़ी है।

महामारी ने उनकी प्रगति को और पीछे धकेल दिया है। कोविड-19 रिकवरी का उपयोग इन वैश्विक लक्ष्यों पर प्रगति और एक स्वस्थ, समावेशी और जलवायु के अनुकूल भविष्य के निर्माण के अवसर के रूप में किया जा सकता है। आपदा और जलवायु-लचीले बुनियादी ढांचे में निवेश वैश्विक-प्रतिबद्धताओं को पूरा करने में बहुत आवश्यक आवेग प्रदान कर सकता है, जबकि कोविड संकट से उबरने की प्रक्रिया में योगदान भी कर सकता है।

आप की बात

पशुओं पर अत्याचार रोकें

अमेरिका के साऊथ कैरोलिना में एक कुत्ते को भौंकने से रोकने के लिए उसके मुंह पर बिजली के काम में उपयोग किया जाने वाला टेप लपेटने वाले व्यक्ति को पांच वर्ष की जेल की सजा सुनाई। संबंधी खबर कुछ माह पूर्व सुर्खियों में आई थी। जानवरों पर अत्याचार करने वालों पर अंकुश लगना चाहिए। देखा जाए तो कुत्ते खतरा सूंघने मे माहिर होते है। इनके प्रशिक्षण और देखभाल पर सुरक्षा बल गौर कर रहा है। सूंघने कि क्षमता के कारण कुत्ते दस्ते आपदा प्रबंधन में भरोसे लायक सिद्ध हुए हैं। आतंकवादियों द्वारा रखे जाने वाली विस्फोटक पदार्थों को सूंघ कर देश मे होने वाली जान - माल की हानि को ये कम करने मे अपनी अहम् भूमिका अदा करते हैं। विदेशों मे पालतू कुत्तों की भावनाओं को समझने कि दिशा मे जापान द्वारा मशीन भी ईजाद की है। कुत्तों के प्रति जापान ही नहीं भारत मे भी प्राचीन समय मे उनकी भावनाओं को समझा जाता रहा है। पांडवों के हिमालय जाते समय धर्मराज के संग कुत्ता भी साथ था। भारत में कुत्तों के लिये आज हर घर मे रोटी रखी जाती है। खेतों में ,घरों मे सुरक्षा हेतु पाला जाता है। विदेशों मे खासकर ब्रिटेन में कुत्ते की पूंछ काटे जाने का रिवाज है, जिस पर आवाज उठाई जानी चाहिए।

– **संजय वर्मा, मनावर, मप्र**

राजनीति बनाम कोरोना

बेलगाम होती दिख रही, चुनाव के दौरान की राजनीति देश में बढ़ रहे कोरोना के मामलों में आग में घी का काम कर रही। पिछली बार भी मध्यप्रदेश में सरकार बन जाने तक, कोरो ना को हल्के में लिया गया, जिसका खामियाजा पूरा देश सख्त लॉक डाउन के रूप में पालन किया। गौरतलब है कि इतना सब कुछ होने के बावजूद, राजनीतिक पार्टियों के लिए, चुनाव को आयोजन कराना, कितना जायज है, इसका पता सभी देशवासी चुनावी रैलियों से बाखूबी देख सकते हैं। अब की बार भी उसी गलती को दोहराया जा रहा, चुनाव और सत्ता के प्रति बढ़ लालच देश को फिर से लॉक डाउन की ओर मुखातिब कर रहा।राष्ट्रपिता महात्मा गांधी ने ही कहा था, जो बदलाव हम संसार में देखना चाहते हैं, उसके लिए स्वयं अपने अंदर बदलाव लाए। यह कथन सिर्फ आम जनता पर नहीं बल्कि राजनेताओं पर भी लागू होती है।उनकी कथनी और करनी में लगातर बढ़ रही खाई को कम करना चाहिए। दावे और वादे के साथ साथ कामों को सफलतापूर्वक पूर्ण करना भी जिम्मेदारी है। बिहार हो या मुंबई, बच्चे हो या व्यापारी सभी इसका लोकतांत्रिक तरीके से विरोध कर रहे हैं।

– **अमन जायसवाल**, दिल्ली विश्वविद्यालय

चुनाव में नहीं होता कोरोना

सावधान! मिस्टर कोरोना मैं चुनाव हूं समझे! चाहे मैं छोटा हूं चाहे मैं बड़ा हूं पर तुमसे बड़ा हूं। चाहे मैं पंचायत में हूं चाहे मैं नगर निगम में या फिर या फिर शहर में हूं या प्रदेश में. कहीं भी रहूं. मेरे क्षेत्र में कदम तो क्या अपनी बुरी नजर भी भूल से डालने की कोशिश मत करना। मेरे सुरक्षा कवच में सेंध लगाने की भूल भी मत कर बैठना, क्योंकि मैं चुनाव हूं और मेरा काम चुनकर नेता को कुर्सी पर बैठाना है। अगर तुमने मेरे एरिया में घुसपैठ करने की कोशिश की तो मैं तुमको दीवार में चुनकर दफ़न कर दूंगा। मेरे क्षेत्र में सिर्फ और सिर्फ नेता, मतदाता और रैली में भाग लेने वालों को ही मास्क ना लगाने की छूट इसलिए है क्योंकि तुम उनका कुछ नहीं बिगाड़ सकते। इसलिए कि मैं वहां हर पल व हर क्षण मौजूद हूं और उनपर मेरी पैनी नजर व मेरा सख्त सुरक्षा कवच बना हुआ है। जैसे कोई वस्तु वाटर प्रूफ होती है, शॉक प्रूफ होती है वैसे ही मेरा चुनाव क्षेत्र कोरोना प्रूफ है। इसलिए बेफिक्र होकर नेतागण रैलियां करें, भाषण दें, आम लोग उसमें बेझिझक भाग लें और मतदाता निश्चिंत होकर मतदान करें।

– **शकुंतला महेश नेनाव**, इंदौर

पाठक अपनी प्रतिक्रिया ई-मेल से responsemail.hindipioneer@gmail.com पर भी भेज सकते हैं।

फरमाया

दिल्ली में छह लाख बच्चे सीबीएसई की परीक्षा देने जा रहे हैं। करीब एक लाख शिक्षक इसका हिस्सा होंगे। ये बड़े पैमाने पर केंद्र कोरोना के हाटस्पॉट बन सकते हैं।

– **अरविंद केजरीवाल**
दिल्ली के मुख्यमंत्री

जलियांवाला बाग हत्याकांड में शहीद हुए लोगों को श्रद्धांजलि। उनका साहस, वीरता और बलिदान हर भारतीय को शक्ति प्रदान करता है।

– **नरेंद्र मोदी**
प्रधानमंत्री

मैं निर्वाचन पैनल के प्रचार प्रतिबंधित करने वाले असंवैधानिक और अलोकतांत्रिक निर्णय के खिलाफ विरोध प्रदर्शन करूंगी।

– **ममता बनर्जी**
मुख्यमंत्री पश्चिम बंगाल

प्रवासी मजदूरों के लिए क्वारेंटाइन सेंटर बनाएं

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कोरोना के बढ़ते प्रसार को ध्यान में रखते हुए दूसरे प्रदेशों से पलायन कर रहे प्रवासी मजदूरों की व्यवस्थाओं को सुनिश्चित करने के निर्देश जारी किए हैं। सीएम ने टीम-11 के अधिकारियों को निर्देश दिए कि प्रदेश के जिन जिलों में प्रवासी मजदूर लौट रहें हैं उन जिलों में क्वारेंटाइन सेंटर की व्यवस्था जल्द से जल्द की जाए। प्रवासी मजदूरों की कोरोना जांच, क्वारेंटाइन, खाने पीने की व्यवस्था के विशेष इंतजाम करने के आदेश सीएम ने बैठक में दिए। प्रदेश में जिन जनपदों में प्रवासी मजदूर लौट रहे हैं उन जिलों में प्रवासी मजदूरों के लिए सभी व्यवस्था को लेकर नोडल अधिकरियों संग स्थानिय समिति जिलाधिकारी संग संवाद स्थापित करें जिससे समय पर सभी प्रकार की सुविधाएं प्रवासी मजदूरों को मिल सकें। विदित हो कि पिछले साल कोरोना काल के दौरान प्रदेश के श्रमिकों व कामगारों, ठेला, खोमचा, रेहड़ी लगाने वाले या दैनिक कार्य करने वाले सभी लोगों के भरण-पोषण की व्यवस्था को सुनिश्चित किया। इसके साथ ही निर्माण श्रमिकों को भी भरण पोषण भत्ता देने का कार्य किया गया है। सरकार ने कोरोना संक्रमण के दौरान प्रवासी कामगारों व श्रमिकों को सभी तरह की सुविधाएं पहुंचाई। जिसके तहत परिवहन निगम की बसों के जरिए लगभग 40 लाख प्रवासी कामगरों व श्रमिकों को उनके गृह जनपदों तक भेजनेए चिकित्सकीय सुविधाएं उपलब्ध कराने व उनको स्थानीय स्तर पर रोजगार दिलाने के लिए बड़े पैमाने पर व्यवस्था की गई।

घर में ही रहकर रमजान के धार्मिक कार्य करें: योगी

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पवित्र रमज़ान माह के अवसर पर प्रदेशवासियों को हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं दी हैं। इसके साथ ही सीएम ने कहा है कि कोरोना संक्रमण के मद्देनजर लोग रमज़ान के दौरान घर में ही रहकर धार्मिक कार्य सम्पन्न करें। मुख्यमंत्री ने कहा कि रमज़ान के पवित्र दिनों में रोज़ा, मानवता की सेवा, ईश्वर की बन्दगी जैसे नेक कार्यों से धैर्य, आत्म अनुशासन, सहनशीलता, सादगी आदि मूल्यों को बढ़ावा मिलता है। इससे परस्पर प्रेम और भाईचारे की भावना बलवती होती है। मुख्यमंत्री ने कहा है कि प्रदेश समरसता, भाईचारे और सांस्कृतिक एकता की मिसाल है। इसी विरासत और परम्परा को अक्षुण्ण रखते हुए कोरोना संक्रमण के मद्देनजर लोग रमज़ान के दौरान घर में ही रहकर धार्मिक कार्य सम्पन्न करें।

हालात नहीं सुधरे तो लखनऊ में लगाना पड़ सकता है लॉकडाउन: बृजेश पाठक

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

कानून मंत्री के सोमवार को अपर मुख्य सचिव चिकित्सा व स्वास्थ्य तथा प्रमुख सचिव चिकित्सा शिक्षा को भेजे गए व सोशल मीडिया में वायरल पत्र में जताई गई हैआशंका

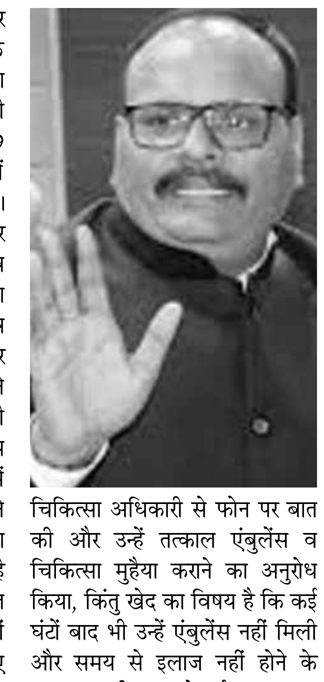

उत्तर प्रदेश सरकार के कानून मंत्री ब्रजेश पाठक ने स्वास्थ्य महकमे के उच्चाधिकारियों को पत्र लिखकर स्वास्थ्य सेवाओं की चिंताजनक हालत की ओर ध्यान आकर्षित किया और कहा कि अगर हालात में जल्दी सुधार नहीं हुआ तो कोविड-19 रोकथाम के लिए लखनऊ में लॉकडाउन लगाना पड़ सकता है। कानून मंत्री ब्रजेश पाठक का सोमवार को अपर मुख्य सचिव चिकित्सा व स्वास्थ्य तथा प्रमुख सचिव चिकित्सा शिक्षा को भेजा गया कथित पत्र मंगलवार को सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। इस पत्र के भेजे जाने के बारे में जब पाठक से बातचीत की गई तो उन्होंने कहा, मैंने एक गोपनीय पत्र भेजा है। लेकिन उन्होंने पत्र में क्या लिखा है इस बारे कुछ भी बताने से इंकार कर दिया। सोशल मीडिया पर वायरल पत्र में पाठक ने लिखा है कि अगर कोविड-19 जनित परिस्थितियों को शीघ्र नियंत्रित नहीं किया गया तो हमें रोकथाम के लिए लखनऊ में लॉकडाउन लगाना पड़ सकता है। उन्होंने पत्र में लिखा है, अत्यंत कष्ट के साथ सूचित करना पड़ रहा है कि वर्तमान समय में लखनऊ जनपद में स्वास्थ्य सेवाओं की स्थिति अत्यंत चिंताजनक है। विगत एक सप्ताह से हमारे पास पूरे लखनऊ जनपद से सैकड़ों फोन आ रहे हैं, जिनको हम समुचित इलाज नहीं दे पा रहे हैं। पत्र में लिखा है, मुख्य चिकित्सा अधिकारी के कार्यालय में फोन करने पर बहुधा फोन का उत्तर नहीं मिलता। इसकी शिकायत चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री से और अपर मुख्य सचिव, स्वास्थ्य से करने के उपरान्त फोन तो उठता है किन्तु सकारात्मक कार्य नहीं होता। उन्होंने आगे लिखा है कि मरीज की जांच रिपोर्ट मिलने में चार से सात दिन का समय लग रहा है, एंबुलेंस नहीं मिल रही है। उन्होंने यह शिकायत की है, आज मेरे विधानसभा क्षेत्र के पद्मश्री पुरस्कार प्राप्त डॉ योगेश प्रवीण की अचानक तबियत बिगड़ गई। इसकी सूचना मिलने पर मैंने स्वयं मुख्य चिकित्सा अधिकारी से फोन पर बात की और उन्हें तत्काल एंबुलेंस व चिकित्सा मुहैया कराने का अनुरोध किया, किंतु खेद का विषय है कि कई घंटों बाद भी उन्हें एंबुलेंस नहीं मिली और समय से इलाज नहीं होने के कारण उनकी मृत्यु हो गई।

श्री पाठक ने कहा कि वर्तमान कोविड 19 जनित परिस्थितियों में जबकि प्रतिदिन 4 से 5 हजार कोरोना के रोगी जनपद में मिल रहे है, ऐसे में कोविड अस्पतालों में बैड की संख्या अत्यधिक कम है। लखनऊ में प्राइवेट पैथोलॉजी सेन्टरों में कोविड की जॉच बन्द करा दी गयी है एवं सरकारी अस्पतालों में कोविट की जाँच में कई दिनों का समय लग रहा है। चिकित्सा विभाग के एक बड़े अधिकारी से एक सप्ताह पूर्व मेरी बात हुयी थी, जिन्होंने मुझे बताया कि उन्हें प्रतिदिन 17000 किट जॉच हेतु चाहिए किन्तु मात्र 10000 जाँच किट ही उन्हें उपलब्ध हो पा रही है । उपरोक्त वर्णित वस्तुस्थिति के परिप्रेक्ष्य में मेरा अनुरोध है कि कोविड अस्पतालों में कोविड के मरीजों हेतु बैड की सख्या बढ़ाई जाये, कोविड जॉच की संख्या बढ़ाई जाये एवं पर्याप्त जॉच किट उपलवा करायी जाये। प्राइवेट अस्पतालों, संस्थानों एवं पैथालॉजी को कोविट जाँच का पुन: अधिकार दिया जाये। पूर्व की भाँति कोविड के रैण्डम टेस्ट शुरू किये जाये तथा आरटीपीसीआर की जॉच रिपोर्ट सम्बन्धित को 24 घण्टे के अन्दर पहले की तरह उपलब्ध करायी जाये। आईसीयू की संख्या बढ़ाई जाये एवं गम्भीर रोगियों को तुरन्त भर्ती करने की सुविधा प्रदान की जाये तथा कोविड रोगियों को लगने वाले रैमडेसिबिर इन्जेक्शन को पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध कराया जाये। उक्त के अतिरिक्त जो रोगी कोविड के पेशेन्ट नहीं है, अथवा जो हार्ट, किडनी, लीवर, कैन्सर, डायलसिस एवं अन्य गम्भीर रोगों से ग्रसित है, उनकी और भी अधिक दयनीय स्थिति है क्योंकि कोविड पैनडेमिक के कारण उन्हें समय से उचित इलाज नहीं मिल पा रहा है, ऐसे रोगियों को भर्ती किये जाने के इन्तजाम भी हमें गम्भीरता से देखना है। उपरोक्त कोविड जनित परिस्थितियों को यदि शीघ्र नियन्त्रित नहीं किया गया तो हमें कोविड की रोकथाम हेतु लखनऊ में लॉकडाउन लगाना पड़ सकता है।

मुख्यमंत्री ने जानी हकीकत, अफसरों के कसे पेंच

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

कोरोना संक्रमण के सरकारी दावों के विपरीत कैबिनेट मंत्री ब्रजेश पाठक द्वारा लिखा गया पत्र आज सरकार और सियासत के बीच चर्चा के केंद्र रहा। पत्र को लेकर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भी अपनी सरकार के मंत्री से बात की और हकीकत को जाना। उन्होंने पूरे मामले पर अधिकारियों के भी पेंच कसे हैं और कोरोना की जंग में किसी भी तरह की लापरवाही न होने की हिदायत दी है।

डिस्कनेक्शन नहीं, फोन कॉल करें: श्रीकांत शर्मा

- कोविड 19 ब्याज माफी योजना का लाभ उपभोक्ताओं को घर बैठे मिले
- बिल संशोधन के मामलों का तत्काल हो निस्तारण

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

ऊर्जा एवं अतिरिक्त ऊर्जा स्रोत मंत्री श्रीकान्त शर्मा ने कहा कि कोविड 19 ब्याज माफी योजना का लाभ उपभोक्ता घर से ही ऑनलाइन आवेदन कर ले सकते हैं। इसमें कोई बाधा न आये यह यूपीपीसीएल चेयरमैन व प्रबंध निदेशक सुनिश्चित करें। ऊर्जा मंत्री ने कहा कि उपभोक्ताओं का डिस्कनेक्शन न करें बल्कि फोन कॉल कर उन्हें 31 जनवरी तक के बिल पर सरचार्ज माफी की योजना का लाभ लेने के लिए प्रेरित करें। उन्होंने निर्देशित किया कि सभी पात्र उपभोक्ताओं को अगले 48 घंटे में कॉल करें।

ऊर्जा मंत्री ने मंगलवार को समीक्षा के दौरान 15 अप्रैल तक चलने वाली सरचार्ज माफी योजना की प्रगति से असंतुष्टि जताते हुए कहा कि यह योजना अधिक से अधिक घरेलू व कृषि ट्यूबवेल उपभोक्ताओं को इसका लाभ मिले इसलिए लाई गई। लेकिन अब तक इसका लाभ 25 फीसदी उपभोक्ताओं को ही मिल पाया है। ऊर्जा मंत्री ने कहा कि इसका लाभ अधिक से अधिक उपभोक्ताओं तक पहुंचाने के लिए फोन कॉल कर उपभोक्ताओं को ऑनलाइन पोर्टल के जरिये घर बैठे पंजीकरण कराने और मूल राशि वर्तमान बिल के साथ चुकाने के लिए प्रेरित करें, जिससे की 31 जनवरी तक के बिल पर लगे सरचार्ज से उन्हें सौ फीसदी मुक्ति मिल जाये। ऊर्जा मंत्री ने कहा कि योजना का ऑनलाइन लाभ लेने में कोई तकनीकी अड़चन व बिल में गड़बड़ी बाधा न बने। बिल संशोधन की शिकायतों का तत्काल निस्तारण हो और फोन पर ऑनलाइन प्रक्रिया को लेकर मार्गदर्शन करें। उपभोक्ता किसी भी तरह की शिकायत के लिए 1912 पर कॉल करें।

प्रमोद तिवारी ने बार काउंसिल के पूर्व अध्यक्ष वीसी मिश्रा के निधन पर शोक जताया

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता व पूर्व राज्यसभा सांसद प्रमोद तिवारी ने कहा है कि बार काउंसिल ऑफ इण्डिया तथा बार काउंसिल ऑफ उत्तर प्रदेश के पूर्व अध्यक्ष एवं अधिवक्ताओं की सबसे सशक्त आवाज और लगभग 6 दशक तक उनका नेतृत्व करने वाले वीसी मिश्रा का निधन अपूर्णनीय क्षति है। ईश्वर उनकी आत्मा को चिरशांति प्रदान करे तथा अपने श्रीचरणों में स्थान दे तथा उनके परिवार को इस दारुण दु:ख को सहन करने की शक्ति दे । तिवारी ने कहा है कि अधिवक्ता के रूप में जब मैने अपना इनरोल कराने के लिए बार काउंसिल के सदस्य के रूप में उनसे अनुरोध किया था तो मुझे इस बात का हर्ष है कि उन्होंने मेरा इनरोल ही नहीं किया बल्कि मेरे घर आकर उन्होंने अधिवक्ता के रूप में मेरा पंजीकरण संख्या भी मुझे सौंपी थी ।

राजधानी लखनऊ जलती चिताओं का शहर बन गया

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने कहा है कि उत्तर प्रदेश में कोरोना संक्रमण से हाहाकार मचा हुआ है। सरकारी स्वास्थ्य सेवाएं चरमरा गई हैं। राजधानी लखनऊ जलती चिताओं का शहर बन गया है। कोरोना पर नियंत्रण का झूठा ढिंढोरा पीटने वाली भाजपा सरकार को जवाब देना होगा कि उसने लोगों की जिंदगी के साथ खिलवाड़ क्यों किया। टीका, टेस्ट, डाक्टर, बेड, एम्बूलेंस सबकी कमी है और टेस्ट रिपोर्ट समय से न मिलने से गम्भीर रूप से बीमार इलाज के लिए सड़कों पर तड़प रहे हैं। दवाइयों की काला बाजारी पर रोक नहीं। खुद सरकार के एक मंत्री ने चिट्ठी लिख कर कोरोना अवधि में बदइंतजामी के हालात बयान किए है।

मुख्यमंत्री जी को क्या सबूत चाहिए। अखिलेश ने कहा कि कोरोना महामारी में कहीं कोई सुनवाई नहीं। जनता त्रस्त है परन्तु सरकार मदमस्त है। गोरखपुर में, राजधानी लखनऊ में और अतिविशिष्ट जनपद वाराणसी में हालात विचलित करने वाले हैं। बाबा राघव दास अस्पताल के बाहर संक्रमित युवक ढाई घंटे तड़पता रहा। अंतत: उसकी मौत हो गई। लखनऊ में मरीजों को एक अस्पताल से दूसरे अस्पताल तक दौड़ाए जाने से कइयों ने रास्ते में दम तोड़ दिया। वेंटीलेटर और बेड के अभाव में गम्भीर मरीज तड़पते रहते हैं। यशभारती और पद्मश्री सम्मान से सम्मानित सुप्रसिद्ध लेखक योगेश प्रवीण को तमाम प्रयासों के बाद भी समय से एम्बूलेंस नहीं मिल सकी और अस्पताल पहुंचने से पहले ही उनकी सांसे उखड़ गई। प्रधानमंत्री के क्षेत्र वाराणसी में भी सोमवार को 1347 केस मिले। वहां भी लोगों के हाल बेहाल हैं। अखिलेश ने कहा कि कोरोना संक्रमण की दूसरी लहर में पुन: लॉकडाउन की आशंका से चिंतित मुम्बई जैसे बड़े महानगर में काम करने वाले उत्तर प्रदेश के श्रमिक बड़ी संख्या में पुन: वापस लौट रहे हैं। इनके रोटी रोजगार की समस्या तो सामने आएगी ही, उनमें जो संक्रमित हैं उनसे यह संक्रमण गांवों में फैलने की भी आशंका है। झांसी में ही जांच के दौरान 20 मरीज संक्रमित मिले। सरकार को संक्रमण रोकने के लिए कड़े कदम उठाने चाहिए। उन्होंने कहा कि भाजपा के मुख्यमंत्री द्वारा आपदा में भी राजनीति और भ्रष्टाचार के अवसर तलाशने की वजह से ही आज प्रदेश में कोरोना महामारी नियंत्रण से बाहर हो गई है। उत्सव में डूबी सरकार का बदहाल स्वास्थ्य सेवाओं पर ध्यान नहीं गया। इन बिगड़े हालात में भी मुख्यमंत्री स्टार प्रचारक बने घूम रहे हैं, उन्हें अपने पद की गरिमा और संविधान की ली गई शपथ को याद रखना चाहिए।

मुठभेड़ में 50 हजार का ईनामी गोली लगने से जख्मी, गिरफ्तार

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

प्रदेश के बहराइच जिले में रुपईडिहा पुलिस ने मुठभेड़ के दौरान 50 हजार के ईनामी अपराधी अखलाक उर्फ अकलाख को गिरफ्तार किया। गोली लगने से जख्मी होने की वजह से उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया। उसके कब्जे से एक तमंचा और कारतूस बरामद हुए। डीजीपी मुख्यालय के अनुसार बीते सोमवार की रात थाना रुपईडीहा पुलिस ने सूचना के आधार पर खैरहनिया जंगल तिराहा के पास से चेकिंग के दौरान बदमाशों को रोकने का प्रयास किया। बदमाशों ने पुलिस टीम पर जान से मारने की नीयत से फायरिंग कर दी। पुलिस की ओर से आत्मरक्षार्थ की गई कार्रवाई में गोली लगने से अखलाक घायल हो गया। पुलिस के अनुसार गिरफ्तार अभियुक्त शातिर किस्म का अपराधी है, जिसके खिलाफ बहराइच व श्रावस्ती के विभिन्न थानों में हत्या का प्रयास, चोरी, आर्म्स एक्ट, एनडीपीएस एक्ट आदि के आधा दर्जन मुकदमे पंजीकृत है।

कानून मंत्री की चिट्ठी ने खोली कोरोना के इंतजामों को लेकर योगी सरकार की पोल

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अजय कुमार लल्लू ने कहा है कि कानून मंत्री बृजेश पाठक की चिट्ठी ने योगी सरकार की कोरोना महामारी को रोकने की तैयारियों एवं उपलब्ध सुविधाओं की कलई खोल कर रख दी है। कोरोना संक्रमण को लेकर योगी सरकार की उदासीनता व संवेदनहीनता उजागर हो गई है। कोरोना कंट्रोल करने में योगी सरकार अपना भरोसा जनता के बीच खो चुकी है। कांग्रेस पार्टी द्वारा लगातार इस सम्बन्ध में योगी सरकार पर लगाये जा रहे आरोपों की पुष्टि हो गई है।

उन्होंने कहा कि कानून मंत्री ने खुद उत्तर प्रदेश शासन के अपर मुख्य सचिव चिकित्सा एवं स्वास्थ्य व प्रमुख सचिव चिकित्सा शिक्षा को पत्र लिखकर कोराना संक्रमण को नियंत्रित न कर पाने एवं चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराने में अपनी ही सरकार की विफलता पर चिन्ता व्यक्त की है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि लखनऊ के हालात बेहद खौफ नाक एवं चिन्ताजनक हैं। कानून मंत्री की यह चिट्ठी स्वास्थ्य व्यवस्था का हाल बयां कर रही है। उन्होंने कहाकि कानून मंत्री ने अपने पत्र में साफ कहा है, न एंबुलेंस है, न बेड और न ही जांच। लल्लू ने कहा कि मुख्यमंत्री कोरोना कन्ट्रोल में भरोसा खो चुके हैं और सरकार जनता का भरोसा खो चुकी है। प्रदेश में हाहाकार मचा हुआ है। टेस्टिंग, ट्रैकिंग, ट्रेसिंग, ट्रीटमेंट और वैक्सीनेशन की व्यवस्था पूरी तरह ध्वस्त है। सैंकड़ों की संख्या में लोग कोरोना महामारी से अपनी जान गंवा रहे हैं। शवदाह गृहों में शवों की अन्त्येष्ठि के लिए लम्बी कतारें लगी हैं और अंतिम संस्कार के लिए परिजन घण्टों प्रतीक्षा करने के लिए विवश हैं। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि कांग्रेस पार्टी शुरू से ही योगी सरकार को कोरोना महामारी से निपटने और प्रभावी कदम उठाने की मांग करती रही है लेकिन सरकार की संवेदनहीनता अपनी पराकाष्ठा को पार कर चुकी है। अगर तुलनात्मक अध्ययन किया जाए तो द्वितीय चरण में कोराना संक्रमण का प्रकोप चार गुना से अधिक बढ़ गया है।

फर्जी जांच रिपोर्ट तैयार कराने वालों के खिलाफ सीएम करें सख्त कार्रवाई: सभाजीत

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

आम आदमी पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष सभाजीत सिंह ने कहा है कि लखनऊ के डीएम ने खुद यह सच्चाई बयां की है कोरोना से राजधानी में लोग सड़कों पर मर रहे हैं। इसके बाद सोमवार को आम आदमी पार्टी के यूपी प्रभारी संजय सिंह ने बेकाबू होते कोरोना संक्रमण को लेकर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और सरकार पर सवाल खड़े किए तो वायरस पर अंकुश लगाने के लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की ओर से नए दिशा-निर्देश जारी किए गए।

उन्होंने कहा कि गनीमत है आम आदमी पार्टी के आवाज उठाने पर योगी आदित्यनाथ जाग तो गए। उन्होंने कहा कि सरकार की लापरवाही न सिर्फ जनता के लिए मुसीबत साबित हो रही है, बल्कि यह खुद सरकार के लिए भस्मासुर बन गई है। कानून मंत्री बृजेश पाठक, सुनील बंसल सहित भाजपा के कई नेता संक्रमित हो चुके हैं। सोमवार को आम आदमी पार्टी के नेता राज्यसभा सांसद संजय सिंह की ओर से कोरोना के नाम पर प्रदेश की जनता की जान से हो रहे खिलवाड़ का मामला प्रमुखता से उठाया गया तो योगी आदित्यनाथ की नींद टूटी। उनकी ओर से महामारी पर नियंत्रण को लेकर अब जिस संजीदगी का प्रदर्शन किया जा रहा है, उसकी जरूरत पहले से ही थी। पर चलिए, कहावत है कि देर आए दुरुस्त आए। अब भी अगर सरकार साफ नीयत और सही नीति के साथ कोविड प्रबंधन में जुट जाती है तो प्रदेश की जनता को बड़ी राहत मिल सकती है।

उन्नाव में लगेगी प्रदेश की पहली सोलर प्रोडक्ट असेम्बली यूनिट

- उत्तर प्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के अंतर्गत प्रेरणा ओजस के तहत की गई शुरुआत: शैलेन्द्र द्विवेदी

पायनियर समाचार सेवा, लखनऊ।

प्रदेश की पहली सोलर प्रोडक्ट असेम्बली यूनिट उन्नाव के हसनगंज ब्लाक में स्थापित की जा रही है। यह यूनिट कई घरों में उजाला करने के साथ ही साथ क्षेत्रीय महिलाओं के लिए रोजगार को बड़ा माध्यम बनने जा रहा है।

प्रेरणा ओजस के सीईओ शैलेन्द्र द्विवेदी ने बताया कि उत्तर प्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के अंतर्गत प्रेरणा ओजस की शुरुआत की गयी है जिसके अंतर्गत प्रदेश की पहली सभी सोलर प्रोडक्ट असेम्बली यूनिट की स्थापना जनपद उन्नाव के ब्लॉक हसंगज में मुख्य विकास अधिकारी सरनीत कौर बोक्रा के निर्देशन में स्थापना कर ली गयी है व साथ इस यूनिट में सोलर प्रोडक्ट असेम्बली के कार्य करने हेतु विभिन्न गांव से समूह की 25 महिलाओं का चयन कर लिया गया है और 15 व 16 अप्रैल को 2 दिवसीय महिलाओं के प्रशिक्षण का भी आयोजन किया गया है। इस यूनिट में सोलर से चलित सभी प्रोडक्ट की असेम्बली कार्य समूह की महिलाएं करेगी। इस यूनिट में सोलर लालटेन, सोलर टॉर्च, सोलर लैम्प, सोलर दीया, होम लाइटिंग सिस्टम इत्यादि प्रकार विभिन्न सोलर प्रोडक्ट बनेंग।

बंदियों के बाहर जाने पर लगे प्रभावी रोक: डीजी जेल

लखनऊ। प्रदेश में कोविड-19 के तेजी से बढ़ते संक्रमण को देखते हुए डीजी जेल आनंद कुमार जेल अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि बंदियों के बाहर जाने पर प्रभारी रोक लगाई जाए। उन्होंने अधिकारियों को अन्य कई दिशा निर्देश भी जारी किए हैं। डीजी जेल ने अधिकारियों से कहा है कि पूर्व की भांति जेलों में जिस प्रकार से मास्क एवं सैनिटाइजर का निर्माण, होम्योपैथिक दवाई का वितरण, काढ़ा का सेवन एवं इस्तेमाल किया गया वही व्यवस्था इस संकट की घड़ी में सुनिश्चित करें।

सूखे तालाब, कुएं, झील और चेकडैम सब होंगे लबालब

- बुंदेलखंड में जून तक बना जाएंगे 106 चेकडैम तथा 126 तालाब
- झांसी के जिलाधिकारी खुद कर रहें है निर्माण कार्य की निगरानी

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

सूबे की योगी सरकार जनता की समस्याओं का निदान करने के लिए एक साथ कई मोर्चों पर कार्य कर रही है। जिसके तहत वर्तमान में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का सबसे अधिक ध्यान कोरोना संक्रमण के फैलाव को रोकने और ज्यादा से ज्यादा लोगों को कोरोना से बचाव की वैक्सीन लगवाने पर है। इसके साथ ही मुख्यमंत्री बुंदेलखंड में हर खेत को पानी और हर घर में नल पहुंचाने के अपने अभियान पर भी विशेष ध्यान दे दे रहे हैं। मुख्यमंत्री द्वारा दी जा रही इस तबज्जो के चलते जिलाधिकारियों की देखरेख में अब समूचे बुंदेलखंड में बारिश की बूंदों को बचाकर खेत तक पहुंचाने के लिए तमाम सूखे तालाबों को गहरा किया जा रहा है, पुराने कुओं का जीर्णोद्धार किया जा रहा है, नए तालाब, कुएं और चैकडैम भी बनाए जा रहे हैं। ताकि बुंदेलखंड की प्यासी धरती पर बने तालाब, चेकडैम, झील आदि को इस बरसात में लबालब भर कर फसलों को लहलहाया जाए और भीषण गर्मी के दौरान लोगों को कुओं, झील और तालाब के जरिए पीने का पानी मिल सके।

बुंदेलखंड में अपेक्षाकृत कम बारिश होती है। आये दिन सूखा पड़ना आम बात है। जिसका संज्ञान लेते हुए ही मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सूबे की सत्ता संभालने की बाद मुख्यमंत्री ने हर खेत को पानी मुहैया कराने के अपने संकल्प के तहत बुंदेलखंड में सिंचन क्षमता के विस्तार और वर्षा जल के संचयन पर जोर देना शुरु किया था। जिसके तहत बुंदेलखंड पैकेज के तीसरे चरण में कुल 269 चेकडैम और 219 तालाब बनाने का फैसला किया गया। लघु सिंचाई विभाग के जरिए यह निर्माण कार्य होना था। इनमें से 163 चेकडैम और 93 तालाब बीते वर्ष तक बना दिए गए और अब 106 चेकडैम तथा 126 तालाब बनाए जाने का कार्य युद्धस्तर पर किया जा रहा है। आगामी जून माह तक यह निर्माण कार्य पूरा किए जाने का लक्ष्य रखा गया है।

लघु सिंचाई विभाग के अधिकारियों के अनुसार, बुंदेलखंड की सरजमीं पर व्यर्थ बह जाने वाले बारिश के पानी को रोकने के लिए बनाए जा रहे चेकडैम बेहद महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। बुंदेलखंड के सातों जिलों में चेकडेम का निर्माण बरसाती नालों पर किया जा रहा है। बारिश के दौरान इन नालों से बड़ी मात्र में पानी व्यर्थ बह जाता है, जिसे चेकडैम से रोक लिया जाएगा। इसके दो फायदे हैं। एक तो अधिक समय तक पानी रुके रहने से जमीन में रीचार्ज होता है वहीं तालाब, कुएं व नालों में एकत्र पानी सिंचाई के काम आता है। बनाए जा रहे इन चेकडैम और तालाबों से बुंदेलखंड की सूखती जमीन को काफी राहत मिलेगी।

झांसी के जिलाधिकारी खुद भी जिले में बनाए जा रहे चेकडैमम तालाब और कुओं के निर्माण पर नजर रख रहें है। हर हफ्ते वह खुद मौके पर जा कर तालाब, चेकडैम और कुओं के निर्माण की प्रगति का आंकलन कर रहे हैं। जिलाधिकारी वामसी के मुताबिक बुंदेलखंड में सूखा किसी से छिपा नहीं। यहां पर हर साल तालाब और जलाशय सूख जाते हैं। कुएं का पानी नीचे चला जाता है। बुंदेलखंड क्षेत्र में आने वाले हर जिले में पानी के लिए त्राहि त्राहि हो जाती है। जिसे ध्यान में रहते हुए सैकड़ों तालाबों को गहरा किया जा रहा है, नए तालाब और चेकडैम बनाए जा रहें हैं। झांसी में सूखे से निपटने के लिए वन विलेज, वन पॉन्ड योजना भी शुरु की गई है। इसके तहत 405 गांव के तालाबों को पुनर्जीवित किया गया है। इसके इसी तरह से बुंदेलखंड के जालौन, ललितपुर, हमीरपुर, महोबा, बांदा और चित्रकूट जिले में भी चेकडैमए तालाब और कुएं बनाने तथा उनका जीणोद्धार करने संबंधी कार्य किए जा रहे हैं।

अधिकारियों के अनुसार बुंदेलखंड के हर खेत को पानी पहुँचाने की मंशा के तहत महोबा, हमीरपुर और बांदा के करीब 45000 हेक्टेयर खेतों को सिंचित करने वाले अर्जुन सहायक नहर भी इसी साल पूरी हो जाएगी। इसके पूरा होने से 1.5 लाख किसानों को लाभ होगा। इसके अलावा भवानी बांध, रसिन, लखेरी, रतौली, बंडई, मसगांव एवं चिल्ली, कुलपहाड़ एवं शहजाद बांध स्प्रिंकलर सिंचाई परियोजना और जाखलौन नहर प्रणाली की पुर्नस्थापना से करीब ललितपुर, चित्रकूट, हमीरपुर, झांसी, महोबा की करीब 19000 हेक्टेयर अतिरिक्त भूमि सिंचित होगी और 16,000 अधिक किसान लाभान्वित होंगे। इन योजना और तालाब, चेकडैम और कुओं आदि के निर्माण तथा पुराने कुओं, तालाब आदि के कराए जा रहे जीर्णोद्धार को लेकर अधिकारियों का दावा है कि इस बार बुंदेलखंड में सूखे तालाब, कुएं, झील और चेकडैम सब लबालब भरे दिखाई देंगे।

अब ट्रूनेट मशीन के जरिए की जाएगी कोविड-19 की टेस्टिंग

- प्रदेश में अब तक की गई 37173548 सैम्पल की जांच

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

प्रदेश के अपर मुख्य सचिव चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अमित मोहन प्रसाद ने कहा है कि प्रदेश में बड़ी सं या में टेस्टिंग का कार्य करते हुए टेस्टिंग की क्षमता निरन्तर बढ़ाई जा रही है। गत एक दिन में कुल 218965 सै पल की जांच की गई। प्रदेश में अब तक कुल 37173548 सै पल की जांच की गई है। इसमें 97000 सै पलों की जांच आरटीपीसीआर के माध्यम से की गई है।

उन्होंने बताया कि अब ट्रूनेट मशीन के द्वारा कोविड-19 की टेस्टिंग की जाएगी। इसके लिए जनपदों में 300 ट्रूनेट मशीन उपलब्ध करा दी गई हैं। इसके अलावा 12 नए आरटीपीसीआर लैब अमेठी, औरैया, बिजनौर, कुशीनगर, देवरिया, मऊ, सिद्धार्थनगर, सोनभद्र, बुलन्दशहर, सीतापुर, महोबा तथा कासगंज में स्थापित करने का कार्य किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि प्रदेश में कोविड संक्रमण की जांच तथा उपचार सरकारी अस्पतालों में निशुल्क किया जा रहा है ।

उन्होंने बताया कि प्रदेश में 95980 कोरोना के एक्टिव मामलों में से 49163 लोग होम आइसोलेशन में हैं। निजी चिकित्सालयों में 1446 लोग तथा शेष मरीज चिकित्सालयों में इलाज भी करा रहे हैं। उन्होंने बताया कि प्रदेश में विगत 24 घंटे में 3474 तथा अब तक 618293 लोग कोविड-19 से ठीक होकर डिस्चार्ज हो चुके हैं। प्रदेश में सर्विलांस टीम के माध्यम से 200486 क्षेत्रों में 530419 टीम दिवस के माध्यम से 32145274 घरों के 155818108 जनसं या का सर्वेक्षण किया गया है।

प्रदेश में 45 वर्ष से अधिक आयु वालों का कोविड वैक्सीनेशन किया जा रहा है अब तक 8018671 लोगों को वैक्सीन की पहली डोज दी गई तथा पहली डोज लेने वालों में से 1344110 लोगों को वैक्सीन की दूसरी डोज दी गई हैं।

बंगाल में भाजपा के सत्ता में आने के बाद गोरखा समस्या का समाधान हो जाएगा : अमित शाह

● गोरखा समुदाय बहुत समय से एक अलग राज्य की मांग कर रहा है और पिछले कुछ वर्षों में कई आंदोलन भी किए गए

भाषा। दार्जिलिंग

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने पश्चिम बंगाल में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सत्ता में आने पर लंबे समय से चली आ रही गोरखा समस्या का राजनीतिक समाधान ढूंढने का मंगलवार को आश्वासन दिया। शाह ने यहां जनसभा के दौरान कहा कि देश का संविधान विस्तृत है और इसमें सभी समस्याओं के हल का प्रावधान है। शाह ने कहा, मैं वादा करता हूं कि भाजपा की डबल इंजन की सरकार – एक केंद्र में और दूसरी बंगाल में– गोरखा समस्या का स्थाई राजनीतिक समाधान निकाल लेगी। आपको अब प्रदर्शनों का सहारा नहीं लेना पड़ेगा। हालांकि, केंद्रीय मंत्री ने यह स्पष्ट नहीं किया कि वह किस समस्या की बात कर रहे हैं। गोरखा समुदाय बहुत समय से एक अलग राज्य की मांग कर रहा है और पिछले कुछ वर्षों में कई आंदोलन भी किए गए। गोरखा समुदाय को भारत का गौरव बताते हुए शाह ने कहा कि कोई उन्हें नुकसान नहीं पहुंचा सकता। उन्होंने कहा, अभी के लिए राष्ट्रीय नागरिक पंजी (एनआरसी) लागू करने की कोई योजना नहीं है। अगर ऐसा कुछ होता भी है तो गोरखा समुदाय को इसकी चिंता करने की जरूरत नहीं है। शाह ने यह भी कहा कि मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने दार्जिलिंग में विकास कार्य पर पूर्ण विराम लगा दिया है और कहा कि यह वह स्थान है जहां सत्तारूढ़ टीएमसी के नेता फुर्सत में आते हैं। बनर्जी हाल के दिनों में कई बार दार्जिलिंग आई थीं लेकिन उन्होंने क्षेत्र की तीन विधानसभा सीटों के लिए कोई प्रचार नहीं किया। क्षेत्र में 17 अप्रैल को मतदान होगा।

शीर्ष भाजपा नेता ने दावा किया कि टीएमसी सुप्रीमो ने कुछ गोरखाओं के खिलाफ आपराधिक मामला चलवाकर भाजपा और गोरखा समुदाय के बीच सौहार्दपूर्ण संबंधों को खराब करने की कोशिश की। शाह ने किसी का नाम लिए बिना कहा, दीदी ने कई की हत्या करवाई और कई के खिलाफ मामले चलवाए। भाजपा सत्ता में आने के बाद, ऐसे लोगों के अपराध क्षमा करेगी। भाजपा के पूर्व सहयोगी, जीजेएम नेता बिमल गुरुंग 2017 में हिंसक आंदोलन का कथित तौर पर नेतृत्व करने के बाद उनके खिलाफ लगाए गए कई आपराधिक आरोपों के बाद बहुत दिन तक छिपे रहे थे। पिछले साल अक्टूबर में सामने आने के बाद उन्होंने टीएमसी से हाथ मिला लिया था। राज्य प्रशासन ने इनमें से कुछ मामलों को वापस लेने के लिए अब अदालत का रुख किया है।

दार्जिलिंग में एक चुनावी रैली के दौरान केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और अन्य नेतागण

निर्वाचन आयोग ने सीतलकूची जैसी घटनाओं की पुनरावृत्ति वाले बयान पर घोष को नोटिस भेजा

भाषा। नई दिल्ली

भारत निर्वाचन आयोग ने पश्चिम बंगाल भाजपा के अध्यक्ष दिलीप घोष के एक बयान को लेकर उन्हें नोटिस भेजा है जिसमें घोष ने कथित रूप से कहा था कि सीतलकूची जैसी घटना की पुनरावृत्ति अनेक स्थानों पर होगी। उल्लेखनीय है कि कूच बिहार के सीतलकूची में केंद्रीय बलों की गोलीबारी में चार लोग मारे गए थे। इसी घटना का जिक्र करते हुए घोष ने उक्त टिप्पणी की थी। आयोग ने कहा कि घोष के बयान उकसावे वाले हैं और इनके कारण कानून–व्यवस्था के हालात बिगड़ सकते हैं। आयोग ने घोष को नोटिस का जवाब देने और इन टिप्पणियों पर अपना रूख स्पष्ट करने के लिए बुधवार सुबह दस बजे तक का समय दिया है। नोटिस में कहा गया है कि आयोग का ऐसा मानना है कि दिलीप घोष ने आचार संहिता के विभिन्न उपबंधों, जन प्रतिनिधि कानून और भारतीय दंड संहिता के प्रावधानों का उल्लंघन करते हुए ऐसे बयान दिए जो उकसावे वाले हैं और भावनाओं को भड़का सकते हैं। नोटिस के मुताबिक, इससे कानून व्यवस्था की स्थिति बिगड़ सकती है और चुनावी प्रक्रिया प्रभावित हो सकती है। निर्वाचन आयोग से घोष की शिकायत तृणमूल कांग्रेस द्वारा की गई थी। नोटिस में घोष की उस कथित टिप्पणी का जिक्र है, जिसमें कहा गया था, यदि कोई अपनी सीमाओं को पार करेगा तो आपने देखा ही है कि सीतलकूची में क्या हुआ। सीतलकूची जैसी घटना कई स्थानों पर होगी। उल्लेखनीय है कि घोष ने रविवार को कहा था कि यदि सीतलकूची में मारे गए दुष्ट लड़कों की तरह किसी ने कानून हाथ में लेने का प्रयास किया तो विधानसभा चुनावों के अगले चरण में भी कूचबिहार की तरह हत्याएं हो सकती हैं। घोष ने कहा था, सीतलकूची में शरारती लड़कों को गोली लगी। अगर कोई भी अपने हाथ में कानून लेने का दु:साहस करता है तो उसके साथ भी ऐसा ही होगा। उत्तर 24 परगना जिले के बारानगर में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा था कि जिन दुष्ट लड़कों ने समझ रखा था कि केंद्रीय बलों की राइफलें चुनावी ड्यूटी के दौरान केवल दिखावे के लिए हैं, ऐसे लोग सीतलकूची की घटना देखने के बाद यह गलती दुहराने का साहस नहीं करेंगे। सीतलकूची विधानसभा क्षेत्र में शनिवार को चौथे चरण के मतदान के दौरान सीआईएसएफ के जवानों से कुछ लोगों द्वारा राइफलें छीनने का प्रयास करने के बाद केंद्रीय बल ने गोलीबारी की जिसमें चार लोगों की मौत हो गई थी।

निर्वाचन आयोग ने भाजपा नेता राहुल सिन्हा के चुनाव प्रचार करने पर 48 घंटे की रोक लगाई

भाषा। नई दिल्ली

निर्वाचन आयोग ने भाजपा नेता राहुल सिन्हा की कथित टिप्पणी के लिए उनके चुनाव प्रचार करने पर मंगलवार को 48 घंटे की रोक लगाते हुए कहा कि उनकी टिप्पणी मानव जीवन का उपहास उड़ाने वाली और बेहद भड़काऊ थी।

सिन्हा ने कथित रूप से कहा था कि विधानसभा चुनाव के दौरान पश्चिम बंगाल के कूच बिहार जिले के सीतलकूची में केंद्रीय सुरक्षा बलों को चार लोगों के बजाय आठ लोगों की हत्या कर देनी चाहिए थी। निर्वाचन आयोग ने कहा, मानव जीवन का उपहास उड़ाते हुए उन्होंने बेहद भड़काऊ टिप्पणी की और बलों को भड़काने का काम किया जिससे कानून–व्यवस्था के गंभीर नतीजे हो सकते हैं।

निर्वाचन आयोग ने सिन्हा की टिप्पणी को आदर्श आचार संहिता और जन प्रतिनिधित्व कानून के विभिन्न प्रावधानों और भारतीय दंड संहिता की धाराओं का उल्लंघन बताया है। निर्वाचन आयोग के आदेश के अनुसार सिन्हा पर यह पाबंदी मंगलवार दोपहर 12 बजे से शुरू होगी और 15 अप्रैल को दोपहर 12 बजे तक बनी रहेगी। आयोग ने कहा कि उसने मामले की गंभीरता को देखते हुए सिन्हा को बिना कोई नोटिस जारी किए आदेश जारी किया है। आयोग ने सिन्हा के बयान का स्वत: संज्ञान लिया।

आदेश में घटना के बाद सिन्हा के बयान का जिक्र किया गया है, केंद्रीय बलों को उन्हें मुंहतोड़ जवाब देना चाहिए। अगर वे फिर से ऐसा करते हैं तो फिर उसी तरह कड़ाई से निपटना चाहिए। केंद्रीय बलों को सीतलकूची में चार के बजाए आठ लोगों को मारना चाहिए था। केंद्रीय बलों को एक कारण बताओ नोटिस जारी होना चाहिए कि उन्होंने केवल चार लोगों को क्यों मारा। आदेश के अनुसार, निर्वाचन आयोग भाजपा नेता राहुल सिन्हा के उपरोक्त बयानों की निंदा करता है और उन्हें आगे चुनाव आचार संहिता लागू रहने के दौरान सार्वजनिक रूप से ऐसे बयान नहीं देने की चेतावनी देता है।

स्टालिन ने ममता बनर्जी का समर्थन किया निर्वाचन आयोग से निष्पक्ष रहने को कहा

चेन्नई (भाषा)। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी का समर्थन करते हुए द्रमुक प्रमुख एम के स्टालिन ने मंगलवार को कहा कि निर्वाचन आयोग को सभी पार्टियों के लिए समान मौके सुनिश्चित करने चाहिए और निष्पक्षता बनाई रखनी चाहिए। बनर्जी प्रचार करने से 24 घंटे के लिए प्रतिबंधित किए जाने के खिलाफ पश्चिम बंगाल की राजधानी कोलकाता में धरने पर बैठ गई हैं। स्टालिन ने कहा कि लोकतंत्र में सबका विश्वास स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव के कारण है। ट्विटर पर द्रमुक प्रमुख ने कहा कि निर्वाचन आयोग को सभी पार्टियों और उम्मीदवारों के लिए समान मौके सुनिश्चित करने चाहिए और यह भी सुनिश्चित करना चाहिए कि निष्पक्षता बनाई रखी जाए। आयोग ने सोमवार को तृणमूल कांग्रेस की प्रमुख बनर्जी को प्रचार करने से 24 घंटे के लिए प्रतिबंधित कर दिया था। उनकी पार्टी ने दावा किया है कि आयोग भाजपा की ईकाई जैसा बर्ताव कर रहा है और आरोप लगाया कि यह निर्णय मनमाना प्रतीत हो रहा है।

कर्नाटक में लॉकडाउन का सवाल ही नहीं: एदियुरप्पा

बीदर, कर्नाटक। कर्नाटक के मुख्यमंत्री बीएस एदियुरप्पा ने कोरोना वायरस को नियंत्रित करने के लिए राज्य में लॉकडाउन लागू करने की संभावना से इनकार करते हुए मंगलवार को कहा कि उन्होंने भविष्य की कार्वाई पर फैसला करने के लिए 18 अप्रैल को सर्व दलीय बैठक बलाई है। एदियुरप्पा ने बीदर में पत्रकारों से कहा, लॉकडाउन का सवाल ही नहीं है। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया कि तकनीकी सलाहकार समिति (टीएसी) ने लॉकडाउन की सिफारिश नहीं की। एदियुरप्पा ने कहा, मैं टीएसी में हूं। किसी ने लॉकडाउन की अनुशंसा नहीं की। पूर्व मुख्यमंत्रियों सिद्धरमैया और एचडी कुमारस्वामी तथा कांग्रेस के प्रदेश प्रमुख डीके शिवकुमार समेत तकनीकी सलाहकार समिति के सदस्य 18 अप्रैल को सर्वदलीय बैठक में हिस्सा लेंगे।

क्विक न्यूज

गुजरात : शवों की संख्या बढ़ने के कारण शवदाह गृह की भट्ठियां पिघल रहीं

सूरत (भाषा)। कोविड-19 महामारी के बीच शवो की संख्या बढ़ने से लगातार इस्तेमाल के कारण गुजरात के सूरत में कुछ शवदाह गृह में धातु की भट्ठियां पिघल रही है या उनमे दरार आ गई है।। अधिकारियो ने मंगलवार को बताया कि पिछले एक सप्ताह से शवों को जलाने के लिए कुरुक्षेत्र शवदाह गृह और अश्विनी कुमार शवदाह गृह मे गैस आधारित भट्ठियां लगातार चालू है जिससे रख-रखाव के काम में दिक्कतें आ रही है। पिछले दो दिनों मे कोविड-19 से सूरत शहर में हर दिन 18-19 लोगो की मौत हुई है। शवदाह गृह का प्रबंधन करने वाले ट्रस्ट के अध्यक्ष कमलेश सेलर ने पीटीआई-भाषा को बताया, पिछले साल कोरोना वायरस महामारी की शुरुआत होने के पहले कुरुक्षेत्र शवदाह गृह मे हर दिन करीब 20 शवों का अंतिम संस्कार होता था। अब यह संख्या बढ़ गई है। फिलहाल रोज करीब 100 शवो का अंतिम संस्कार हो रहा है। सेलर ने कहा कि शवदाह गृह में छह गैस भट्ठी 24 घंटे जल रही है और तापमान 600 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच जाता है। उन्होने कहा कि इस कारण से लोहे की भट्ठी और चिमनी पिघलने लगी है और गर्मी के कारण इसमे दरार आ रही है। मशीन के इन हिस्सों को बदलना पड़ेगा। सूरत मे सबसे पुराने अश्विनी कुमार शवदाह गृह में भी इसी तरह की समस्याएं सामने आ रही है और इसके प्रबंधन ने गैस भट्ठियो के रख-रखाव संबंधी मुद्दो के कारण शवो को जलाने के लिए लकड़ी की चिताओं की संख्या बढ़ाने का फैसला किया है। शवदाह गृह के प्रबंधक प्रशांत कबरावाला ने कहा, हम 10 गैस भट्ठियो का संचालन करते हैं। इसके अलावा तीन स्थानो पर लकड़ियों से शवों का अंतिम संस्कार होता है। इससे पहले हर दिन 30 शवों का दाह-संस्कार होता था। अब 90-95 शवों का दाह संस्कार हो रहा है। उन्होंने कहा कि भट्ठियों के लगातार जलते रहने से उनमे कुछ की संरचना पिघल गई। अत्यधिक तापमान के कारण कुछ पाइप और चिमनी भी टूट गई। कबरावाला ने कहा, हाल मे चार मे से दो भट्ठियो मे ताप रोधी ईंट लगाई गई थी जो कि कुछ समय से बंद है। रख-रखाव का काम करने वाले हमारे इंजीनियर हर दिन शवदाह गृह आकर दिक्कते दूर करते है। उन्होने कहा कि रख-रखाव से जुड़े कार्य मे लगातार दिक्कते होने के कारण दो जगह और लकड़ियों की चिता की व्यवस्था करने का फैसला किया गया है।

महंत नरेंद्र गिरि ऋषिकेश एम्स में भर्ती

ऋषिकेश (भाषा)। कोविड-19 से पीड़ित अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष महंत नरेंद्र गिरि की तबियत बिगड़ने के बाद उन्हें एम्स ऋषिकेश मे भर्ती कराया गया है। महंत को सोमवार देर रात एम्स अस्पताल की इमरजेंसी मे भर्ती किया गया जहां प्रारंभिक जांच के बाद उन्हे वार्ड मे शिफ्ट कर दिया गया। उनकी देखरेख मे लगे चिकित्सको ने बताया कि महंत मधुमेह के रोगी है तथा उन्हे बुखार और खांसी की भी शिकायत है। सामान्य जांच के बाद उनका उपचार शुरू कर दिया गया है। चिकित्सको के अनुसार उनकी स्थिति स्थिर है। रविवार को महंत गिरी की जांच रिपोर्ट मे उनके संक्रमित होने की पुष्टि हुई थी। इससे पहले, शुक्रवार देर रात तबीयत खराब होने के बाद 70 वर्षीय संत को हरिद्वार के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया था जहां उनकी कुशल क्षेम पूछने के लिए महाकुंभ प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारी भी पहुंचे थे। कोविड-19 से पीड़ति होने के कारण महंत नरेंद्र गिरी सोमवार को सोमवती अमावस्या के पर्व पर महाकुंभ के दूसरे शाही स्नान मे हिस्सा नही ले पाए थे और अब वह बुधवार को बैसाखी पर होने वाले तीसरे शाही स्नान मे भी डुबकी नही लगा पाएंगे। निरंजनी अखाड़े के महंत नरेंद्र गिरी के अलावा अन्य अखाड़ो से जुडे कई अन्य संत भी कोविड-19 की चपेट मे आए है।

हिमाचल प्रदेश आने वाले पर्यटकों को कोविड-19 की रिपोर्ट के लिए परेशान नहीं किया जाएगा : मुख्यमंत्री

धर्मशाला, हिमाचल प्रदेश (भाषा)। हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री जय राम ठाकुर ने मंगलवार को कहा कि प्रदेश आने वाले पर्यटको को राज्य की सीमाओ पर कोरोना वायरस जांच की रिपोर्ट के लिए परेशान नही किया जाएगा। पिछले दिनो हिमाचल प्रदेश सरकार ने संक्रमण से सबसे ज्यादा प्रभावित राज्यो से आने वाले लोगो के लिए राज्य मे प्रवेश करने पर कोविड-19 से पीड़ति नही होने की रिपोर्ट दिखाना अनिवार्य कर दिया था। अब ठाकुर ने कहा कि पर्यटको के आगमन पर उनकी निगरानी करने के लिए व्यवस्था तैयार की गई है। उन्होंने संवाददाताओ से कहा, हम अपने पर्यटन उद्योग का ध्यान रखते हुए यह सुनिश्चित कर रहे है कि यह क्षेत्र पिछले साल की तरह कोरोना वायरस से प्रभावित नही हो। उद्योग के लिए मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) जारी की गई है और इस पर निगरानी करने के लिए व्यवस्था तैयार की है। राज्य की सीमाओ पर कोरोना की रिपोर्ट के लिए पर्यटको और अन्य आगंतुको को परेशान नही किया जाएगा क्योंकि इससे उन्हे बहुत असुविधा होती है। ठाकुर ने कहा कि चूंकि ज्यादातर पर्यटक होटलो मे ठहरते है इसलिए प्रशासन ने सात राज्यो से आने वाले लोगो पर उसी स्थान पर निगरानी के लिए व्यवस्था तैयार की है जहां पर वे ठहरेंगे। हिमाचल प्रदेश सरकार ने संक्रमण से ज्यादा प्रभावित सात राज्यो से लोगों को संक्रमण नही होने की रिपोर्ट दिखाना रविवार को अनिवार्य कर दिया था।

पश्चिम बंगाल के नादिया में चुनाव प्रचार करते क्रिकेटर से नेता बने तृणमूल कांग्रेस के मनोज तिवारी

निर्वाचन आयोग ने ममता को प्रचार से रोकने का निर्णय भाजपा के कहने पर लिया : राउत

भाषा। मुंबई

शिवसेना सांसद संजय राउत ने मंगलवार को आरोप लगाया कि निर्वाचन आयोग ने पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को 24 घंटे तक प्रचार मुहिम से रोकने का निर्णय भाजपा के कहने पर लिया है। राउत ने ट्वीट किया कि यह देश की स्वतंत्र संस्थाओं की सम्प्रभुता और लोकतंत्र पर सीधा हमला है। शिवसेना के मुख्य प्रवक्ता ने बनर्जी के साथ एकजुटता जताते हुए उन्हें बंगाल की शेरनी करार दिया। पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव चल रहे हैं। शिवसेना इस चुनाव में नहीं लड़ रही है, लेकिन उसने बनर्जी को अपना समर्थन दिया है। आयोग ने बनर्जी के केंद्रीय बलों के खिलाफ बयानों और कथित धार्मिक प्रवृत्ति वाले एक बयान के कारण उनके 24 घंटे तक चुनाव प्रचार करने पर रोक लगा दी है। राउत ने ट्वीट किया, ईसीआई (भारत निर्वाचन आयोग) ने ममता दीदी पर 24 घंटे के लिए प्रतिबंध लगा दिया है। यह स्पष्ट रूप से भारत में सत्तारूढ़ पार्टी के कहने पर किया गया। उन्होंने ट्वीट किया, यह भारत में स्वतंत्र संस्थानों की सम्प्रभुता और लोकतंत्र पर सीधा हमला है। मैं बंगाल की शेरनी के प्रति एकजुटता व्यक्त करता हूं। चुनाव प्रचार पर 24 घंटे के लिए पाबंदी लगाए जाने के निर्वाचन आयोग के फैसले की आलोचना करते हुए बनर्जी ने कहा कि वह आयोग के असंवैधानिक फैसले के खिलाफ मंगलवार को कोलकाता में धरना देंगी।

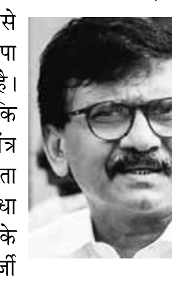

पश्चिम बंगाल में नतीजे चौंकाने वाले होंगे, माहौल भाजपा और तृणमूल के खिलाफ : हरि प्रसाद

भाषा। नई दिल्ली

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता बीके हरि प्रसाद ने मंगलवार को कहा कि पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में त्रिकोणीय मुकाबला है और इसके नतीजे चौंकाने वाले होंगे क्योंकि तृणमूल कांग्रेस एवं भाजपा के खिलाफ तथा कांग्रेस गठबंधन के पक्ष में जबरदस्त माहौल है। पश्चिम बंगाल प्रदेश में बतौर पर्यवेक्षक कांग्रेस के चुनाव प्रबंधन और समन्वय की जिम्मेदारी देख रहे हरि प्रसाद ने इन दावों को भी खारिज कर दिया कि पार्टी पूरी ताकत से चुनाव नहीं लड़ रही है। उन्होंने आरएसएस का संदर्भ देते हुए दावा किया कि यह सब नागपुर विश्वविद्यालय की ओर से फैलाया गया दुष्प्रचार है। हरि प्रसाद ने कहा कि कांग्रेस के सभी नेता एवं कार्यकर्ता जमीनी स्तर पर मेहनत कर रहे हैं तथा पार्टी के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी भी चुनाव प्रचार करेंगे। उन्होंने यह टिप्पणी उस वक्त की है जब ऐसी खबरें हैं कि राहुल गांधी बुधवार को पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव 2021 में पहली बार प्रचार कर सकते हैं। हरि प्रसाद इस चुनाव के लिए कांग्रेस के पश्चिम बंगाल प्रभारी की भूमिका भी निभा रहे हैं क्योंकि स्थाई रूप से यह जिम्मेदारी निभा रहे जितिन प्रसाद इन दिनों कोरोना वायरस से संक्रमित हैं। यह पूछे जाने पर कि अगर जरूरत पड़ी तो क्या कांग्रेस सरकार गठन के लिए तृणमूल कांग्रेस को समर्थन देगी, हरि प्रसद ने इसे काल्पनिक प्रश्न करार दिया। उन्होंने हालांकि यह जरूर कहा कि विधायक और प्रदेश कांग्रेस कमेटी अनुशंसा करेंगे तथा पार्टी अध्यक्ष की तरफ से कोई फैसला होगा। उल्लेखनीय है कि कांग्रेस वाम दलों और नई पार्टी इंडियन सेक्युलर फ्रंट (आईएसएफ) के साथ गठबंधन कर पश्चिम बंगाल में चुनाव लड़ रही है। हरि प्रसाद ने भाजपा पर निशाना साधते हुए कहा, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह ने पश्चिम बंगाल में अब तक सीएए, एनआरसी और किसानों के मुद्दों पर बात नहीं की है। अगर उनमें हिम्मत है तो उन्हें इनके बारे में बात करनी चाहिए। उन्होंने दावा किया कि तृणमूल कांग्रेस एवं भाजपा के खिलाफ तथा कांग्रेस गठबंधन के पक्ष में जबरदस्त माहौल है। एक सवाल के जवाब में उन्होंने यह भी कहा कि पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के नतीजे चौंकाने वाले होंगे। कांग्रेस की ओर से उम्मीद के मुताबिक सहयोग नहीं मिलने के आईएसएफ के दावे पर हरि प्रसाद ने कहा कि कांग्रेस पूरा सहयोग कर रही है तथा गठबंधन मिलकर काम कर रहा है। उन्होंने यह भी कहा कि पश्चिम बंगाल में एआईएमआईएम कोई फैक्टर नहीं है।

गोवा फॉरवर्ड पार्टी राजग से अलग हुई

भाषा। पणजी

गोवा फॉरवर्ड पार्टी (जीएफपी) ने राज्य की भाजपा नीत सरकार पर गोवा विरोधी नीतियां अपनाने का आरोप लगाया और मंगलवार को वह राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) से अलग हो गई। चालीस सदस्ईय गोवा विधानसभा में जीएफपी के तीन विधायक हैं और पार्टी के गठबंधन से अलग होने से प्रमोद सावंत सरकार की स्थिरता पर कोई आंच नहीं आएगी क्योंकि विजय सरदेसाई नीत पार्टी सत्तासीन गठबंधन का हिस्सा नहीं है। जीएफपी ने 2017 में राजग को मनोहर पार्किर की अगुवाई में भाजपा की सरकार बनवाने के लिए समर्थन दिया था। हालांकि पर्किर के 2019 में निधन के बाद प्रमोद सावंत की अगुवाई वाली सरकार में जीएफपी के तीन मंत्रियों को स्थान नहीं मिलने से पर्टियों के बीच संबंध थोड़ा तल्ख हुए थे। जीएफपी की राज्य कार्यकारी समिति और राजनीतिक मामलों की समिति ने मंगलवार को बैठक की। इसके बाद जीएफपी के अध्यक्ष विजय सरदेसाई ने भाजपा के वरिष्ठ नेता एवं केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह को पत्र लिख कर राजग से अलग होने के पार्टी के निर्णय के बारे में सूचना दी। सरदेसाई ने पत्र में कहा, मैं आपको गोवा फॉरवर्ड पार्टी के राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन से औपचारिक रूप से अलग होने की सूचना देने के लिए पत्र लिख रहा हूं। इसमें कोई शक नहीं है कि राजग के साथ हमारे संबंध जुलाई 2019 में ही समाप्त हो गए थे ,पुन:विचार की कोई गुजाइश नहीं है। उन्होंने दावा किया कि पिछले दो वर्षों में भाजपा ने गोवा विधानसभा के सत्रों में लगातार गोवा विरोधी नीतियां पेश की है। पार्टी ने आरोप लगाया कि जुलाई 2019 से गोवा में नेतृत्व ने राज्य की जनता से मुंह फेर लिया है,जो चहुंमुखी विकास की आस उनसे लगा कर बैठी थी। पत्र में कहा गया कि पार्टी गोवा की संस्कृति, लोगों और विरासत की रक्षा करने के लिए लगातार काम करने के वास्ते प्रतिबद्ध है।

शरद पवार को अगले दो दिन में अस्पताल से छुट्टी दे दी जाएगी: उपमुख्यमंत्री अजित पवार ने कहा

मुंबई (भाषा)। महाराष्ट्र के उप मुख्यमंत्री अजित पवार ने मंगलवार को कहा कि राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) प्रमुख शरद पवार को अगले दो दिन में अस्पताल से छुट्टी दे दी जाएगी। पवार की सोमवार को पित्ताशय की सर्जरी की गई थी। अजित, शरद पवार के भतीजे भी हैं। अजित पवार और उनकी पत्नी ने ब्रीच कैंडी अस्पताल में शरद पवार से मुलाकात की। उन्होंने अस्पताल के बाहर संवाददाताओं को बताया, सर्जरी के बाद शरद पवार जी की तबीयत ठीक हो रही है। अगले दो दिन में उन्हें छुट्टी दे दी जाएगी। इससे पहले राकांपा नेता तथा राज्य में मंत्री नवाब मलिक ने सोमवार को कहा था कि पवार (80) के पित्ताशय का लैप्रोस्कॉपी ऑपरेशन सफल रहा है। इससे पहले 30 मार्च को राकांपा अध्यक्ष की पित्त वाहिका से एक पथरी निकालने के लिए अस्पताल में आपातकालीन एंडोस्कोपी की गई थी।

समस्या कोविड-19 के टीके की कमी की नहीं, बल्कि योजना की : सरकार

भाषा। नई दिल्ली

केंद्र सरकार ने मंगलवार को कहा कि राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों के पास अब भी कोविड-19 के टीकों की 1.67 करोड़ से अधिक खुराक हैं और समस्या टीकों की कमी की नहीं, बल्कि बेहतर योजना की है।

केंद्रीय स्वास्थ्य सचिव राजेश भूषण ने संवाददाता सम्मेलन में कहा कि अभी तक राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों को 13,10,90,370 टीकों की खुराक मिली हैं, जिनमें से कुल खपत 11,43,69,677 खुराकों की ही हुई है। इनमें बेकार हुईं खुराकें भी शामिल हैं।

उन्होंने कहा, पूर्वाह्न 11 बजे तक के आंकड़ों के अनुसार राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों के पास अभी इस्तेमाल नहीं की गईं 1,67,20,693 खुराकें हैं। आज से अप्रैल के अंत तक राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों को 2,01,22,960 खुराकों की आपूर्ति की जाएगी। भूषण ने कहा, इससे स्पष्ट दिखाई देता है कि समस्या बेहतर योजना की कमी की है, टीकों की खुराक की कमी की नहीं है। हमने समय-समय पर राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों को टीकों की खुराक उपलब्ध कराई हैं और जैसा कि हमने आपको पहले बताया था कि बड़े राज्यों को हम एक बार में चार दिन की आपूर्ति देते हैं और चौथे तथा पांचवें दिन हम फिर से आपूर्ति करते हैं। छोटे राज्यों के लिए हम एक बार में सात-आठ दिन की खुराकों की आपूर्ति करते हैं और सातवें या आठवें दिन आपूर्ति दोबारा की जाती है।

उन्होंने कहा कि केरल में टीके की एक भी खुराक बर्बाद नहीं हुई है, वहीं दूसरी तरफ अन्य राज्यों में 8-9 प्रतिशत खुराक बेकार जा रही हैं। देश में कोरोना वायरस के हालात का जिक्र करते हुए भूषण ने कहा कि संक्रमण का पहले का सर्वोच्च स्तर पार हो चुका है और मामले तेजी से बढ़ रहे हैं तथा यही चिंता की बात है।

उन्होंने कहा, पहले सितंबर में एक दिन में सर्वाधिक मामले 94,372 के स्तर पर थे, जो आज 1,61,736 प्रतिदिन के स्तर पर पहुंच गया है। भूषण के मुताबिक मौत के मामलों में भी इजाफा देखने को मिल रहा है। उन्होंने कहा कि सर्वाधिक चिंता वाले राज्यों में महाराष्ट्र, दिल्ली, उत्तर प्रदेश, हरियाणा और गुजरात आदि हैं। नीति आयोग के सदस्य (स्वास्थ्य) वी के पॉल ने कहा कि गंभीर स्थिति पैदा हो रही है। कुछ राज्यों में हालात ज्यादा खराब हैं लेकिन समस्या पूरे देश में है और जांच, नजर रखने, रोगियों का पता लगाने तथा उपचार करने की रणनीति पर सतत ध्यान होना चाहिए। उन्होंने कहा कि उचित कोविड व्यवहार का पालन करने तथा टीका लगाने पर भी जोर होना चाहिए। रेमडेसिविर टीके की कमी की खबरों के बीच पॉल ने कहा कि यह दवा केवल अस्पताल में भर्ती, गंभीर रोगियों को देनी होती है और घरों में इसके इस्तेमाल का कोई सवाल ही नहीं उठता तथा केमिस्ट की दुकान से इन्हें नहीं खरीदा जाना चाहिए। उन्होंने कहा, कुछ इलाकों में रेमडेसिविर की कमी सामने आई जिसके बाद इसके निर्यात पर रोक लगा दी गई है। अब यह दवा पर्याप्त रूप से उपलब्ध है। हम डॉक्टरों से अपील करते हैं कि अस्पतालों में भर्ती रोगियों के लिए रेमडेसिविर का तर्कसंगत, उचित और सही इस्तेमाल सुनिश्चित करें।

सोनितपुर जिले के तेजपुर में रोंगाली बिहू उत्सव के अवसर पर उरुका अनुष्ठान करतीं महिलाएं

कोविड-19 की दूसरी लहर चिंताजनक: केंद्र

भाषा। नई दिल्ली

भारत में कोविड-19 की दूसरी लहर के संकट पर चिंता व्यक्त करते हुए केंद्र ने कहा कि महाराष्ट्र, छत्तीसगढ़, उत्तर प्रदेश और गुजरात जैसे राज्यों को आरटी-पीसीआर जांच में तेजी लाने की जरूरत है। केंद्रीय स्वास्थ्य सचिव राजेश भूषण ने प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए कहा कि केंद्र, महामारी से मुकाबला करने में लगातार राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों की सहायता करने का प्रयास कर रहा है। उन्होंने कहा कि पहले संक्रमण के जो दैनिक मामले सामने आए थे अब उससे ज्यादा मामले सामने आ रहे हैं और यह आंकड़ा बढ़ता ही जा रहा है जो चिंता का विषय है। भूषण ने कहा कि प्रतिदिन सामने आने वाले मामलों की पिछली सर्वाधिक संख्या सितंबर में 94,372 थी जो अब 1,61,736 हो गई है और इसके साथ ही मृतकों की संख्या भी बढ़ती जा रही है। उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र के संदर्भ में प्रतिदिन सामने आने वाले औसत मामलों की संख्या में हफ्ते-दर-हफ्ते उल्लेखनीय वृद्धि देखने को मिली है और अब यह 57,000 के पार पहुंच गई है। उन्होंने कहा, प्रति दस लाख व्यक्तियों पर जांच बढ़ रही है लेकिन यह प्रतिदिन सामने आने वाले औसत मामलों के बराबर नहीं है। आरटी पीसीआर जांच की संख्या घट रही है इसलिए हम राज्यों से अनुरोध करते हैं कि वे इसकी तरफ ध्यान दें। भूषण ने कहा कि आदर्श अनुपात 70 प्रतिशत आरटी पीसीआर और 30 प्रतिशत रेपिड एंटीजेन जांच का है क्योंकि दोनों जरूरी हैं। उन्होंने कहा कि रेपिड एंटीजेन जांच का महत्व प्रारंभिक जांच के तौर पर है और यह उन जगहों पर जरूरी है जहां घनी आबादी है या जहां हाल ही में ढेर सारे नए मामले सामने आए हैं।

ममता को अपनी हार का अहसास हो गया है: राजनाथ

भाषा। मध्यमग्राम, स्वरूपनगर

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने मंगलवार को दावा किया कि पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को अहसास हो गया है कि तृणमूल कांग्रेस राज्य में विधानसभा चुनाव हार जाएगी और इसलिए वह लोगों को हिंसा के लिए भड़का रही हैं। सिंह ने कहा कि बनर्जी के राजनीतिक रणनीतिकार (प्रशांत किशोर) ने स्वीकार किया था कि बंगाल में भाजपा को बहुमत मिल रहा है और यह भी स्वीकार किया था कि प्रधानमंत्री मोदी देश में सबसे लोकप्रिय नेता हैं। उन्होंने उत्तर 24 परगना जिले के मध्यमग्राम में एक रैली को संबोधित करते हुए कहा कि अब ममता बनर्जी को भी यह तथ्य स्वीकार कर लेना चाहिए। उन्होंने कहा, संभवत: ममता बनर्जी ने स्वीकार कर लिया है कि वह भी हारने जा रही हैं। यह उनकी निराशा और राजनीतिक विरोधियों के लिए इस्तेमाल की जाने वाली भाषा से झलकता है। वह लोगों को हिंसा के लिए भड़का रही हैं।

उन्होंने सुरक्षा और विकास का वादा किया और टीएमसी कार्यकर्ताओं से अपील की कि वे भाजपा में शामिल हों। राज्य में हो रहे विधानसभा चुनावों को जन आंदोलन बताते हुए सिंह ने कहा कि उनका मानना है कि पश्चिम बंगाल के लोग अपने वोट का इस्तेमाल सकारात्मक बदलाव लाने में करेंगे और टीएमसी को सत्ता से बाहर करेंगे। सिंह ने आरोप लगाए कि बनर्जी के तृणमूल कांग्रेस के शासनकाल में भाजपा के करीब 200 कार्यकर्ताओं की पिछले एक दशक में हत्या हो चुकी है और अगर किसी राज्य में कानून-व्यवस्था की स्थिति खराब होती है तो मुख्य जिम्मेदारी मुख्यमंत्री की होती है। उन्होंने कहा कि पश्चिम बंगाल में ममता बनर्जी के शासनकाल में अभूतपूर्व अपराध और हिंसा हुई है और भगवा दल के सत्ता में आते ही यह हर किसी की सुरक्षा सुनिश्चित करेगी। सिंह ने कहा कि हमारे कार्यकर्ताओं की दिनदहाड़े हत्या कर दी गई और उनके शव पेड़ों से टांग दिए गए। उन्होंने कहा कि वह हर भाजपा कार्यकर्ता को आश्वस्त करना चाहते हैं कि जो लोग भी दो मई के बाद इस तरह के काम करने का प्रयास करेंगे, उन्हें कड़े दंड का सामना करना होगा। सिंह ने कहा कि वह न केवल भाजपा कार्यकर्ताओं की सुरक्षा के लिए प्रतिबद्धता जताते हैं बल्कि इस राज्य के हर नागरिक की रक्षा की जाएगी। उन्होंने कहा, मैं टीएमसी के कार्यकर्ताओं से अपील करता हूं कि किसी दबाव या भय में उस पार्टी के लिए काम नहीं करें। भाजपा में शामिल हो जाइए और हम आपकी रक्षा करेंगे और आपका विकास सुनिश्चित करेंगे। सिंह ने कहा कि वह यह जानकर स्तब्ध रह गए कि बनर्जी ने अल्पसंख्यक मतदाताओं से एकजुट होकर टीएमसी के लिए वोट करने की अपील की और उन पर तुष्टिकरण एवं ध्रुवीकरण की राजनीति करने के आरोप लगाए।

पश्चिम बंगाल में कोरोना वायरस संक्रमण के 4,817 नए मामले

कोलकाता। पश्चिम बंगाल में पिछले चौबीस घंटे में कोरोना वायरस संक्रमण के 4,817 नए मामले सामने आए जो कि प्रतिदिन सामने आने वाले मामलों की सर्वाधिक संख्या है। इसके साथ ही मंगलवार को कुल मामले बढ़कर 6,24,224 हो गए। स्वास्थ्य विभाग की ओर से जारी एक बुलेटिन में यह जानकारी दी गई। राज्य में कोविड-19 से 20 और मरीजों की मौत हो गई जिससे मृतकों की संख्या 10,434 पर पहुंच गई। कोलकाता में एक दिन में संक्रमण के 1,271 नए मामले सामने आए। राज्य में अभी 29,050 मरीज उपचाराधीन हैं।

डॉ. आंबेडकर के आदर्शों को आत्मसात करने का संकल्प लें

भाषा। नई दिल्ली

राष्ट्रपति राम नाथ कोविंद ने मंगलवार को कहा कि लोगों को डॉ. भीमराव रामजी आंबेडकर के जीवन और विचारों से सीख लेकर उनके आदर्शों को अपने जीवन में आत्मसात करना चाहिए और तथा भारत को मजबूत, संपन्न बनाने में योगदान देना चाहिए। राष्ट्रपति ने संविधान निर्माता डॉ. आंबेडकर की जयंती की पूर्व संध्या पर देशवासियों को शुभकामनाएं दीं। राष्ट्रपति ने कहा, भारत के संविधान निर्माता डॉ. भीमराव रामजी आंबेडकर की जयंती पर, मैं देशवासियों को हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं देता हूं। राष्ट्रपति ने कहा, अपने पूरे प्रेरक जीवन में डॉ. आंबेडकर ने भारी मुश्किलों के बीच अपने विशेष मार्ग का निर्माण किया और अपनी असाधारण व बहुआयामी उपलब्धियों के लिए सराहना हासिल की। राष्ट्रपति ने कहा कि आंबेडकर मानवाधिकारों के पुरजोर समर्थक थे, जिन्होंने भारत के वंचित समुदायों के लोगों के सामाजिक-आर्थिक स्तर में सुधार और उनके बीच शिक्षा के प्रसार के उद्देश्य से बहिष्कृत हितकारिणी सभा का गठन किया था। कोविंद ने कहा, डॉ. आंबेडकर ने एक बेहतर और न्यायपूर्ण समाज की कल्पना की थी और जीवन भर इसके लिए संघर्ष किया। वह एक आधुनिक भारत का निर्माण करना चाहते थे, जहां जाति के आधार पर या किसी अन्य वजह से कोई भेदभाव न हो, जहां सदियों से पिछड़ेपन से जूझ रहीं महिलाएं और समुदाय आर्थिक व सामाजिक अधिकारों की समानता का लुत्फ उठा सकें। राष्ट्रपति भवन द्वारा जारी बयान में राष्ट्रपति के हवाले से कहा गया, डॉ. आंबेडकर की जयंती के अवसर पर, आइए उनके जीवन और विचारों से सबक लेकर उनके आदर्शों को अपने जीवन में आत्मसात करने का संकल्प लें।

पश्चिम बंगाल में कल चुनाव प्रचार की शुरुआत करेंगे राहुल

भाषा। नई दिल्ली

कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी बुधवार को पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में प्रचार अभियान की शुरुआत करेंगे। पार्टी की ओर से जारी राहुल के चुनावी कार्यक्रम के मुताबिक, वह पहले उत्तरी दिनाजपुर और फिर दार्जिलिंग में चुनावी सभाओं को संबोधित करेंगे। पश्चिम बंगाल में इस बार के विधानसभा चुनाव में राहुल गांधी का यह पहला दौरा होगा। इससे पहले उन्होंने असम, केरल और तमिलनाडु के विधानसभा चुनावों में पार्टी के लिए कई सभाएं, रोडशो और जनसंपर्क कार्यक्रम किए। गौरतलब है कि पश्चिम बंगाल में चार चरणों का मतदान संपन्न हो चुका है। अभी चार चरणों का मतदान शेष है। कांग्रेस वाम दलों और नई पार्टी इंडियन सेक्युलर फ्रंट (आईएसएफ) के साथ गठबंधन कर पश्चिम बंगाल में चुनाव लड़ रही है।

बीपीएफ के नौ उम्मीदवार छत्तीसगढ़ के रिसोर्ट में

रायपुर। असम में विधानसभा चुनाव में अंतिम दौर का मतदान समाप्त होने के बाद बोडोलैंड पीपुल्स फ्रंट (बीपीएफ) के नौ उम्मीदवारों के छत्तीसगढ़ पहुंचने की जानकारी है। बीपीएफ ने इस बार असम में कांग्रेस के साथ गठबंधन किया है। छत्तीसगढ़ में कांग्रेस के एक वरिष्ठ नेता ने नाम नहीं छापने के शर्त पर बताया कि शनिवार को बीपीएफ के नौ उम्मीदवार विमान से रायपुर पहुंचे और उन्हें नवा रायपुर के एक रिसॉर्ट में ठहराया गया है। कांग्रेस नेता ने बताया कि बीपीएफ उम्मीदवारों के दो मई तक यहां ठहरने की उम्मीद है। दो मई को असम में वोटों की गिनती होगी। उन्होंने बताया कि असम विधानसभा चुनाव में बीपीएफ के 12 उम्मीदवार थे, लेकिन चुनाव के दौरान एक उम्मीदवार ने पहले ही भारतीय जनता पार्टी में शामिल होने का फैसला कर लिया है जिसके बाद नौ उम्मीदवार छत्तीसगढ़ पहुंच गए हैं। असम में भारतीय जनता पार्टी के नेतृत्व वाली सरकार में बीपीएफ भी शामिल था। लेकिन इस बार के चुनाव में बीपीएफ ने कांग्रेस का साथ दिया है और वह 10 पार्टियों वाली महागठबंधन महाजोत का हिस्सा है। असम के 126 सीटों वाले विधानसभा के लिए चुनाव कराया जा रहा है। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल, उनके मंत्रिमंडल के सहयोगियों और राज्य के अन्य वरिष्ठ कांग्रेस नेताओं ने असम में व्यापक चुनाव प्रचार किया है।

महाराष्ट्र के दो अस्पतालों में ऑक्सीजन की कमी से 10 लोगों की मौत, परिवारों का दावा

भाषा। मुंबई

पड़ोस के पालघर जिले के दो अस्पतालों में कोविड-19 से जान गंवाने वाले 10 लोगों के रिश्तेदारों ने आरोप लगाया कि ऑक्सीजन की कमी के चलते उन्होंने दम तोड़ दिया जबकि निगम के अधिकारियों और अस्पताल के प्रबंधन ने आरोपों को खारिज किया है। नालासोपारा पूर्व स्थित विनायक अस्पताल में सोमवार को कोरोना वायरस संक्रमण से सात मरीजों की जबकि रिद्धि विनायक अस्पताल में तीन मरीजों मौत हो गई। मरीजों के परिजन ने दावा किया कि अस्पतालों में ऑक्सीजन आपूर्ति की कमी से उनकी मौत हुई। मामले ने तब और तूल पकड़ लिया जब वसई विरार नगर निगम के पूर्व महापौर राजीव पाटिल ने एक ऑडियो क्लिप में दावा किया कि गंभीर रूप से बीमार मरीजों के इलाज के लिए जरूरी ऑक्सीजन की आपूर्ति नहीं होने के कारण अस्पतालों में मौत हुई। आरोपों को खारिज करते हुए वसई विरार नगर निगम के उपायुक्त किशोर गवस ने मंगलवार को कहा कि गंभीर हालत में होने के कारण मरीजों की मौत हुई। विनायक अस्पताल से जारी एक विज्ञप्ति में कहा गया कि ऑक्सीजन की पर्याप्त आपूर्ति हो रही है इसलिए इनकी कमी को मरीजों की मौत से जोड़ना तथ्यात्मक रूप से गलत है।

धर्मशाला में भाजपा के महापौर निर्विरोध चुने गए

धर्मशाला (हिप्र)। भाजपा के ओंकार नेहरिया निर्विरोध धर्मशाला नगर निगम के महापौर चुने गए हैं, जबकि निर्दलीय पार्षद सर्व चंद उप महापौर चुने गए। यह पहला मौका है जब धर्मशाला नगर निगम की कमान भाजपा संभाल रही है। पार्टी ने हाल ही में नगर निगम चुनावों में 17 वार्डों में से आठ में जीत हासिल की थी और उसे तीन निर्दलीय पार्षदों का समर्थन भी प्राप्त है। कांग्रेस के पार्षदों ने महापौर पद के लिए नामांकन पत्र दाखिल नहीं किया था, जिस कारण नेहरिया इस पद के लिए निर्विरोध चुने गए। उप महापौर पद के लिए भाजपा ने सर्व चंद का समर्थन किया। उन्होंने कांग्रेस के पूर्व महापौर देवेंदर जग्गी को हराया। चंद को 11 मत मिले जबकि जग्गी को सिर्फ छह वोट हासिल हुए। कांग्रेस इस बार पांच सीट जीती। पिछले निगम में उसके 13 पार्षद थे जबकि भाजपा के मात्र चार पार्षद थे।

भगवान हनुमान का जन्म तिरुमला में होने की बात साबित करने के लिए 21 को जारी होगी पुस्तिका

तिरूपति। तिरुमला तिरुपति देवस्थानम ने मंगलवार को कहा कि भगवान हनुमान का जन्म तिरुमाला की सात पवित्र पहाड़ियों में से एक में होने की बात साबित करने के लिए साक्ष्य आधारित पुस्तिका का विमोचन अब 21 अप्रैल को रामनवमी के दिन किया जाएगा। इससे पहले कहा गया था कि पुस्तिका तेलुगू नव वर्ष उगाड़ी के दिन (आज) जारी की जाएगी।

एक वरिष्ठ अधिकारी ने पीटीआई-भाषा से कहा कि तिरुमला तिरुपति देवस्थानम (टीटीडी) द्वारा गठित विद्वानों की एक समिति ने अपने इस दावे की पुष्टि करने के लिए ठोस सबूत पहले ही इकट्ठा कर लिए हैं कि तिरुमला में अंजनाद्री ही हनुमान का जन्म स्थान था।

उन्होंने कहा कि इस संबंध में एक विस्तृत पुस्तक तैयार करने में अभी कुछ और महीने लगेंगे। उन्होंने कहा कि समिति लंदन लाइब्रेरी से अंजनाद्री पर एक पुस्तक की प्रति प्राप्त करने की कोशिश कर रही है। समिति ने पहले पौराणिक और वैज्ञानिक सबूतों के साथ तेलुगु नववर्ष दिवस पर अंजनाद्री को भगवान हनुमान के जन्मस्थान के रूप में घोषित करने की योजना बनाई थी।

अस्पतालों के बिस्तर सेलिब्रिटी लोगों ने घेर रखे हैं: मंत्री

मुंबई (भाषा)। महाराष्ट्र के मंत्री असलम शेख ने मंगलवार को आरोप लगाया कि कुछ सेलिब्रिटी लोग और क्रिकेट खिलाड़ी कथित तौर पर कोरोना वायरस संक्रमण के गंभीर लक्षण नहीं होने के बावजूद बड़े अस्पतालों में भर्ती हो गए हैं जिसके कारण अस्पतालों में बिस्तर भरे हुए हैं। संवाददाताओं से बातचीत में शेख ने दावा किया कि फिल्म उद्योग के लोगों और क्रिकेट खिलाड़ियों ने प्रमुख निजी अस्पतालों में लंबे समय से बिस्तर घेर रखे हैं। राज्य के कपड़ा मंत्री शेख ने कहा, फिल्म जगत के कुछ लोग और कुछ क्रिकेट खिलाड़ी संक्रमण के मामूली लक्षण होने अथवा कोई लक्षण नहीं होने के बावजूद प्रमुख निजी अस्पतालों में भर्ती हो गए हैं और लंबे समय से बिस्तरों को घेरे हुए हैं। शेख ने कहा कि यदि ए लोग अस्पतालों में भर्ती होने से बचते तो राज्य में कोरोना वायरस से पीड़ित जरूरतमंद मरीजों को भर्ती किया जा सकता था। कोरोना वायरस के मामले बढ़ने के साथ ही महाराष्ट्र सरकार बेड क्षमता बढ़ाने के लिए काम कर रही है। उसने अगले पांच से छह हफ्ते में मुंबई में मैदानों में तीन विशालकाय अस्पतालों की स्थापना की घोषणा की है।

पेज 1 का शेष

महाराष्ट्र में...

संक्रमण की रोकथाम के लिए महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे की घोषणा के पहले वित्तीय राजधानी में मंगलवार शाम लोग अफरा-तफरी में घरों से जरूरी सामान खरीदने के लिए दुकानों में पहुंचने लगे। दूसरी ओर मुख्यमंत्री ने कहा कि महाराष्ट्र में ऑक्सीजन की आपूर्ति और बिस्तरों की कमी है और रेमडेसिविर की मांग बढ़ गई है। उन्होंने कहा कि केंद्र को वायुसेना के विमानों का इस्तेमाल कर राज्य में कोरोना वायरस के रोगियों के लिए ऑक्सीजन की आपूर्ति करने में मदद करनी चाहिए। मुख्यमंत्री ने कहा, कोरोना वायरस के खिलाफ युद्ध एक बार फिर शुरू हो गया है। उन्होंने कहा कि कोविड-19 के मामलों में बढ़ोतरी होने से महाराष्ट्र के स्वास्थ्य ढांचे पर दबाव काफी बढ़ गया है। दूसरी ओर महाराष्ट्र के मंत्री असलम शेख ने मंगलवार को आरोप लगाया कि कुछ सेलिब्रिटी लोग और क्रिकेट खिलाड़ी कथित तौर पर कोरोना वायरस संक्रमण के गंभीर लक्षण नहीं होने के बावजूद बड़े अस्पतालों में भर्ती हो गए हैं जिसके कारण अस्पतालों में बिस्तर भरे हुए हैं। संवाददाताओं से बातचीत में शेख ने दावा किया कि फिल्म उद्योग के लोगों और क्रिकेट खिलाड़ियों ने प्रमुख निजी अस्पतालों में लंबे समय से बिस्तर घेर रखे हैं। राज्य के कपड़ा मंत्री शेख ने कहा, फिल्म जगत के कुछ लोग और कुछ क्रिकेट खिलाड़ी संक्रमण के मामूली लक्षण होने अथवा कोई लक्षण नहीं होने के बावजूद प्रमुख निजी अस्पतालों में भर्ती हो गए हैं और लंबे समय से बिस्तरों को घेरे हुए हैं। शेख ने कहा कि यदि ये लोग अस्पतालों में भर्ती होने से बचते तो राज्य में कोरोना वायरस से पीड़ित जरूरतमंद मरीजों को भर्ती किया जा सकता था।

स्पुतनिक के...

पास 1.67 करोड़ टीके उपलब्ध हैं। देशभर में चल रहे कोविड टीकाकरण कार्यक्रम की शुरुआत बीते 16 जनवरी को हुई थी। इस समय लोगों को ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी-एस्ट्राजेनेका द्वारा विकसित और सीरम इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया (एसआईआई) द्वारा उत्पादित कोविशील्ड तथा भारत बायोटेक का स्वदेशी टीका कोवैक्सीन लगाया जा रहा है। केंद्र सरकार ने विशेषज्ञ पैनल की उस सिफारिश को मान लिया है जिसमें अमेरिका, यूरोप, ब्रिटेन द्वारा विकसित व निर्मित कोविड-19 की वैक्सीन को सीमित उपयोग के लिए आपातकालीन स्वीकृति प्रदान करने को कहा गया है। अब उम्मीद की जा रही है कि जापान या डब्ल्यूएचओ की सूची वाली वैक्सीन को भी मंजूरी मिल सकती है। विशेषज्ञों के पैनल ने स्थानीय क्लीनिकल ट्रायल के बजाय, इसके समानांतर पोस्ट-एप्रूवल की आवश्यकता को जरूरी बताया है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार शुरुआती 100 लाभार्थियों को विदेशी वैक्सीन लगाने के बाद सात दिनों तक सुरक्षा मानकों का अध्ययन करने के बाद देशभर में टीकाकरण कार्यक्रम में इन वैक्सीन को शामिल किया जाएगा। रूस की स्पुतनिक वैक्सीन को विशेषज्ञ समिति की सिफारिशों के आधार आपाताकालीन उपयोग की अनुमति दी गई है। इस वैक्सीन के तीसरे चरण के क्लीनिकल ट्रायल के नतीजे लांसेट जर्नल में प्रकाशित किए गए हैं।

अमेरिका में...

गया है। जन टीकाकरण केंद्र और अमेरिकी संघीय वितरण केंद्र जॉनसन ऐंड जॉनसन के टीके की खुराक देने को अस्थाई रूप से रोक देंगे और प्रांतों तथा टीकाकरण करने वाले अन्य पक्षों से भी इसका अनुपालन करने की उम्मीद की जा रही है। हालांकि, दो अन्य टीके मॉडरेना और फाइजर, पर यह अस्थाई रोक लागू नहीं होगी।

देशभर में...

में 156, शाहजहांपुर में 59, देवरिया में 119, रायबरेली में 274, आजमगढ़ में 204, बुलंदशहर में 89, हरदोई में 146, इटावा में 138, गाजीपुर में 289, कुशीनगर में 64, प्रतापगढ़ में 144, महाराजगंज में 83, रामपुर में 49, चंदौली में 75, सोनभद्र में 183, सुलतानपुर में 198, बस्ती में 68, गोंडा में 93, सीतापुर में 77, उन्नाव में 95, फर्रुखाबाद में 72, बिजनौर में 77, अमरोहा में 44, बांदा में 116, हापुड़ में 66, बहराइच में 68, ललितपुर में 125, फिरोजाबाद में 40, बदायूं में 78, जालौन में 78, सिद्धार्थनगर में 38, मिर्जापुर में 118, पीलीभीत में 16, शामली में 48, फतेहपुर में 42, मैनपुरी में 57, अमेठी में 40, औरैया में 84, संत कबीर नगर में 23, संभल में 34, मऊ में 73, एटा में 68, भदोही में 84, बलरामपुर में 41, चित्रकूट में 85, कौशाम्बी में 54, बागपत में 23, कानपुर देहात में 31, अम्बेडकरनगर में 47, कासगंज में 8, हमीरपुर में 47, महोबा में 24, श्रावस्ती में 14 और हाथरस में कोरोना के पांच नए मरीज मिले हैं।

प्रधानमंत्री ने...

हम सभी इसके खिलाफ एकजुट नहीं हो जाते। इसलिए कई बाधाओं के बावजूद हमने 80 से अधिक देशों को कोविड-19 रोधी टीके उपलब्ध कराए। उन्होंने कहा कि इस महामारी के खिलाफ जंग से मिले अनुभवों, विशेषज्ञता और संसाधनों को भारत दुनिया भर से साझा करता रहेगा।

ममता ने...

देना चाहिए था। इसके अलावा आयोग ने बंगाल के भाजपा अध्यक्ष दिलीप घोष को आपत्तिजनक बयान देने के लिए नोटिस दिया है। उन्हें अपने आचरण पर बुधवार तक आयोग को जवाब देना होगा। घोष ने कहा था कि यदि शरारती लड़के नहीं सुधरते तो सीतलकूची जैसी घटनाएं और जगह भी होंगी। चुनाव प्रचार से प्रतिबंधित होने के बावजूद ममता बनर्जी मंगलवार को पूरे दिन सुर्खियों में बनी रहीं। उन्होंने व्हीलचेयर पर बैठकर मंगलवार दोपहर 12 बजे से अपना धरना शुरू किया। पास ही उनकी वह छोटी टेबल भी रखी थी जिसे वह पेंटिंग बनाने में इस्तेमाल करती हैं। मुख्यमंत्री के इर्द-गिर्द उनकी पार्टी का कोई नेता नहीं दिख रहा था। कुछ दूरी पर उनके सुरक्षा कर्मी तैनात थे और कुछ सौ मीटर दूर अन्य लोगों की भीड़ लगी थी। ममता शांत भाव से पेंटिंग बनाने में व्यस्त रहीं। उन्होंने दोपहर बाद तीन बजे अपना धरना समाप्त किया। आगामी शनिवार को होने वाले बेहद महत्वपूर्ण पांचवें चरण के मतदान से पहले मंगलवार को ममता बनर्जी को तीन बड़ी रैलियों को संबोधित करना था। बुधवार को बनर्जी कूच बिहार में माथाभांगा जाएंगी, जहां 10 अप्रैल को केंद्रीय बलों की गोलीबारी में चार लोगों की मौत हो गई थी।

आरोपों से...

से इनकार किया, लेकिन जैसे ही यह बात सामने आई कि 2016 में खुद मुख्यमंत्री पिनारई विजयन ने अदीब की नियुक्ति पेपर पर हस्ताक्षर किए थे जबकि अदीब इस पद के काबिल भी नहीं थे। इस खबर के फैलते ही स्थितियां काफी बदल गईं। सरकारी नियंत्रण वाले संस्थान में वरिष्ठ पद पर अदीब की नियुक्ति को लेकर कैबिनेट में कोई चर्चा नहीं की गई थी। यह बात भी सामने आई है कि राज्य के सामान्य प्रशासन विभाग की सलाह के विपरीत जाकर विजयन ने नियुक्ति पेपर पर दस्तखत किए थे। विभाग ने कहा था कि अदीब संबंधित पद पर नियुक्ति की योग्यता नहीं रखते। जलील ने जुबान बंद रखने के लिए अधिकारियों को धमकियां भी दी थीं। इससे पहले एलडीएफ की सरकार बनने के सिर्फ पांच महीने बाद ही उद्योग मंत्री ई पी जयराजन को अपने भतीजे और कन्नूर से पूर्व सांसद पीके श्रीमती के बेटे को केरल उद्योग एंटरप्राइजेज लिमिटेड का प्रबंध निदेशक नियुक्त कराने को लेकर इस्तीफा देना पड़ा था। जलील ने इस्तीफा ऐसे समय दिया है जब एलडीएफ सरकार का कार्यकाल पूरा होने में कुछ ही दिन बचे हैं और राज्य में छह अप्रैल को विधानसभा चुनाव हुए थे। चुनाव नतीजे दो मई को आएंगे।

इस बार...

लगेगा। हालांकि समुद्र की सतह के ठंडा होने की यह प्रक्रिया बहुत धीमी रहेगी। इस आधार पर कह सकते हैं कि मानसून को खराब करने वाले अल नीनो के उभरने की आशंका इस साल के मानसून में नहीं है। स्काइमेट वेदर ने जनवरी में अपने पूर्वानुमान में भी सामान्य मानसून रहने का अनुमान जताया था। देश के मौसम के बारे में आधिकारिक तौर पर अनुमान जारी करने वाले मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) इस सप्ताह अपना पूर्वानुमान जारी कर सकता है।

सिद्धार्थ बनेंगे नाडा के महानिदेशक

नई दिल्ली। भारतीय प्रशासनिक सेवा के अधिकारी सिद्धार्थ सिंह लॉगजाम राष्ट्रीय डोपिंग रोधी एजेंसी (नाडा) के अगले महानिदेशक होंगे। वह नवीन अग्रवाल की जगह लेंगे। लॉगजाम अभी खेल मंत्रालय में संयुक्त सचिव हैं और अभी निलंबित चल रही राष्ट्रीय डोप परीक्षण प्रयोगशाला (एनडीटीएल) के सीईओ की भूमिका भी निभा रहे हैं। भारतीय पुलिस सेवा के अधिकारी अग्रवाल ने 2016 में नाडा का प्रभार संभाला था और वह अब जम्मू एवं कश्मीर पुलिस में वापस जाएंगे। अग्रवाल ने अपने कार्यकाल का आकर्षण देश के लगभग 60 एलीट खिलाड़ियों के खिलाड़ी जैविक पासपोर्ट (एबीपी) को तैयार करने को बताया। उन्होंने कहा कि यह डोपिंग के दंश को रोकने के लिए बड़ा कदम होगा।

हाकी: बलबीर सिंह जूनियर का निधन

चंडीगढ़। एशियाई खेल 1958 रजत पदक विजेता भारतीय हॉकी टीम के सदस्य बलबीर सिंह जूनियर का यहां 88 वर्ष की उम्र में निधन हो गया। दो जून 1932 को जालंधर के संसारपुर में जन्मे बलबीर सिंह जूनियर छह वर्ष की उम्र से हॉकी खेलना सीखे। उनका 1951 में पहली बार भारतीय टीम में चयन हुआ। वह 1962 में भारतीय सेना से जुड़े और सेना की टीम के लिए खेलते रहे। वह 1984 में मेजर के पद से रिटायर होने के बाद चंडीगढ़ में बस गए थे। उनकी बेटी मनदीप सामरा ने कहा कि मेरे पिता ने रविवार को तड़के दिल का दौरा पड़ने से दम तोड़ा। उनका बेटा कनाडा में है और कोरोना महामारी के कारण पिता के अंतिम संस्कार में भाग नहीं ले सका।

खाली पार्क से गुजरी ओलंपिक टॉर्च

टोक्यो। कोरोना संक्रमण के मामले बढ़ने के कारण टोक्यो ओलंपिक की टॉर्च रिले यहां मंगलवार को लगभग खाली पड़े पार्क से गुजरी। सरकार ने बताया कि ओसाका में कोरोना संक्रमण के 1099 नए मामले आए हैं जो जापान के दूसरे सबसे बड़े शहर में एक दिन में सर्वाधिक मामलों का रिकॉर्ड है। टॉर्च रिले तीन सप्ताह पहले शुरू हुई थी और 23 जुलाई को ओलंपिक उद्घाटन समारोह तक इसे टोक्यो पहुंचना है। ओसाका ने पिछले सप्ताह ही टॉर्च रिले सड़क पर नहीं कराने और लोगों के प्रवेश पर रोक लगाने का फैसला किया था। अधिकांश धावक बस से पार्क में पहुंचे और छोटी दूरी तय की। उनके साथ सुरक्षा अधिकारी भी थे और पीछे एस्कॉर्ट वाहन चल रहा था।

मेदवेदेव मोंटे कार्लो मास्टर्स से बाहर

मोनाको। दूसरी रैंकिंग वाले दानिल मेदवेदेव ने कोरोना वायरस जांच में पॉजिटिव पाए जाने के बाद मोंटे कार्लो मास्टर्स टेनिस से नाम वापिस ले लिया। एटीपी ने कहा कि मेदवेदेव को पृथकवास में रखा गया है। टूर्नामेंट निदेशक और एटीपी मेडिकल टीम उनकी हालत पर नजर रखे हुए है। मेदवेदेव ने कहा कि मोंटे कार्लो में नहीं खेल पाना निराशाजनक है। मेरा फोकस अब रिकवरी पर है और मैं जल्दी से टूर पर लौटना चाहता हूं।

सैमसन को वाइड यॉर्कर डालने की रणनीति थी

मुंबई। राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ पंजाब किंग्स को आईपीएल में चार रन से रोमांचक जीत दिलाने वाले तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह ने कहा कि उनकी रणनीति शानदार फॉर्म में चल रहे संजू सैमसन को वाइड यॉर्कर डालने की थी। सैमसन 63 गेंद में 119 रन बनाकर रॉयल्स को जीत के करीब ले ही गए थे लेकिन आखिरी गेंद पर कैच दे बैठे। तेज गेंदबाज अर्शदीप ने आखिरी ओवर में रॉयल्स को 13 रन नहीं बनाने दिए। अर्शदीप ने कहा कि मैंने खुद पर भरोसा रखा। सहयोगी स्टाफ तथा गेंदबाजी कोच ने भी मुझसे यही कहा कि रणनीति पर टिके रहो और अगर चकमा देना है तो बल्लेबाज को दो, कप्तान को नहीं। अर्शदीप ने 35 रन देकर तीन विकेट लिए। उन्होंने आखिरी गेंद पर सैमसन को आउट करके टीम को जीत दिलाई।

सर्जरी के बाद आर्चर ट्रेनिंग की तैयारी में

लंदन। स्टार तेज गेंदबाज जोफ्रा आर्चर को इस हफ्ते ट्रेनिंग शुरू करने के लिए हरी झंडी मिल गई है लेकिन इंग्लैंड एवं वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) ने प्रतिस्पर्धी क्रिकेट में उनकी वापसी को लेकर कोई तारीख तय नहीं की है। आर्चर का ट्रेनिंग शुरू करना इंडियन प्रीमियर लीग टीम राजस्थान रॉयल्स के लिए अच्छी खबर है जिसे इस तेज गेंदबाज के टूर्नामेंट के दूसरे हाफ में खेलने की उम्मीद है। ईसीबी बोर्ड ने मंगलवार को कहा कि 29 मार्च को दाएं हाथ के आपरेशन के बाद यह तेज गेंदबाज अच्छी तरह से उबर रहा है। ईसीबी ने विज्ञप्ति में कहा कि इंग्लैंड और ससेक्स के गेंदबाज जोफ्रा आर्चर को उनके हाथ का उपचार कर रहे विशेषज्ञ ने ट्रेनिंग शुरू करने की स्वीकृति दे दी है क्योंकि 29 मार्च को आपरेशन के बाद वह अच्छी तरह उबर रहे हैं। विज्ञप्ति के अनुसार कि अभी हालांकि कोई फैसला नहीं किया गया है कि आर्चर प्रतिस्पर्धी क्रिकेट में कब वापसी करेंगे।

हैमस्ट्रिंग के बाद देखभाल की जरूरत: रोहित

चेन्नई। मुंबई इंडियंस के कप्तान रोहित शर्मा ने कहा है कि पिछले आईपीएल के दौरान लगी हैमस्ट्रिंग चोट के बाद से उनके शरीर को काफी रख रखाव की जरूरत है ताकि वह पूरी तरह से फिट रहें। रोहित पिछले साल आईपीएल के कुछ मैचों और आस्ट्रेलिया दौरे के शुरुआती हिस्से से बाहर रहे थे। उन्होंने मुंबई इंडियंस द्वारा ट्विटर पर डाले गए वीडियो कैप्टन्स कॉर्नर में कहा कि पिछले तीन चार महीने से यही कर रहा हूं। मैं पिछले आईपीएल में चोटिल हुआ था लिहाजा अपने शरीर के निचले हिस्से के काफी रख रखाव की जरूरत है। पहले मैच में मुंबई इंडियंस की हार के बाद खिलाड़ियों द्वारा की जा रही मेहनत के बारे में रोहित ने कहा कि हमें इस पर गर्व है। हम फिटनेस पर काफी मेहनत करते हैं। चाहे मैच हार या जीते लेकिन तैयारी अहम है। उन्होंने कहा कि कल का मैच खेलने वाले कुछ तेज गेंदबाज फिटनेस अभ्यास के लिए आए।

टीमों की अनदेखी से दुखी था: हर्षल

चेन्नई। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर के तेज गेंदबाज हर्षल पटेल ने मंगलवार को खुलासा किया कि 2018 की आईपीएल नीलामी में टीमों द्वारा अनदेखी से वह अपमानित महसूस कर रहे थे जिसने उन्हें अपनी बल्लेबाजी पर काम करने के लिए प्रेरित किया जिससे कि वह प्रभावी आलराउंडर बन सकें। 30 साल के इस क्रिकेटर को 2018 में दिल्ली कैपिटल्स ने 20 लाख रुपए के उनके आधार मूल्य पर खरीदा था लेकिन उन्हें खेलने के अधिक मौके नहीं मिले। पटेल ने आनलाइन प्रेस कांफ्रेंस के दौरान कहा, 2018 आईपीएल में काफी लोगों ने रुचि नहीं दिखाई और इससे मैं मायूस हो गया, मैंने इसे अपमान के रूप में लिया क्योंकि मैं ऐसा खिलाड़ी बनना चाहता था जो मैच विजेता हो और उसकी काफी मांग हो। उन्होंने कहा कि इसके बाद मैंने महसूस किया कि अगर मैं अपनी बल्लेबाजी पर काम करूं और लोग मेरी बल्लेबाजी पर भरोसा करने लगे तो मैं प्रभावी खिलाड़ी बन सकता हूं। मैंने बल्लेबाजी में हमेशा अच्छा किया है लेकिन कभी इस पर अधिक ध्यान नहीं लगाया। पटेल ने मुंबई इंडियन्स के खिलाफ पिछले शुक्रवार को आईपीएल में पहले मैच में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर के खिलाफ डेथ ओवरों में शानदार गेंदबाजी करते हुए पांच विकेट चटकाए जिसकी बदौलत उनकी टीम दो विकेट से जीत दर्ज करने में सफल रही।

अगली बार सैमसन हमें जीत दिलाएगा: सांगा

मुंबई। राजस्थान रॉयल्स टीम के निदेशक कुमार संगकारा ने पंजाब किंग्स के खिलाफ आईपीएल मैच में आखिरी गेंद पर स्ट्राइक अपने पास रखने के संजू सैमसन के फैसले का बचाव करते हुए कहा कि उसे जिम्मेदारी लेते देखना अच्छा लगा। कप्तान सैमसन ने 63 गेंद में 12 चौकों और सात छक्कों की मदद से 119 रन बनाए लेकिन आखिरी गेंद पर अर्शदीप सिंह को छक्का लगाने के प्रयास में आउट हो गए। पंजाब ने वह मैच चार रन से जीता। रॉयल्स को आखिरी दो गेंद में पांच रन चाहिए थे लेकिन पांचवीं गेंद पर सैमसन ने रन लेने से इनकार करके क्रिस मौरिस को वापिस भेज दिया। संगकारा ने वर्चुअल प्रेस कांफ्रेंस में कहा कि संजू को भरोसा था कि वह टीम को जीता तक ले जाएगा और वह करीब करीब ले भी गया। आखिरी गेंद पर वह पांच या छह रन पीछे रह गया वरना वह छक्का ही होता। उन्होंने कहा कि संजू को ऐसा करते देखकर अच्छा लगा। आप एक रन से चूकने की बात कर सकते हैं लेकिन मेरे लिए अहम बात खिलाड़ी का खुद पर भरोसा और प्रतिबद्धता है।

जीत की लय बनाए रखने उतरेगी रायल चैलेंज बेंगलौर

सनराइजर्स हैदराबाद के साथ मुकाबला आज

भाषा। चेन्नई

जीत के साथ आगाज करने वाली विराट कोहली की रॉयल चैलेंजर्स बेंगलौर का इरादा इंडियन प्रीमियर लीग में बुधवार को सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ इस लय को कायम रखने का होगा। आरसीबी ने पांच बार की गत चैम्पियन मुंबई इंडियंस को हराकर अपने अभियान का आगाज किया। वहीं डेविड वार्नर की कप्तानी वाली सनराइजर्स को पहले मैच में कोलकाता नाइट राइडर्स ने मात दी।

पहले मैच में शानदार प्रदर्शन के बाद आरसीबी की बल्लेबाजी प्रतिभाशाली देवदत्त पडीक्कल की वापसी से और मजबूत होगी। पडीक्कल कोरोना संक्रमण से उबर चुके हैं और अब खेलने के लिए पूरी तरह से फिट है। वह 22 मार्च को कोरोना संक्रमण की चपेट में आए थे और पृथकवास पर थे। पडीक्कल बुधवार को नहीं भी खेल पाते हैं तो आरसीबी के लिए कोहली और वाशिंगटन सुंदर पारी की शुरुआत करेंगे। आरसीबी आने वाले मैचों में मोहम्मद अजहरूद्दीन और आस्ट्रेलियाई लेग स्पिनर एडम जाम्पा को उतार सकता है। आरसीबी के लिए बल्लेबाजी का दारोमदार एबी डिविलियर्स और कोहली पर होगा जबकि आस्ट्रेलियाई हरफनमौला ग्लेन मैक्सवेल भी अपनी उपयोगिता साबित करना चाहेंगे। पहले मैच में वह सहज दिखे और कप्तान कोहली समेत टीम प्रबंधन का उन्हें समर्थन हासिल है।

कर्नाटक के 20 वर्ष के खब्बू बल्लेबाज पडीक्कल ने पिछले सत्र में 15 मैचों में टीम के लिए सर्वाधिक 473 रन बनाए थे। अपने पहले ही सत्र में उन्होंने पांच अर्धशतक जड़े थे। इसके बाद सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में छह मैचों में 218 और विजय हजारे ट्रॉफी में सात मैचों में 737 रन बनाए। पहले मैच में नाकाम रहने के बाद रजत पाटीदार और सुंदर सनराइजर्स के खिलाफ योगदान देना चाहेंगे। मुंबई के खिलाफ मैच में आरसीबी के सभी गेंदबाज किफायती साबित हुए। हर्षल पटेल ने 27 रन देकर पांच विकेट लिए और वह इस प्रदर्शन को दोहराना चाहेंगे। दूसरी ओर सनराइजर्स के दोनों सलामी बल्लेबाज रिधिमान साहा और वॉर्नर केकेआर के खिलाफ नाकाम रहे। वे लय में लौटने की कोशिश करेंगे। सनराइजर्स वॉर्नर के साथ पारी की शुरूआत के लिए जॉनी बेयरस्टो को भी उतार सकते हैं। बेयरस्टो ने पहले मैच में अर्धशतक जमाया जबकि मनीष पांडे ने 44 गेंद में 61 रन का योगदान दिया।

केन विलियमसन का इस मैच में भी खेलना संभव नहीं है क्योंकि कोच ट्रेवर बेलिस ने कहा कि उन्हें पूरी तरह फिट होने में समय लगेगा। भुवनेश्वर कुमार ने केकेआर के खिलाफ काफी रन दिए लेकिन वह ज्यादा समय खराब फॉर्म में रहने वाले गेंदबाजों में से नहीं हैं।

भारत ए का इंग्लैंड दौरा स्थगित

सीनियर टीम के टेस्ट दौरे के लिए 30 सदस्यीय टीम भेजेगा भारत

भाषा। लंदन

भारत ए का इन गर्मियों में होने वाला इंग्लैंड का दौरा स्थगित कर दिया है जबकि इस साल इंग्लैंड में पांच टेस्ट की श्रृंखला के लिए भारत की संयुक्त सीनियर टीम जाएगी। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) और इंग्लैंड एवं वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) में मंगलवार को इसे लेकर सहमति बनी। अगस्त-सितंबर में सीनियर टीम को पांच टेस्ट खेलने हैं।

पहले ही योजना के अनुसार अब भारत की सीनियर और भारत ए टीमों के बीच प्रथम श्रेणी मुकाबला नहीं होगा। इसकी जगह सीनियर टीम से ही दो टीमें बनाकर दो अभ्यास मैच खेले जाएंगे।

माना जा रहा है कि कोविड-19 महामारी के बीच दौरे के दौरान सर्वश्रेष्ठ संभावित सुरक्षित माहौल सुनिश्चित करने के लिए यह फैसला किया गया है। ईसीबी ने मंगलवार को बयान में कहा कि इंग्लैंड एवं वेल्स क्रिकेट बोर्ड और भारतीय क्रिकेट बोर्ड गर्मियों को पुरुष टीम का भारत ए दौरा स्थगित करने पर सहमत हो गए हैं। उन्होंने कहा कि पांच मैचों की इंश्योरेंस टेस्ट श्रृंखला की तैयारी और इसमें खेलने के लिए अब भारतीय पुरुष टीम अधिक खिलाड़ियों के साथ आएगी। ईसीबी ने कहा कि भारतीय टीम दो चार दिवसीय अभ्यास मैच खेलेगी जो उसी के खिलाड़ियों की दो टीमें बनाकर खेला जाएगा। पहले जुलाई में भारत की सीनियर और ए टीम के बीच दो चार दिवसीय मुकाबलों के आयोजन का कार्यक्रम था। इन दो मैचों के लिए आयोजन स्थल की पुष्टि की जाएगी। इसका मतलब हुआ कि भारत की 30 सदस्यीय टीम से दो टीमें बनाकर अभ्यास मैचों का आयोजन होगा। ईसीबी ने साथ ही कहा कि न्यूजीलैंड, श्रीलंका और पाकिस्तान के क्रिकेट बोर्ड के साथ चर्चा के बाद प्रथम श्रेणी काउंटी के खिलाड़ी उनकी पुरुष टीम के अभ्यास मैचों को रद्द करने पर सहमति बनी।

न्यूजीलैंड, श्रीलंका और पाकिस्तान की पुरुष टीमें इसकी जगह अपनी टीमों के बीच ही अभ्यास मुकाबले खेलेंगी जिससे कि इन गर्मियों में होने वाले अंतरराष्ट्रीय मुकाबलों की उचित तैयारी कर सकें।

भारतीय महिला क्रिकेट टीम इंग्लैंड में खेलेगी एक टेस्ट

भाषा। लंदन

भारतीय महिला क्रिकेट टीम जून-जुलाई में इंग्लैंड दौरे के दौरान ब्रिस्टल में एक टेस्ट मैच खेलने के अलावा तीन एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय और इतने ही टी-20 अंतरराष्ट्रीय मैचों की श्रृंखला खेलेगी। टेस्ट मैच ब्रिस्टल काउंटी ग्राउंड में 16-19 जून तक खेला जाएगा और इसके साथ इंग्लैंड की टीम के गर्मियों के सत्र की शुरुआत होगी। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के सचिव जय शाह ने इसी साल महिला टीम के टेस्ट मैच की पुष्टि की थी लेकिन मेजबान बोर्ड ने इसकी तारीख और स्थल की घोषणा मंगलवार को की। भारतीय महिला टीम 2014 के बाद पहली टेस्ट क्रिकेट खेलेगी जबकि इंग्लैंड ने पिछला टेस्ट 2019 में एशेज श्रृंखला के दौरान खेला था। एकमात्र टेस्ट के बाद तीन एकदिवसीय और तीन टी-20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले जाएंगे। दौरे का अंत 15 जुलाई को चेम्सफोर्ड में होगा। घरेलू कार्यक्रम की घोषणा के बाद इंग्लैंड एवं वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) के मुख्य कार्यकारी अधिकारी टॉम हैरिसन ने कहा कि हम गर्मियों के व्यस्त सत्र को लेकर उत्सुक हैं, यह इंग्लैंड की महिला टीम के लिए महत्वपूर्ण साल होगा और हम भारत तथा न्यूजीलैंड की मेजबानी को लेकर उत्सुक हैं। उन्होंने कहा कि दो अंतरराष्ट्रीय श्रृंखलाओं के बीच में द हंड्रेड टूर्नामेंट खेला जाएगा जबकि गर्मियों में राशेल हेहोई फ्लिंट ट्रॉफी और नए क्षेत्रीय टी-20 टूर्नामेंट का भी आयोजन होगा। हैरिसन ने कहा कि 2022 आईसीसी महिला विश्व कप के करीब होने के कारण यह बेहद महत्वपूर्ण है कि इंग्लैंड टीम इसके लिए अच्छी तैयारी कर पाए।

भुवनेश्वर बने आईसीसी के महीने के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी

दुबई। भारत के अनुभवी तेज गेंदबाज भुवनेश्वर कुमार को इंग्लैंड के खिलाफ मार्च में सीमित ओवरों की श्रृंखला में शानदार प्रदर्शन के लिए आईसीसी महीने का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुना गया। भुवनेश्वर ने तीन वनडे में 4.65 की औसत से छह विकेट लिए जबकि पांच टी20 में 6.38 की औसत से चार विकेट चटकाए। उन्होंने आईसीसी द्वारा जारी विज्ञप्ति में कहा कि लंबे और दर्दनाक ब्रेक के बाद भारत के लिए फिर खेलने की खुशी थी। मैंने इस दौरान अपनी फिटनेस और तकनीक पर काफी काम किया। भारत के लिए फिर विकेट लेकर अच्छा लग रहा है। भुवनेश्वर यह पुरस्कार पाने वाले लगातार तीसरे भारतीय क्रिकेटर बन गए। जनवरी में पहला पुरस्कार विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत को मिला था जबकि फरवरी में आफ स्पिनर रविचंद्रन अश्विन ने पुरस्कार जीता था। भुवनेश्वर के अलावा अफगानिस्तान के लेग स्पिनर राशिद खान और जिम्बाब्वे के सीन विलियम्स भी दौड़ में थे।

विलियमसन को चौथी बार रिचर्ड हैडली पदक

वेलिंगटन। न्यूजीलैंड के कप्तान केन विलियमसन को मंगलवार को देश के वार्षिक क्रिकेट पुरस्कारों में सभी प्रारूपों में अच्छे प्रदर्शन के लिए छह साल में चौथी बार प्रतिष्ठित सर रिचर्ड हैडली पदक के लिए चुना गया और साथ ही वह साल के सर्वश्रेष्ठ टेस्ट क्रिकेटर भी बने। डेवोन कॉनवाय को अपने पहले ही अंतरराष्ट्रीय सत्र में साल का सर्वश्रेष्ठ पुरुष एकदिवसीय और टी-20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेटर चुना गया। कोविड-19 महामारी के कारण लगातार दूसरे साल इन पुरस्कारों का आयोजन आनलाइन किया गया। आईसीसी के नंबर एक टेस्ट बल्लेबाज विलियमसन ने घरेलू सत्र में शानदार प्रदर्शन की बदौलत रेडपाथ कप के साथ दो पुरस्कार अपने नाम किए।

मौजूदा दौर में क्रिकेटर अनुभव के साथ बेखौफ हो रहे: गांगुली

भाषा। कोलकाता

भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान सौरव गांगुली का मानना है कि जीवन के विभिन्न पहलुओं से मिला अनुभव ऋषभ पंत और हार्दिक पांड्या जैसे मौजूदा दौर के क्रिकेटरों को निडर बना रहा है। भारतीय क्रिकेट बोर्ड के अध्यक्ष ने कहा कि ऐसे कई खिलाड़ी हैं जो अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में आने से पहले ही पूरी तरह तैयार दिखे और ऐसा अनुभव के साथ होता है।

गांगुली ने एक कार्यक्रम में कहा कि मुझे लगता है कि मौजूदा दौर के खिलाड़ियों को अधिक मौके मिल रहे हैं। यह उन्हें निडर बनने में मदद करता है, क्योंकि इससे उन्हें एहसास होता है कि चीजें उनके पास उपलब्ध हैं। अगर वे प्रयास करते हैं और सफल होने के लिए जुझारूपन दिखाते हैं तो वे सफल होंगे। इसलिए वे बेखौफ हैं। गांगुली ने इसके बाद ऋषभ पंत और हार्दिक पंड्या जैसे खिलाड़ियों का उदाहरण देकर समझाया। उन्होंने कहा कि आप इस वर्तमान भारतीय क्रिकेट टीम को ही देखिए।

दर्शकों के बिना होगा इंडिया ओपन मारिन और मोमोता बड़े सितारों में

टूर्नामेंट 11 मई से

भाषा। नई दिल्ली

ओलंपिक चैम्पियन कैरोलिना मारिन और दुनिया के नंबर एक खिलाड़ी केंतो मोमोता यहां 11 से 16 मई तक होने वाले इंडिया ओपन सुपर 500 टूर्नामेंट में भाग लेंगे जो कोरोना महामारी के कारण दर्शकों के बिना खेला जाएगा।

चार लाख डॉलर ईनामी राशि का यह टूर्नामेंट तोक्यो ओलंपिक के आखिरी क्वालीफिकेशन टूर्नामेंटों में से है। इसमें चीन समेत 33 राष्ट्रीय संघों के 228 खिलाड़ी भाग लेंगे। भारतीय बैडमिंटन संघ ने हालांकि कहा है कि देश में कोरोना संक्रमण के बढ़ते मामलों को देखते हुए यह टूर्नामेंट जैविक रूप से सुरक्षित माहौल में खेला जाएगा जिसमें दर्शकों और मीडिया को प्रवेश की अनुमति नहीं रहेगी। बाइ ने एक विज्ञप्ति में कहा, दक्षिण अफ्रीका, ब्राजील, मध्य पूर्व और यूरोपीय देशों से आने वाले सभी खिलाड़ी और अधिकारी सात दिन पृथकवास में रहेंगे। उन्हें तीन मई को दिल्ली पहुंचना होगा। बाकी देशों से खिलाड़ी और अधिकारी छह मई को आकर चार दिन के पृथकवास में रह सकते हैं। कोर्ट पर तीन बार की विश्व चैम्पियन मारिन महिला एकल वर्ग में प्रबल दावेदार होंगी। इसमें अकाने यामागुची, पी वी सिंधु, कोरिया की अन से यंग और थाईलैंड की पोर्नपावी चोचुवोंग भी भाग लेंगी। भारत के 48 खिलाड़ी (27 महिला 21 पुरुष) टूर्नामेंट खेलेंगे जबकि मलेशिया का 26 सदस्यीय दल इसमें भाग लेगा। चीन के भी 10 खिलाड़ी इसमें भाग ले रहे हैं। पुरुष वर्ग में दो बार के विश्व चैम्पियन मोमोता, गत चैम्पियन विक्टर एक्सेलसन, एंडर्स एंटोंसेन, आल इंग्लैंड चैम्पियन लि जिया ली इसमें खेलेंगे।

भारतीय दल में दुनिया के पूर्व नंबर एक खिलाड़ी किदाम्बी श्रीकांत, बी साइ प्रणीत, एचएस प्रणय और पारुपल्ली कश्यप शामिल होंगे। पुरुष युगल में दुनिया की दसवें नंबर की जोड़ी चिराग शेट्टी और सात्विक साइराज रंकिरेड्डी चुनौती पेश करेंगे जबकि महिला युगल में एन सिक्की रेड्डी और अश्विनी पोनप्पा पर दारोमदार होगा। पोनप्पा और सात्विक मिश्रित युगल में भी साथ खेलेंगे। टूर्नामेंट से नाम वापिस लेने की आखिरी तारीख 19 अप्रैल है जबकि 20 अप्रैल को ड्रॉ निकाले जाएंगे। दिल्ली सरकार तीन और छह मई को आगमन पर आरटी पीसीआर टेस्ट करेगी जो नौ और 14 मई को फिर किए जाएंगे।

ओलंपिक के लिए क्वालीफाई कर चुकी प्रियंका व जिनसन जॉनसन कोविड

भाषा। नई दिल्ली

टोक्यो ओलंपिक के लिए क्वालीफाई कर चुकी 20 किमी पैदल चाल की खिलाड़ी प्रियंका गोस्वामी सहित पांच ट्रैक एवं फील्ड खिलाड़ी और एक सहयोगी स्टाफ बेंगलुरू के भारतीय खेल प्राधिकरण (साइ) केंद्र में कोविड-19 पॉजिटिव पाए गए हैं। एशियाई खेल 2018 की 1500 मीटर के स्वर्ण पदक विजेता जिनसन जॉनसन और स्टीपलचेज खिलाड़ी चिंता यादव भी पांच खिलाड़ियों में शामिल हैं जबकि पैदल चाल के कोच एलेक्सांद्र आर्त्सिबाशेव भी संक्रमित पाए गए हैं। टोक्यो खेलों के लिए क्वालीफाई कर चुकी पैदल चाल के खिलाड़ी केटी इरफान नेगेटिव पाए गए हैं। जॉनसन के संपर्क में आने के कारण उनका परीक्षण किया गया। जॉनसन ने बताया कि सोमवार को आया मेरे परीक्षण का नतीजा पॉजिटिव था और अभी मैं अपने कमरे में पृथकवास से गुजर रहा हूं। मुझे बुखार है लेकिन काफी तेज नहीं और सिर में दर्द भी है। साइ केंद्र के एक सूत्र ने बताया कि जॉनसन के अलावा गोस्वामी, यादव और दो अन्य खिलाड़ी भी कोविड-19 पॉजिटिव पाए गए हैं। सूत्र ने कहा कि गोस्वामी पॉजिटिव आई हैं, चिंता यादव भी और दो अन्य खिलाड़ी भी। इन सभी को यहां साइ केंद्र में पृथकवास में रखा गया है।

साजन ने स्वर्ण जीता, ओलंपिक मानक हासिल करने से चूके

ताशकंद। भारत के शीर्ष तैराक साजन प्रकाश ने उज्बेकिस्तान ओपन चैम्पियनशिप में 200 मीटर बटरफ्लाई स्पर्धा में मंगलवार को स्वर्ण पदक हासिल किया लेकिन टोक्यो ओलंपिक क्वालीफाइंग के ए मानक को हासिल करने में नाकाम रहे। केरल के इस तैराक ने 200 मीटर बटरफ्लाई में ओलंपिक के लिए पहले ही बी मानक हासिल कर लिया है। उन्होंने इस ओलंपिक क्वालीफाइंग स्पर्धा में एक मिनट 57.85 सेकेंड के समय के साथ शीर्ष स्थान हासिल किया। ओलंपिक के लिए क्वालीफिकेशन मानक एक मिनट 56.48 सेकेंड है।

नई दिल्ली। भारत की चौथी सबसे बड़ी पैथोलॉजी कंपनी न्युबर्ग डायग्नोस्टिक्स आईपीएल की संभी टीमों के सदस्यों का कोविड-19 आरटी-पीसीआर परीक्षण कर रहा है। सभी खिलाड़ियों, प्रबंधन टीम, प्रसारण दल, राज्य और केंद्रीय क्रिकेट समिति के सदस्य, मैदानकर्मियों, होटल स्टाफ का परीक्षण कर रहा है।

भारतीय अर्थव्यवस्था 2021 में दोहरे अंकों की वृद्धि दर्ज कर सकती है: मूडीज

भाषा। नई दिल्ली

मूडीज ने मंगलवार को कहा कि कोविड-19 संक्रमण की दूसरी लहर से भारत के वृद्धि पूर्वानुमान के लिए जोखिम पैदा हुआ है, लेकिन फिर भी पिछले साल के निम्न स्तर को देखते हुए जीडीपी वृद्धि दर दोहरे अंक में रह सकती है। मूडीज ने कहा कि वायरस का प्रकोप बढ़ने से आर्थिक गतिविधियों पर असर पड़ेगा। मूडीज ने उम्मीद जताई कि संक्रमण की मौजूदा लहर से निपटने के लिए एक देशव्यापी लॉकडाउन के विपरीत छोटे-छोटे कंटेनमेंट जोन पर जोर दिया जाएगा, जिससे 2020 के मुकाबले आर्थिक गतिविधियां कम प्रभावित होंगी।

मूडीज इन्वेस्टर्स सर्विस ने कहा कि भारत में कोरोना वायरस की बहुत कम मृत्यु दर (12 अप्रैल तक 1,70,179 मौतें दर्ज की गई हैं) और अपेक्षाकृत युवा आबादी भी जोखिम को कम करने में मदद करती है।

अप्रत्यक्ष कर संग्रह 12 प्रतिशत बढ़कर 10.71 लाख करोड़ हुआ

नई दिल्ली। वित्त मंत्रालय ने मंगलवार को कहा कि वित्त वर्ष 2020-21 में शुद्ध अप्रत्यक्ष कर संग्रह इससे पिछले वित्त वर्ष की तुलना में 12.3 प्रतिशत बढ़कर 10.71 लाख करोड़ रुपए हो गया, जो संशोधित अनुमान से अधिक है।

वित्त वर्ष 2019-20 में अप्रत्यक्ष कर संग्रह 9.54 लाख करोड़ रुपए था, जिसमें जीएसटी, सीमा शुल्क और उत्पाद शुल्क शामिल हैं। वित्त वर्ष 2020-21 के संशोधित अनुमान (आरई) में 9.89 लाख करोड़ रुपए के संग्रह का लक्ष्य तय किया गया था।

PUBLIC NOTICE

The General Public is hereby informed that my client Sh. Ram Avtar S/o Late Sh. Parsh Ram and his wife Smt. Pushpa Devi, both R/o H-3 H Block, Jai Vihar, Phase-1, Bapraula, West Delhi, Delhi-110043 have served all their relations with their son Sh. Devender due to his bad habits. Both of my above named clients have also disowned and debarred his said son from all their movable and immovable properties. Any body dealing with Sh Devender will do so at his/her/ their own risk and responsibilities and my clients will not be responsible for any act, deed or dealing done by Sh Devender.

Akhilesh Kumar (Advocate)
Enrol No. D / 2380/2018

PUBLIC NOTICE

To be known to all that I, Rachit Saxena, S/D/W/o Late Dr. Mrs Madhu Saxena, R/o C-294 East End Apartment Mayur Vihar Phase-1,Exnt Delhi-96 (Opp.New Ashok Nagar) am the owner of (GH)/DDA Flat No.C-294,The Saraswati kunj CGHS LTD East End Apartment Plot No-A-5, Mayur Vihar Phase 1 Extn, Delhi on Ground floor, Vide (GH)/DDA File No. F4(610/84/GH/4253) My original documents viz. 1.Share Certificate 2.Allotment Letter 3.Possession Slip 4.Possession Letter of above said flat have been misplaced. An Information Report of this effect has been lodged in Police Station, Crime Branch, Delhi vide LR No. 425951/2020 on 20.07.2020. Any person(s) claiming any right, Interest having any objection or found in Possession of the said original Documents may Contact 9818625728.

PUBLIC NOTICE

It is to inform to the public at large that **Mr. Mohit Lal** S/o Mr. Shankar Lal who is purchasing the **ENTIRE BUILT UP PROPERTY BEARING NO.C-156, WITH ROOF RIGHTS AREA MEASURING 55 SQ. YARDS, OUT OF KHASRA NO.506, SITUATED AT C-BLOCK, JAWAHAR PARK, DEVIL ROAD KHANPUR TEHSIL MEHRAULI NEW DELHI-110062** from **Mr. Ajay Taneja** S/o Mr. Harish Chand Taneja owner vide of Notarized General Power of Attorney dated 06.02.2016 executed by **Mr. Hari Chand Taneja** S/o Late Mr. Dalu Ram Taneja & **Mrs. Vimla Taneja** W/o Mr. Hari Chand Taneja, along with Agreement to sell & Will and same to be finance & mortgage by **Aadhar Housing Finance Ltd.** If any Person having any type of claim/right/title/interest over the said property, may inform in writing, at the address mentioned below, about his objections, within **A Week** from today, failing which it shall be presumed that the said property is free from all type of Encumbrances, lien etc. **Lucem Legal LLP**
269, Rama House, Ground Floor, Masjid Moth ,Opp. Uday Park, South Ext.II, New Delhi-49. Contact #011-40046316

THE PIONEER CLASSIFIEDS

Lost & Found

Notice is hereby given that the certificates for Lost of Equity shares no. 495 of **ULTRATECH CEMENT LIMITED** standing in the name of Mr. Jai Chander Mehta jointly with Mrs. Raj Kumari under folio Nos. 81567158, 81567140 and 81618453. Has been lost or misplaced and the undersigned has applied to the company to the issue duplicate certificate for the said shares . any person who has any claim in respect of the said shares should write to our registrar Kfin Technologies Pvt Ltd Selenium Tower B, Plot 31-32, Gachibowli, Financial District, Nanakramguda, Hyderabad - 500 032 within one month from this date else the company will proceed to issue duplicate share certificate .

Date : 13.04.2021 For Vijay Mehta

CHANGE OF RELIGION

I, Nidhi Pathania, D/o. Satyajeet Pathania, R/o. 99, Gautam Colony, Near Water Tanke Narela Bhor Garh, Narela Delhi-110040 have changed my religion from Hinduism (Hindu) to Islam (Muslim) w.e.f. 10.04.2021.

PD(8979)A

NOTICE FOR LOSS OF SHARE CERTIFICATE

Notice is hereby given that the share certificates in respect of the under mentioned Equity Shares of **Carborundum Universal Limited (CIN: L29224TN1954PLC000318)** have been lost / misplaced and the holders of the said shares as mentioned under have applied for the issue of duplicate share certificates in lieu of the original share certificates:

Sr. No.	Name of the shareholders	Folio No.	No. of shares	Certificate Number	Distinctive Number(s)	
1.	Yogendrakumar Maheshwari	CUL 107712	2740	200	377291	380030

Any person having claims /objections or are in the possession of the above mentioned share certificates, should communicate the same by sending a mail to **ykmfca@gmail.com** and **investorservices@cumi.murugappa.com** with their complete details within a period of 15 days from the publication of this notification, else the duplicate share certificate(s) shall be issued to the concerned shareholders as mentioned above after the expiry of 15 days.

Date: 14.04.2021
Place: Gurugram

आधुनिक रेल डिब्बा कारखाना, रायबरेली

निविदा संख्याः-CAMC-EOT-2021-22-01 नियत तिथिः-05.05.2021

भारत के राष्ट्रपति की ओर से उप मुख्य यांत्रिक अभियंता/एम&पी, आधुनिक रेल डिब्बा कारखाना, रायबरेली, लालगंज द्वारा निम्नलिखित कार्यों के लिए निविदा सूचना सं.-CAMC-EOT-2021-22-01, नियत तिथिः-05.05.2021 के माध्यम से खुली ई-निविदा आमंत्रित की जाती है-यह निविदा एकल पैकेट प्रणाली पर आधारित है। **कार्य का नामः** दो वर्ष (24 माह) हेतु डीएसएल के साथ 35 नग ईओटी क्रेन का व्यापक वार्षिक रखरखाव काम के दायरे के अनुसार अनुबंध कार्य। **कार्य की अनुमानित लागतः** ₹ 6,54,192.00, **धरोहर राशिः** शून्य, **निविदा प्रपत्र का मूल्यः** ₹ 2,000.00, **कार्य समापन की अवधिः** दो वर्ष (24 माह) • **निविदा बंद होने की अंतिम तिथि एवं समयः** 05.05.2021 को 15.30 बजे। • विस्तृत निविदा सूचना, टर्म्स एवं कंडीशन आदि की जानकारी भारतीय रेल के पोर्टल www.ireps.gov.in पर उपलब्ध है।

–उप मुख्य यांत्रिक अभियंता/एम&पी

भारत के राष्ट्रपति की ओर से उप महाप्रबंधक सामान्य आधुनिक रेल डिब्बा कारखाना, रायबरेली द्वारा निम्नलिखित कार्यों के लिए खुली निविदा GeM पोर्टल के माध्यम से आमंत्रित की जाती है। निविदा सूचना और टर्म्स एवं कंडीशन का पूर्ण विवरण GeM पोर्टल पर उपलब्ध है। निविदा को स्वीकार करने के समय तक GeM पोर्टल पर आन-लाइन जमा कर सकते हैं। हस्त लिखित निविदा स्वीकार नहीं की जाएगी। अनुबंध अवधि- 1 वर्ष। क्र.सं.-1, **GeM निविदा संख्या एवं कार्य का नामः GEM/2021/B/1168805 Dated 12.04.2021:-** अधिकारी विश्राम गृह एवं पर्यवेक्षक विश्राम गृह स्टेट इंट्री रोड नई दिल्ली के कार्य के लिए मैनपावर आउटसोर्सिंग (मिनिमम वेज) खुली निविदा के आधार पर एक वर्ष (365 दिनों) की अवधि के लिए किया जाना है।**निविदा स्वीकार करने की तिथि व समयः 27.04.2021 को 15.00 तक, निविदा खुलने की तिथि व समयः 27.04.2021 को 15.30 बजे, कार्य का अनुमानित लागतः** ₹ 31,23,027.97, **अमानत राशिः** शून्य।

–सहायक उप महाप्रबंधक

ग्राहको की सेवा में मुस्कान के साथ

भारत पर सीएएटीएसए लागू करना रूस की भूरणनीतिक जीत होगी: अमेरिकी सीनेटर

भाषा। वाशिंगटन

अमेरिकी सांसद एवं रिपब्लिकन पार्टी के नेता टोड यंग ने कहा है कि रूस से कई अरब डॉलर की एस-400 मिसाइल प्रणाली खरीदने के लिए भारत पर काउंटरिंग अमेरिका एडवर्सरीज थ्रू सैंक्शंस एक्ट (सीएएटीएसए) के तहत प्रतिबंध लगाना रूस के लिए भूरणनीतिक जीत होगी। सीनेट की विदेश मामलों की समिति के सदस्य यंग ने विदेश नीति पत्रिका में लिखा कि यदि अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन का प्रशासन भारत पर प्रतिबंध लगाता है, तो इससे अहम समय में दो रणनीतिक मोर्चे कमजोर होंगे- इससे भारत के साथ अमेरिका के संबंध कमजोर होंगे और इससे चीन से निपटने की क्वाड (चतुष्कोणीय सुरक्षा संवाद) की क्षमता भी प्रभावित होगी। यंग ने सोमवार को कहा कि हालिया सप्ताह में सीनेट की विदेश मामलों की समिति के डेमोक्रेटिक अध्यक्ष बॉब मेनेंडेज ने कहा था कि यदि भारत रूसी मिसाइल प्रणाली खरीदने की दिशा में आगे बढ़ता है तो उसे सीएएटीएसए की धारा 231 के तहत प्रतिबंध लगाने की चेतावनी दी जानी चाहिए। रूसी रक्षा या खुफिया क्षेत्रों के लिए या उनकी ओर से काम करने वाले प्रतिष्ठानों पर धारा 231 लागू की जाती है। यंग ने पत्रिका में लिखा, यह कदम भारत को एस-400 (मिसाइल) प्रणाली खरीदने से रोकेगा नहीं। अंतरराष्ट्रीय सहयोग को लेकर भारत के ऐतिहासिक संशयवाद और रूस के साथ उसके पुराने संबंधों के मद्देनजर किसी भी प्रतिबंध को गुट निरपेक्ष आंदोलन के सहयोगियों समेत भारत में वे लोग बढ़ा-चढ़ा कर दिखाएंगे और इनका लाभ उठाएंगे, जिन्हें पश्चिम के साथ गहरे संबंधों को लेकर संशय रहता है। उन्होंने लिखा, इसके अलावा रूस भारत के सैन्य साझेदार के रूप में अपनी भूमिका का फिर से दावा करने के लिए प्रतिबंधों का लाभ उठा सकता है। इसके बाद विडम्बना यह होगी कि रूस निर्मित रक्षा प्रणाली को लेकर भारत पर प्रतिबंध लगाना वास्तव में मॉस्को की भूरणनीतिक जीत साबित होगा। उन्होंने बाइडन प्रशासन से भारत को सीएएटीएसए से छूट दिए जाने की अपील करते हुए कहा, यह छूट देने से और भारत को रूसी हथियार खरीदने की अनुमति देने से बाइडन प्रशासन यह स्पष्ट कर सकता है कि अमेरिका के लिए मुख्य भूरणनीतिक खतरा चीन है।

पेशावर में पाकिस्तान की कट्टरपंथी पार्टी तहरीक ए लबियाक के कार्यकार्यकर्ताओं की पिटाई करती पुलिस जो अपने नेता शाद रिजवी की रिहाई की मांग कर रहे थे

अमेरिका ने राणा के प्रत्यर्पण संबंधी भारत के अनुरोध को लेकर अपना समर्थन दोहराया

भाषा। वाशिंगटन

राणा लश्कर-ए-तैयबा के आतंकवादी डेविड कोलमैन हेडली का बचपन का दोस्त है

अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन के नेतृत्व वाले अमेरिकी प्रशासन ने देश की एक अदालत के समक्ष ताजा अभिवेदन में पाकिस्तानी मूल के कनाडाई कारोबारी तहव्वुर राणा को मुंबई में 2008 में हुए आतंकवादी हमलों के मामले में प्रत्यर्पित किए जाने के भारत के अनुरोध को लेकर अपना समर्थन दोहराया है। अमेरिकी सरकार के सहायक अटॉर्नी जॉन जे लुलेजियान ने इस मामले में लॉस एंजिलिस में अमेरिका डिस्ट्रिक्ट कोर्ट की जज जैकलीन चुलजियान को सोमवार को पत्र के माध्यम से जानकारी दी। जज ने मामले की सुनवाई के लिए 24 जून की तारीख तय की है। लुलेजियान ने पत्र और उसके साथ सौंपे दस्तावेज में प्रत्यर्पण के प्रमाणन संबंधी अनुरोध के पक्ष में अमेरिका के जवाब के समर्थन में घोषणा की। लुलेजियान ने दोहराया कि 59 वर्षीय राणा का भारत में प्रत्यर्पण भारत और अमेरिका के बीच हुई प्रत्यर्पण संधि के अनुरूप है। भारत-अमेरिका प्रत्यर्पण संधि के मुताबिक, भारत सरकार ने राणा के औपचारिक प्रत्यर्पण का अनुरोध किया है और अमेरिका ने प्रत्यर्पण की प्रक्रिया शुरू कर दी है। अमेरिका सरकार ने दलील दी है कि भारत प्रत्यर्पण के लिए राणा सभी मापदंडों को पूरा करता है।

लुलेजियान ने कहा कि अमेरिका राणा को भारत प्रत्यर्पित करने के लिए प्रमाणन का अनुरोध करता है। उन्होंने कहा, प्रत्यर्पण अनुरोध में संभावित कारण स्थापित करने के लिए पर्याप्त सबूत हैं और राणा ने भारत के अनुरोध को काटने के लिए कोई सबूत नहीं दिया है। राणा लश्कर-ए-तैयबा के आतंकवादी डेविड कोलमैन हेडली का बचपन का दोस्त है। भारत के अनुरोध पर राणा को मुंबई आतंकवादी हमले में संलिप्तता के आरोप में लॉस एंजिलिस में 10 जून को फिर से गिरफ्तार किया गया था। इस हमले में छह अमेरिकी नागरिकों समेत 166 लोग मारे गए थे। भारत ने उसे भगोड़ा घोषित किया है। पाकिस्तानी मूल का अमेरिकी नागरिक हेडली 2008 के मुंबई हमलों की साजिश रचने में शामिल था। वह मामले में गवाह बन गया था और वर्तमान में हमले में अपनी भूमिका के लिए अमेरिका में 35 साल जेल की सजा काट रहा है।

उभरते चीन को रोकने के इच्छुक अमेरिका के लिए भारत से महत्वपूर्ण कोई और देश नहीं: अमेरिकी थिंक टैंक

भाषा। वाशिंगटन

विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी (आईटी) नीति संबंधी मुख्य अमेरिकी थिंक टैंक का कहना है कि अमेरिका उभरते चीन को रोकना चाहता है और ऐसे में उसके लिए भारत के महत्वपूर्ण कोई अन्य देश नहीं है, जिसके पास अत्यंत दक्ष तकनीकी पेशेवर हैं और जिसके अमेरिका के साथ मजबूत राजनीतिक एवं सांस्कृतिक संबंध हैं। थिंक टैंक इन्फर्मेशन टेक्नोलॉजी एंड इनोवेशन फाउंडेशन (आईटीआईएफ) ने सोमवार को जारी रिपोर्ट में यह कहा। उसने अमेरिका को भारत पर अत्यधिक निर्भर होने को लेकर सचेत करते हुए यह भी कहा कि यदि दोनों देशों के बीच बौद्धिक सम्पदा, डेटा संचालन, शुल्क, कर, स्थानीय विषय वस्तु की आवश्यकताएं या व्यक्तिगत निजता जैसे मामलों पर बड़े मतभेद पैदा होते हैं, तो आईसी सेवा प्रदाता भारत रणनीतिक समस्या बन सकता है। रिपोर्ट में सबसे खराब और सबसे अच्छे परिदृश्यों पर गौर किया गया है। रिपोर्ट में कहा गया है कि एक परिदृश्य यह है कि भारत और चीन के बीच तनाव कम हो और दोनों पड़ोसी देशों के बीच कारोबारी संबंध मजबूत हों। ऐसी स्थिति में वैश्विक अर्थव्यवस्था पूर्व दिशा की ओर स्थानांतरित हो जाएगी और अमेरिका इस बारे में कुछ खास नहीं कर पाएगा। रिपोर्ट के अनुसार, दूसरा परिदृश्य यह है कि चीन के कारण आर्थिक, सैन्य और अंतरराष्ट्रीय संबंध से जुड़ी चुनौतियां बढ़ने के बीच भारत और अमेरिका के हित समान हों। ऐसी स्थिति में अधिकतर विकसित देशों में लोकतांत्रिक नियम कायम रहेंगे, क्योंकि विकासशील देश बीजिंग मॉडल के बजाए दिल्ली मॉडल को देखेंगे। थिंक टैंक ने कहा, अमेरिका उभरते चीन को रोकना चाहता है और ऐसे में, भारत से महत्वपूर्ण कोई अन्य देश नहीं है, जिसका आकार बहुत बड़ा है, जिसके पास अत्यधिक कुशल तकनीकी पेशेवर हैं और जिसके अमेरिका के साथ मजबूत राजनीतिक एवं सांस्कृतिक संबंध हैं। आईटीआईएफ के सदस्य एवं रिपोर्ट के सह लेखक डेविड मोशेला ने कहा कि जो ताकतें अमेरिका और चीन के बीच मतभेद बढ़ा रही हैं, वही ताकतें अमेरिका और भारत को निकट ला रही हैं। उन्होंने कहा, अमेरिका, भारत और चीन के संबंध आगामी कई वर्षों तक वैश्विक प्रतिद्वंद्वता और डिजिटल नवोन्मेष को आकार देंगे। व्यापक संभावित परिदृश्य होने के बीच दो बातें स्पष्ट हैं: चीन से मुकाबला करने और उस पर निर्भरता को कम करने के लिए भारत को अमेरिकी प्रयासों का अहम हिस्सा होना चाहिए और इससे अमेरिका की वैश्विक निर्भरताएं विनिर्माण से लेकर सेवा क्षेत्र तक अवश्य बढ़ जाएंगी। रिपोर्ट में बताया गया है कि भारत अनुसंधान एवं विकास, नवोन्मेष केंद्रों, मशीनों संबंधी जानकारी, विश्लेषण, उत्पाद के डिजाइन एवं जांच और आईटी एवं जीव विज्ञान समेत विभिन्न क्षेत्रों में अहम प्रगति कर रहा है।

कोविड-19 महामारी का अंत अभी काफी दूर है: डब्ल्यूएचओ प्रमुख

संयुक्त राष्ट्र (भाषा)। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के प्रमुख टेड्रोस अदानोम गेब्रेयसस ने कहा है कि भले ही दुनियाभर में अब तक कोविड-19 रोधी टीकों की 78 करोड़ से अधिक खुराकें दी जा चुकी हैं, महामारी का अंत अब भी काफी दूर है। बहरहाल, जन स्वास्थ्य के संबंध में कड़े कदम उठाकर कुछ महीनों में इसे काबू में किया जा सकता है। चीन के वुहान शहर में दिसंबर 2019 में कोरोना वायरस संक्रमण का पहला मामला सामने आया था। अब तक दुनियाभर में 13,65,00,400 लोग इसकी चपेट में आ चुके हैं। इनमें से 29,44,500 की मौत हो चुकी है। डब्ल्यूएचओ प्रमुख ने कहा, दुनियाभर में जनवरी और फरवरी में लगातार छह हफ्तों तक संक्रमण के मामलों में कमी देखी गई। अब हम लगातार सात सप्ताह से मामलों में वृद्धि देख रहे हैं और चार सप्ताह से मौत के मामलों में इजाफा हो रहा है।

मोंट्रियल में कोविड 19 के कारण लगाए गए कर्फ्यू का विरोधी करती महिला को हिरासत में लेने का प्रयास करती पुलिस

ईरान के परमाणु संवर्द्धन केंद्र पर हुए हमले से वियना वार्ता संकट में पड़ सकती है : विदेश मंत्री

एपी। दुबई

ईरान के विदेश मंत्री जवाद जरीफ ने मंगलवार को चेतावनी दी कि नातान्ज में देश के मुख्य परमाणु संवर्द्धन केंद्र पर हुए हमले से वियना में विश्व के शक्तिशाली देशों के साथ उसके परमाणु समझौते को लेकर चल रही वार्ता संकट में पड़ सकती है। जरीफ की यह टिप्पणी ऐसे समय में आई है, जब अमेरिका ने इस बात पर जोर दिया कि नातान्ज परमाणु संवर्द्धन केंद्र में रविवार को हुई घटना से उसका कोई लेना-देना नहीं है। वहीं, इजराइल ने भी इस हमले की जिम्मेदारी नहीं ली है, लेकिन व्यापक स्तर पर यह माना जा रहा है कि उसने सेंट्रीफ्यूज को नुकसान पहुंचाने वाले इस हमले को अंजाम दिया। जरीफ ने तेहरान में कहा, अमेरिकियों को जानना चाहिए कि ना तो प्रतिबंध ना ही नुकसान पहुंचाने वाली गतिविधियां उनके लिए वार्ता की गुंजाइश बनाएगी। उन्हें जानना चाहिए कि ए हरकतें उनके लिए हालात को सिर्फ मुश्किल ही बनाएंगी। कायहान अखबार की खबरों में ईरान से वियना वार्ता से बाहर निकलने, सभी परमाणु प्रतिबद्धताएं स्थगित करने, इजराइल के खिलाफ जवाबी कार्वाई करने और नुकसान पहुंचाने वाली गतिविधि के पीछे मौजूद घरेलू नेटवर्क की पहचान करने तथा उसे नष्ट करने का अनुरोध किया गया है।

अखबार ने मंगलवार के अपने संस्करण में कहा, ईरान के परमाणु संवर्द्धन केंद्र को नुकसान पहुंचाने में अमेरिका की मुख्य भूमिका प्रदर्शित करने वाले सबूत होने के बावजूद दुर्भाग्य से कुछ लोग अमेरिका को जिम्मेदार नहीं ठहरा रहे हैं। इस अखबार का सर्कुलेशन कम है, लेकिन इसके प्रधान संपादक हुसैन शरियतमदारी की नियुक्ति ईरान के सर्वोच्च नेता अयातोल्ला अली खामनेई ने की है। ईरान ने नातान्ज परमाणु केंद्र पर हमले के लिए सोमवार को इज़राइल को जिम्मेदार ठहराया था।

क्विक न्यूज

भारतीय अमेरिकी अग्रिम मोर्चे के स्वास्थ्यकर्मियों ने ग्रीन कार्ड के मुद्दे पर प्रदर्शन किया

वाशिंगटन (भाषा)। अमेरिका में वैध स्थाई निवास के लिए प्रति देश कोटा को खत्म करने की मांग को लेकर भारतीय मूल के अग्रिम मोर्चे के स्वास्थ्यकर्मियो ने कैपिटल (संसद भवन) में शांतिपूर्ण प्रदर्शन किया। ग्रीन कार्ड को आधिकारिक रूप से स्थाई निवास कार्ड कहा जाता है। यह दस्तावेज अमेरिका में रह रहे प्रवासियों को जारी किया जाता है जो इस बात का सबूत है कि कार्ड धारक को देश में स्थाई रूप से रहने का अधिकार है। भारतीय-अमेरिकी चिकित्सकों ने सोमवार को संयुक्त बयान जारी कर कहा कि ग्रीन कार्ड देने के लंबित मामले निपटने की वर्तमान व्यवस्था से उन्हें ग्रीन कार्ड पाने मे 150 से अधिक वर्ष लग जाएंगे। नियम के तहत किसी भी देश के सात प्रतिशत से अधिक लोगों को रोजगार आधारित ग्रीन कार्ड देने की अनुमति नही है। उन्होंने कहा, भारत की आबादी करोड़ों में है लेकिन इसके लोगों को ग्रीन कार्ड दिए जाने की संख्या आईसलैंड की आबादी के बराबर है। एच-1बी वीजा पर कोई सीमा नही है और यहां एच-1बी वीजा पर काम करने के लिए आने वालों मे 50 प्रतिशत भारतीय है। एच-1बी और ग्रीन कार्ड के बीच विसंगति से प्रमाणपत्र पाने वालों की कतार लंबी होती जा रही है और इसका हमारे पेशेवर और निजी जीवन पर असर पड़ रहा है। भारतीय आईटी पेशेवर इससे सबसे अधिक प्रभावित है।उन्होंने सांसद जो लोफ्ग्रेन से इस संबंध में एक द्विदलीय प्रस्ताव पेश करने की अपील की जिससे कि दक्ष पेशेवरों की परेशानी का हल हो। बाल एवं किशोर मनोचिकित्सक डॉ. नमिता धीमान ने कहा, ग्रीन कार्ड के लिए लंबे इंतजार से अग्रिम मोर्चे के स्वास्थ्यकर्मियो एवं उनके परिवारो पर असर पड़ा है। वे दहशत और डर मे जी रहे है।

जापान अगले दो वर्षों में फुकुशिमा संयंत्र से शोधित पानी सागर में छोड़ना शुरू करेगा

तोक्यो (एपी)। जापान की सरकार ने मंगलवार को तय किया कि वह तबाह हो चुके फुकुशिमा परमाणु संयंत्र से शोधित रेडियोधर्मी पानी की बड़ी मात्रा को अगले दो वर्षों मे प्रशांत महासागर में छोड़ना शुरू करेगा। इस कदम का स्थानीय मछुआरों और निवासियो ने कड़ा विरोध किया है। लंबे समय से इस फैसले की अटकलें लगाई जा रही थी लेकिन सुरक्षा चिंताओं एवं विरोध के कारण इसमे देरी हुई। अब यह फैसला कैबिनेट मंत्रियो की बैठक मे लिया गया जिन्होंने पानी को महासागर में छोड़े जाने को ही बेहतर विकल्प बताया है। यहां जमा पानी को 2011 के बाद से फुकुशिमा दाइची संयंत्र में टंकियों में संग्रहित किया गया है जब भीषण भूकंप और सुनामी ने संयंत्र के रिएक्टरों को क्षतिग्रस्त कर दिया था और इनका पानी (कूलिंग वाटर) दूषित हो गया और इसका रिसाव होने लगा। संयंत्र के संचालक, तोक्यो इलेक्ट्रिक पावर कॉर्पोरेशन (तेपको) ने कहा कि अगले साल के अंत तक इसकी भंडारण क्षमता पूर्ण हो जाएगी। प्रधानमंत्री योशिहिदे सुगा ने कहा कि महासागर मे पानी छोड़ा जाना सबसे व्यावहारिक विकल्प है और फुकुशिमा संयंत्र को बंद करने के लिए पानी का निस्तारण अपरिहार्य है जिसमे कई दशक का वक्त लगने का अनुमान है। तेपको और सरकार के अधिकारियों ने कहा कि ट्रीटियम को पानी से अलग नही किया जा सकता है जो कम मात्रा मे हानिकारक नही होता है लेकिन अन्य सभी चयनित रेडियोन्यूक्लाइड्स का स्तर इतना कम किया जा सकता है कि वे पानी में छोड़ने लायक बन जाएं। कुछ वैज्ञानिकों का कहना है कि पानी की इतनी अधिक मात्रा से कम खुराक के संपर्क में आने से समुद्री जीवन पर पड़ने वाले दीर्घकालिक प्रभाव के बारे में अभी कुछ कहा नहीं जा सकता है।

ब्रिटेन ने कोविड-19 टीकाकरण कार्यक्रम 45 वर्ष से अधिक आयु के लोगों के लिए विस्तारित किया

लंदन (भाषा)। ब्रिटेन में राष्ट्रीय स्वास्थ्य सेवा (एनएचएस) ने मंगलवार को कोविड-19 टीकाकरण कार्यक्रम 45 वर्ष से अधिक आयु के लोगों के लिए विस्तारित कर दिया। इससे पहले एनएचएस ने घोषणा की कि 50 वर्ष से अधिक आयु के व्यक्तियों का टीकाकरण करने का लक्ष्य 15 अप्रैल की समय सीमा से पहले ही पूरा कर लिया गया है। ब्रिटेन की सरकार ने इस बृहस्पतिवार तक 50 वर्ष से अधिक आयु के व्यक्तियों, जोखिम वाले और स्वास्थ्य एवं सामाजिक कार्यकर्ताओं को कोविड-19 टीका देने का लक्ष्य निर्धारित किया था। एनएचएस ने इसकी पुष्टि की कि अब तक पूरे ब्रिटेन में लगभग चार करोड़ टीके की खुराक दी गई है। ब्रिटेन ने प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन ने "एक और बेहद महत्वपूर्ण मील के पत्थर" का स्वागत किया। उन्होंने कहा कि अब मुख्य जोर दूसरी खुराक देने के साथ-साथ जुलाई के अंत तक सभी वयस्कों को टीका देने का लक्ष्य पूरा करने पर होगा। उन्होंने कहा, 3.2 करोड़ से अधिक लोगों को कोविड-19 का टीका लगाया गया है। मै टीकाकरण कार्यक्रम मे शामिल सभी को धन्यवाद देना चाहता हूं जिन्होंने पहले ही कई हजार लोगों की जान बचाई है। यह घोषणा ऐसे समय हुई है जब ब्रिटेन ने अपनी मॉडर्ना टीके की पहली खुराक देना शुरू किया है, यह ब्रिटेन में शुरू किया जाने वाला तीसरा टीका है। यह फाइजर, ऑक्सफोर्ड एस्ट्राजेनेका टीकों के साथ पूरे ब्रिटेन मे 21 स्थलों पर उपलब्ध होगा।

कोविड-19 महामारी के दौरान यौन हिंसा में बढ़ोतरी हुई : संयुक्त राष्ट्र प्रमुख

एपी। संयुक्त राष्ट्र

कोविड-19 महामारी के कारण पिछले वर्ष लिंग आधारित हिंसा में बढ़ोतरी देखी गई और कई देशों में यौन हिंसा को युद्ध की क्रूर युक्ति एवं राजनीतिक दमन के तौर पर इस्तेमाल किया गया। यह बात सोमवार को संयुक्त राष्ट्र प्रमुख ने एक रिपोर्ट जारी कर कही। रिपोर्ट में 18 देशों का जिक्र है जहां के बारे में संयुक्त राष्ट्र का कहना है कि उसे सत्यापित सूचना प्राप्त हुई। इसमें 52 पक्षों का जिक्र है जिन पर हिंसाग्रस्त क्षेत्रों में बलात्कार या यौन हिंसा के अन्य प्रारूप का इस्तेमाल करने का ठोस संदेह है। इसमें कहा गया है कि 70 फीसदी से अधिक सूचीबद्ध पक्ष सतत षड्यंत्रकारी हैं। संयुक्त राष्ट्र की काली सूची में शामिल अधिकतर पक्ष राज्एतर तत्व हैं, जिनमें इस्लामिक स्टेट या अल-कायदा आतंकवादी संगठनों से जुड़े चरमपंथी समूह, बागी या विपक्षी शामिल हैं। इस सूची में शामिल राष्ट्रीय सेना या पुलिस बलों को तब तक संयुक्त राष्ट्र शांति अभियानों में शामिल होने से रोक दिया गया है जब तक कि वे हिंसा खत्म करने के लिए समयबद्ध प्रतिबद्धताएं नहीं अपनाते हैं। इसमें म्यांमा की सेना और सीमावर्ती गार्ड शामिल हैं। काली सूची में कांगो और दक्षिण सूडान की सरकार एवं पुलिस बलअ सीरिया में सरकारी बल और खुफिया सेवाएंअ सूडान में सशस्त्र बल एवं त्वरित समर्थन बल, सोमाली में सेना और पुलिस और पुंटलैंड क्षेत्र के सुरक्षा बल शामिल हैं। राज्एतर तत्वों वाले देशों में कांगो के 20 समूहअ सेंट्रल अफ्रीकन रिपब्लिक के छह समूहअ माली के पांच समूहअ दक्षिण सूडान और सीरिया के चार-चार समूहअ सूडान के दो समूहअ इराक और सोमालिया तथा उसके एक-एक समूह शामिल हैं। संयुक्त राष्ट्र के महासचिव एंतोनियो गुतारेस ने कहा, यौन हिंसा को युद्ध की युक्ति के तौर पर इस्तेमाल किया गया, उत्पीड़न एवं आतंकवाद के माध्यम से मानवाधिकारों एवं सुरक्षा को खतरा पैदा किया गया तथा सैन्ईकरण एवं हथियारों का अंधाधुंध इस्तेमाल हुआ।

गुतारेस ने कहा कि इथियोपिया के टीगरे क्षेत्र में नवंबर में सरकार और टीगरे पीपुल्स लिबरेशन फ्रंट के बीच संघर्ष छिड़ गया जिसमें 100 से अधिक बलात्कार के मामलों के आरोप हैं। गुतारेस ने कहा कि म्यांमा के सशस्त्र जातीय संघर्ष में भी यौन हिंसा की खबरें हैं। उन्होंने राखाइन, चिन और शान राज्यों में तातामडाव सुरक्षा बलों ओर जातीय बागी समूहों के यौन हिंसा में लिप्त होने की बात कही। रिपोर्ट में 2020 की घटनाएं शामिल हैं जो दो फरवरी को म्यांमा की सरकार पर सेना के काबिज होने से पहले की हैं। महासचिव ने कहा कि कोविड-19 महामारी से जुड़ी आवाजाही की पाबंदियों एवं सीमित आर्थिक अवसर के कारण भी महिलाओं की तस्करी एवं यौन हिंसा का खतरा बढ़ा।

जिबूती में नौका पलटने की घटना में मृतकों का आंकड़ा बढ़कर 42 हुआ

नैरोबी (एपी)। अंतरराष्ट्रीय प्रवासन संगठन (आईओएम) ने कहा कि पूर्वी अफ्रीकी देश जिबूती के अपतटीय क्षेत्र में एक नौका के पलट जाने की घटना में मरने वाले प्रवासियों की संख्या बढ़कर 42 हो गई है। आईओएम की प्रवक्ता वाई. नडेज ने बताया कि सोमवार तड़के हुई घटना में मरने वालों में छह बच्चे शामिल हैं, जबकि 14 लोग बच गए हैं। उन्होंने बताया कि अब तक तस्कर नहीं मिले हैं। यमन में आईओएम की प्रवक्ता ओलिविया हेडॉन ने बताया है कि प्रवासी यमन से लौट रहे थे, क्योंकि अरब के सबसे गरीब देश में हालात ठीक नहीं हैं। उन्होंने कहा कि वे यमन से रवाना होने पर इतने उतारू थे कि उन्होंने अपनी जिंदगियां तस्करों के हवाले कर दीं। बहुत से लोग इथोपिया और सोमालिया से जल मार्ग से पलायन की कोशिश करते हैं। वे गरीबी और अन्य मुश्किलों के चलते दूसरे स्थानों पर जाने की कोशिश करते रहते हैं। वे पहले यमन पहुंचते हैं और फिर फारस की खाड़ी स्थित देशों का रूख करते हैं।

गुइलेर्मो लासो इक्वाडोर के राष्ट्रपति चुने गए

एपी। क्वीटो (इक्वाडोर)

इक्वाडोर में दक्षिणपंथी क्रिएटिंग ऑपरच्यूनिटीज पार्टी के उम्मीदवार गुइलेर्मो लासो को राष्ट्रपति चुना गया है और निकटवर्ती देश पेरू में 18 में से किसी भी उम्मीदवार को 50 प्रतिशत से अधिक मत नहीं मिले, जिसके कारण अब शीर्ष दो उम्मीदवारों के बीच मुकाबला होगा। दोनों दक्षिण अमेरिकी देशों में कोरोना वायरस संक्रमण के मद्देनजर कड़े जन स्वास्थ्य सुरक्षा नियमों का पालन करते हुए रविवार को मतगणना हुई। इक्वाडोर में पूर्व बैंकर लासो ने अपने प्रतिद्वंद्वी एवं निवर्तमान राष्ट्रपति आंद्रेस अराउज को कड़े मुकाबले में हराकर जीत हासिल की और देश में लंबे समय से चला आ रहा वामदल सिटीजन रेवोल्यूशन मूवमेंट का करीब एक दशक पुराना शासन समाप्त हो गया। लासो ने जीत के बाद कहा, पहला कदम अर्थव्यवस्था को पटरी पर लाना, निवेश बढ़ाना और रोजगार पैदा करना होगा, ताकि इक्वाडोर के लोग विदेश नहीं जाएं, इक्वाडोर में रहें और

यहां रह कर अपने परिवारों के लिए देखे गए सपने पूरे करें। इक्वाडोर में चुनाव अधिकारियों ने विजेता की घोषणा नहीं की, लेकिन अराउज ने रविवार को अपनी हार स्वीकार कर ली। इस बीच पेरू में राष्ट्रपति पद के चुनाव में 18 में से किसी भी उम्मीदवार को 50 प्रतिशत मत नहीं मिल सके, जिसके कारण अब छह अप्रैल को शीर्ष दो उम्मीदवारों के बीच मुकाबला होगा। निर्वाचन अधिकारियों ने सोमवार को बताया कि 90 प्रतिशत मतों की गणना के अनुसार, वामपंथी पेड्रो कासटिलो को 18.9 प्रतिशत, विपक्ष के नेता कीको फुजिमोरी को 13.2 प्रतिशत, दक्षिणपंथी अर्थशास्त्री हर्नांडो डी सोतो को 11.86 प्रतिशत और राफेल लोपेज अलियागा को 11.83 प्रतिशत मत मिले।

आशा की एक झलक

अभिषेक कुमार कहते हैं कि उन्नत कृत्रिम मेधा यानी उन्नत एआई-संचालित निगरानी प्रणालियों का जब कुशलता से उपयोग किया जाए तो उसमें समाज में सुरक्षा वापस लाने की क्षमता होती है

एक सुरक्षित शहर यकीनन एक आकर्षक और समृद्ध स्थल का संकेतक है, जहां सभी निवासी और आगंतुक शांति से रहते हैं, काम करते हैं और यात्रा करते हैं, यह जानते हुए कि वे सुरक्षित हैं। हालांकि यह अवधारणा स्वप्न जैसी प्रतीत होती है, मगर यह कुछ अत्याधुनिक निगरानी खिलाड़ियों के भविष्यवादी दृष्टिकोण के कारण लगातार विकसित हो रही है। ये खिलाड़ी वास्तविक समय, गतिशील और सकारात्मक एआई आधारित वीडियो निगरानी प्रणाली बनाने की दिशा में काम कर रहे हैं। यह हमें उत्पादक होने के दौरान सुरक्षित महसूस करते हुए धीरे धीरे उस सपने के करीब लाता है। ऐसे कई तरीके हैं जिनसे ये प्रणालियाँ हमारे जीवन में बदलाव ला सकती हैं लेकिन निम्नलिखित कुछ प्रमुख क्षेत्र हैं जहाँ निगरानी प्रणाली वास्तव में एक खेल-परिवर्तक हो सकती है, विशेष रूप से भारत में।

निवासियों की सुरक्षा

हाल के समय तक, जब भी हम सुरक्षा के बारे में सोचते थे, तो हमारा दिमाग किसी पुलिस चौकी या बिल्डिंग के प्रवेश द्वार पर खड़े किसी व्यक्ति पर चला जाता था। इस संबंध में, मानवीय त्रुटियों, चूक और लापरवाही के लिए कभी-कभी फंस जाना असंभव नहीं है। यह परिदृश्य कवच में एक झंकार पैदा करता है, है न? हमें अपने हमवतनों पर भरोसा है, लेकिन उन पर पूरी तरह निर्भर रहना नासमझी हो सकती है। हमें उनके समर्थन के लिए तकनीकी हस्तक्षेप की आवश्यकता है। इसलिए, एक स्वचालित निगरानी प्रणाली सक्रिय भूमिका में आती है।

सही निगरानी प्रणाली एक आवासीय क्षेत्र में आगंतुकों की निगरानी कर सकती है ताकि किसी के भी प्रवेश करने और निकल कर जाने का स्पष्ट रिकॉर्ड हो। यह लोगों पर पैनी नजर रख सकता है, यह सुनिश्चित करने के लिए कि वे सुरक्षित हैं। और यह सेंधमारी, चोरी और हिंसा जैसी अन्य प्रमुख घटनाओं का भी पता लगा सकता है। इस तरह की प्रणालियां तत्काल सुरक्षा कर्मियों के साथ सजगता बढ़ाती है, जिससे फिर त्वरित प्रतिक्रिया होती है।

विचाराधीनों की व्यक्तिगत स्वतंत्रता सुनिश्चित करना

हम जानते हैं कि दोषी साबित होने तक व्यक्ति निर्दोष माना जाता है। इसलिए, एक अच्छी मिसाल कायम करने के लिए, हमें अपने पुलिस स्टेशनों और अदालतों के संभव हद तक डिजिटलीकरण के साथ शुरूआत करनी चाहिए। तूतीकोरिन पुलिस स्टेशन में पुलिस कर्मियों द्वारा एक पिता और पुत्र की अत्यधिक चर्चित हत्या, इन निगरानी प्रणालियों की आवश्यकता पर प्रकाश डालती है। एनसीआरबी के आंकड़ों में कहा गया है कि 2001 और 2018 के बीच 1,700 से अधिक हिरासत में मौतें हुईं। 2014 और 2018 के बीच 452 हिरासत में मौतें हुईं, जिसमें कोई भी पुलिस अधिकारी जिम्मेदार नहीं पाया गया। निगरानी प्रणालियां पूरे भारत में हर जगह हैं और उन्हें हमारी अदालतों व पुलिस स्टेशनों में तैनात करने से हमारे संस्थानों में लोगों का अधिक विश्वास होगा। साथ ही, आदर्श रूप से, वीडियो फुटेज को स्थानीय रूप से संग्रहीत नहीं किया जाना चाहिए और उन्हें सीधे पुलिस मुख्यालय में भेज दिया जाएगा ताकि छेड़छाड़ को रोका जा सके।

महिला सुरक्षा

महिलाओं की सुरक्षा सिर्फ एक प्राथमिकता नहीं बल्कि उससे बढ़कर होनी चाहिए। 2017 में एक रौंगटे खड़े करने वाली घटना का पुन: उल्लेख करते हैं, जहां पुणे इंफोसिस के परिसर में सुरक्षा गार्ड द्वारा एक 25 वर्षीय महिला के साथ बलात्कार किया गया था और उसके कार्यालय में गला घोटकर उसकी हत्या कर दी गई थी – जो उस भयानक खतरे को प्रदर्शित करता है जिसका महिलाएं रोजाना सामना करती हैं। इस मामले में, अपराधी पकड़ा गया लेकिन उन अन्य लोगों के बारे में क्या है जो ऐसे अपराध करके साफ बच निकलते हैं? क्या हमें ऐसी भयानक घटनाओं को बार-बार दोहराने से रोकना नहीं चाहिए? बेंगलुरु सिटी ने घोषणा की है कि यह महिलाओं की सुरक्षा के लिए 16,000 सीसीटीवी कैमरे स्थापित करेगा, लेकिन कार्यस्थलों को भी नियम का पालन करने की आवश्यकता है। उन्हें कार्यस्थल में महिलाओं के लिए सुरक्षा उपायों को बढ़ाने की आवश्यकता है ताकि वे उस निरंतर भय से मुक्त होकर अपने सपनों को पूरा कर सकें जो लगातार उन्हें डराता रहता है।

यातायात प्रबंधन

नवीनतम निगरानी तकनीक के कारण यातायात निगरानी और प्रबंधन एक नए स्तर पर पहुंच गए हैं। यात्री काम करने के लिए बाहर निकलने से पहले नवीनतम ट्रैफिक रिपोर्ट प्राप्त करने हेतु अब समाचारों पर नजर डाल सकते हैं। व्यस्त सड़कों, ट्रैफिक सिग्नलों और व्यस्त चौराहों पर सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं। कैमरों का उपयोग ट्रैफिक की निगरानी, पैटर्न डेटा की रिकॉर्डिंग, ट्रैफिक के समग्र अवलोकन और चालान जारी करने के लिए किया जाता है। हालांकि, यह बुनियादी ढांचा काफी हद तक महानगरीय शहरों तक ही सीमित है।

भारत में दुर्घटना से मृत्यु और चोरी की दर सबसे ज्यादा है। छोटे शहरों में ट्रैफिक कैमरे लगाकर ड्राइवरों से सावधानी बरतने और नियमोल्लंघनों को हतोत्साहित करने के लिए आग्रह किया जाएगा। परिवहन अधिकारी सड़क बंद होने या दुर्घटनाओं के मामले में वाहन के प्रवाह की निगरानी के लिए भी उनका उपयोग कर सकते हैं। वे केवल अपराधी की नंबर प्लेट की जानकारी लेकर होने वाले उल्लंघनों के लिए स्वचालित टिकट जारी करके ऐसा करते हैं।

आतंकवाद को रोकने के लिए

अफसोस की बात है कि भारत आतंकवाद से अंजान नहीं है। अतीत में हमारे देश में कई हमले हुए हैं और हमने हाल ही में 2008 में कुख्यात मुंबई हमलों की 12वीं वर्षगांठ मनाई है, जहां 171 लोगों ने अपनी जान गंवाई और 239 घायल हुए। इन भयावह उदाहरणों ने हमारे सामने उच्च तकनीक निगरानी की आवश्यकता प्रदर्शित की है। नवीनतम तकनीक के साथ, आधुनिक निगरानी प्रणाली चेहरे की पहचान जैसी सुविधाओं से लैस हैं। इसे ज्ञात अपराधियों व संदिग्ध व्यक्तियों की पहचान करने हेतु सरकार और पुलिस रिकॉर्ड से जोड़ा जा सकता है। जब इसे शहरों के आसपास विभिन्न स्थलों पर स्थापित किया जाता है, तो यह वांछित व्यक्ति की पहचान कर सकता है या लोगों में व्यापक स्तर पर हड़कंप पैदा किए बिना खतरे के बारे में अधिकारियों को सूचित कर सकता है।

उपर्युक्त बिंदुओं के अध्ययन के बाद, यह देखना सरल हो जाता है कि निगरानी अब एक विकल्प नहीं है, बल्कि आज की दुनिया में एक आवश्यकता है। ताकि हमारे बच्चे सुरक्षित रूप से बाहर खेल सकें, महिलाएं स्वतंत्र रूप से आ-जा सकें या अकेले अपने कार्यालय में बैठ सकें, और उनके पास आने वाले वही लोग हों जो मदद की पेशकश करना चाहते हैं। उन्नत कृत्रिम मेधा या एआई-चालित निगरानी प्रणालियां हमें आशा की एक झलक देती है। और जब इसका कुशलता से उपयोग किया जाता है, तो वे समाज में सुरक्षा वापस लाने की क्षमता रखती हैं।

(लेखक ऑनकैम के क्षेत्रीय निदेशक हैं।)

सोनू सूद को पंजाब के कोरोना वायरस टीकाकरण कार्यक्रम के लिए ब्रांड एंबेसडर बनाया गया

चंडीगढ़। अभिनेता सोनू सूद को पंजाब के कोरोना वायरस टीकाकरण कार्यक्रम के लिए ब्रांड एंबेसडर बनाया गया है। सूद ने पिछले साल कोरोना वायरस संक्रमण को फैलने से रोकने के लिए लगाए गए लॉकडाउन के दौरान प्रवासियों को उनके गृह राज्यों में पहुंचाने में मदद की थी। अभिनेता ने कोविड-19 महामारी के बीच हजारों जरूरतमंद लोगों को भोजन भी उपलब्ध कराया था। पंजाब के मुख्यमंत्री अमरिंदर सिंह ने अभिनेता से अपने आवास पर मुलाकात करने के एक दिन बाद रविवार को यह घोषणा की। मुख्यमंत्री ने ट्वीट किया, मुझे इस बात को साझा करने में खुशी हो रही है कि सोनू सूद हमारे कोविड-19 टीकाकरण अभियान के ब्रांड एंबेसडर होंगे। मैं हमारे अभियान को हर पंजाबी तक पहुंचाने और सभी को जल्द से जल्द टीकाकरण करवाने की अपील करने के लिए उन्हें धन्यवाद देता हूं। सिंह ने कहा कि टीका लगवाने लिए लोगों को प्रेरित करने के लिए उनसे (सूद) बेहतर कोई और आदर्श नहीं है। उन्होंने कहा, पंजाब में लोगों के बीच बहुत झिझक है। उनके बीच सोनू की लोकप्रियता और पिछले साल महामारी के बाद से हजारों प्रवासियों को उनके घरों तक पहुंचाने के बाद एक आदर्श के रूप में सामने आए सोनू की अपील से मदद मिलेगी। सूद ने कहा कि वह खुद को टीकाकरण कार्यक्रम के लिए ब्रांड एंबेसडर नियुक्त किए जाने से खुश और सम्मानित महसूस कर रहे हैं। उन्होंने कहा, मैं अपने गृह राज्य के लोगों के जीवन की रक्षा के लिए पंजाब सरकार के इस अभियान में कोई भी भूमिका निभाने के लिए धन्य महसूस कर रहा हूं।

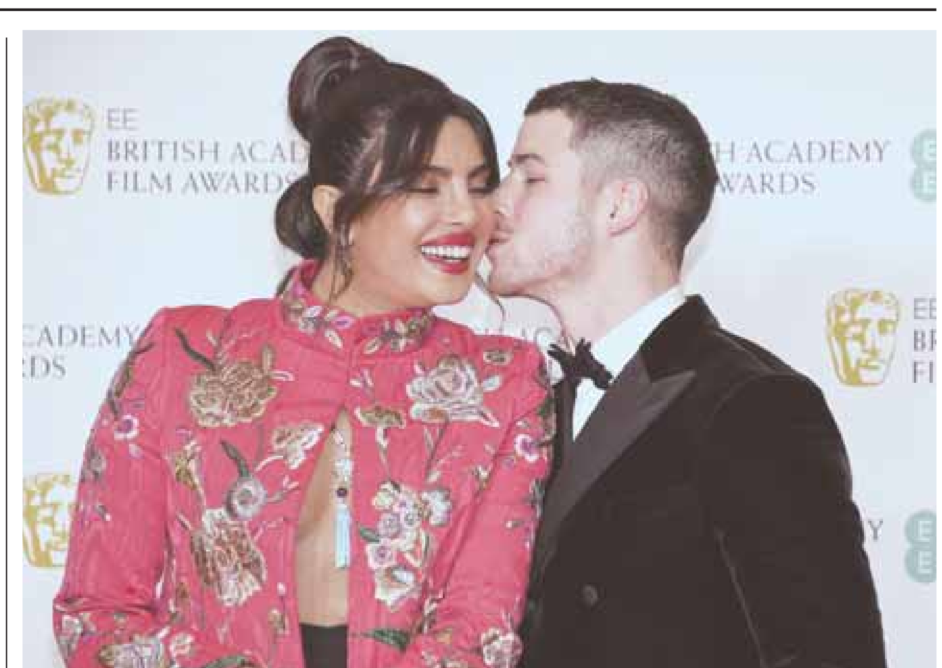

लंदन में बाफ्टा फिल्म समारोह में अभिनेत्री प्रियंका चोपड़ा और उनके पति निक जोनस

अमेरिकी गायिका मैरी मिलबन ने हिंदू नववर्ष की बधाई दी

वाशिंगटन। लोकप्रिय अमेरिकी गायिका एवं अभिनेत्री मैरी मिलबन ने संस्कृत श्लोक पढ़कर भारत और अमेरिका समेत दुनियाभर में मौजूद भारतीयों को हिंदू नव वर्ष की बधाई दी। हिंदू कैलेंडर के अनुसार मंगलवार को नव वर्ष का पहला दिन है। भारत में विभिन्न राज्यों में उगादी, गुड़ी पड़वा और बैसाखी का त्योहार मनाया जा रहा है। मिलबन ने एक वीडियो में मंत्रोच्चार कर भारत और दुनियाभर में मौजूद भारतीय समुदाय को बधाई दी। मिलबन (39) ने वीडियो जारी करने के बाद कहा, मेरे प्यारे भारत और दुनियाभर में मौजूद भारतीय समुदाय के लोगों को नव वर्ष की बधाई। उन्होंने कहा, पिछले वर्ष दीपावली पर प्रस्तुति देने के बाद मैं भारत में पारंपरिक त्योहारों और धार्मिक रीति-रिवाजों के बारे में और जानना चाहती थी। भारतीय संस्कृति और भारत से मेरा संबंध मेरे अध्ययन और हिंदी सीखने से बढ़ा है। मिलबन ने पिछले साल ओम जय जगदीश हरे गाते हुए एक वीडियो जारी किया था और दीपावली की बधाई दी थी। जल्द ही उनका यह वीडियो चर्चा में आ गया था और 10 लाख से अधिक लोगों ने उसे देखा था। उन्होंने हिंदी और भारतीय संस्कृति के अपने शिक्षक डॉक्टर मोक्षराज का आभार व्यक्त किया था।

अभिनेत्री तबस्सुम कोविड-19 से उबरीं, जल्द मिलेगी अस्पताल से छुट्टी

मुंबई। एक सप्ताह से अधिक समय पहले कोविड-19 से संक्रमित पाई गईं दिग्गज अभिनेत्री और टॉक शो की मेजबानी करने वाली तबस्सुम अब ठीक हो गई हैं। उनकी जांच रिपोर्ट निगेटिव आई है और उन्हें एक या दो दिन में अस्पताल से छुट्टी मिल जाएगी। उनके बेटे और अभिनेता-फिल्म निर्माता होशांग

गोविल ने यह जानकारी दी। 76 वर्षीय अभिनेत्री मार्च के अंत में अपने घर पर अपने डिजिटल शो "तबस्सुम टॉकीजै की शूटिंग कर रही थीं, जिसके ठीक दो दिन बाद उन्हें कोरोना वायरस से संक्रमित पाया गया। होशांग ने पीटीआई-भाषा को बताया, उनका रक्तचाप थोड़ा अधिक था, इसलिए हमने उनकी कोविड-19 जांच करवाने का फैसला किया। तब यह पता चला कि वह संक्रमित हैं, लेकिन गंभीर रूप से प्रभावित नहीं हुईं। सुरक्षा के लिहाज से, हमने उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया। उन्होंने कहा, "पिछले आठ-नौ दिनों से उनका अस्पताल में इलाज चल रहा था। कल, उनकी जांच रिपोर्ट निगेटिव आई है और शायद आज या कल उन्हें छुट्टी मिल जाएगी। तबस्सुम को दूरदर्शन के लंबे समय से चलने वाले शो "फूल खिले हैं गुलशन गुलशनै की मेजबानी के लिए जाना जाता है।

कोर्ट में यादगार अभिनय करने वाले वीरा साथीदार की कोविड-19 से मृत्यु

नागपुर (महाराष्ट्र)। अभिनेता-कार्यकर्ता वीरा साथीदार की कोविड-19 संबंधी समस्याओं के चलते मंगलवार को मृत्यु हो गई। उन्हें राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता फिल्म कोर्ट में यादगार अभिनय के लिए जाना जाता है। साथीदार (62) को कोरोना वायरस से संक्रमित होने के बाद अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स), नागपुर में भर्ती कराया गया था। अस्पताल के एक अधिकारी ने बताया कि अभिनेता को पिछले सप्ताह अस्पताल में भर्ती कराया गया था और मंगलवार तड़के तीन बजकर 42 मिनट पर उन्होंने अंतिम सांस ली। फिल्म कोर्ट का निर्देशन करने वाले चैतन्य तम्हाने के मुताबिक, अभिनेता को अस्पताल में वेंटिलेटर पर रखा गया था। तम्हाने ने बताया, वह वेंटिलेटर पर थे। यह काफी दुर्भाग्यपूर्ण खबर है। इस पर विश्वास करना मुश्किल है कि वह अब नहीं रहें। निर्देशक ने कहा, वह न सिर्फ अभिनेता, कार्यकर्ता और एक कवि थे, बल्कि एक बेहतरीन इंसान भी थे। कोर्ट 2016 में ऑस्कर पुरस्कारों के लिए भारत की ओर से आधिकारिक प्रविष्टि थी। इस फिल्म के अलावा उन्होंने दो और लघु फिल्मों में काम किया था।

कोरोना मुक्त होने के लिए बप्पी लाहिरी ने भगवान को दिया धन्यवाद

मुंबई। संगीतकार एवं गायक बप्पी लाहिरी ने रविवार को बताया कि वह कोरोना वायरस के संक्रमण से मुक्त हो गए हैं तथा उन्हें अस्पताल से छुट्टी मिल गई है। इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट के जरिए 68 वर्षीय गायक ने यह जानकारी साझा की। वह चलते-चलते, डिस्को डांसर और शराबी समेत कई अन्य फिल्मों में संगीत देने के लिए जाने जाते हैं। लाहिरी ने अपनी एक तस्वीर के साथ लिखा, भगवान और अपने प्रिय लोगों के आशीर्वाद से मैं घर आ गया हूं। कोविड-19 से संक्रमित होने के बाद एहतियात के तौर पर संगीतकार को ब्रीच कैंडी अस्पताल में इस महीने की शुरुआत में भर्ती कराया गया था। पोस्ट में उन्होंने अस्पताल के कर्मियों और प्रशंसकों के प्रति आभार प्रकट किया। मुंबई में शनिवार को कोविड-19 के 9,330 नए मामले सामने आए और 28 लोगों की मौत हो गई। इसके साथ ही यहां कुल संक्रमितों की संख्या बढ़कर 5,10,512 हो गई और मृतकों की संख्या बढ़कर 11,944 हो गई।

आर माधवन अब भी बरत रहे हैं सावधानी

मुंबई। अभिनेता आर माधवन ने रविवार को कहा कि वह कोरोना वायरस संक्रमण से उबर चुके हैं लेकिन अब भी अत्यधिक सावधानी बरत रहे हैं। अभिनेता ने ट्विटर पर कहा कि उनकी मां कोरोना वायरस से संक्रमित नहीं पाई गई हैं। माधवन (50) ने लिखा, फिक्र और दुआ करने के लिए आप सभी का शुक्रिया। अम्मा समेत घर पर सभी लोग एक बार फिर कोविड-19 से पीड़ति नहीं पाए गए। उन्होंने कहा, हालांकि हमने संक्रमण का चरण पूरा कर लिया है लेकिन फिर भी हम सभी अत्यधिक सावधानी, एहतियात बरत रहे हैं और घर पर भी सभी नियमों का पालन कर रहे हैं। ईश्वर की कृपा से हम सभी अब स्वस्थ हैं। माधवन ने 25 मार्च को ट्विटर पर खुद के कोविड-19 से पीड़ति होने की खबर दी थी। उनकी अगली फिल्म रॉकेट्री : द नाम्बी इफेक्ट होगी जो निर्देशक के तौर पर भी उनकी पहली फिल्म होगी।